वर्ष 1, अंकः 56, मूल्य 5/
गढ़वा, रविवार, 26 जुलाई 2026
www.jharkhandvarta.com
शिकायत या सुझाव : jharkhandvartaranchi@gmail.com पर मेल करें, PRGI No. JHHIN/25/A0561

झारखंड वार्ता

गढ़वा से प्रकाशित, रांची से मुद्रित
खबर आम हो खास, पहुंचेगी आपके पास

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अपना इस्तीफ़ा पीएम मोदी को भेजा

36 दिनों से जारी जंतर-मंतर आंदोलन समाप्त
प्रल्हाद जोशी को मिला शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार

नयी दिल्ली। देश भर में तूल पकड़ चुके पेपर लीक विवाद और विपक्षी दलों के भारी दबाव के बीच केंद्र सरकार ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की प्रमुख मांगों को स्वीकार कर लिया है। शनिवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के अपने पद से इस्तीफा देने के बाद पिछले 36 दिनों से राजधानी के जंतर-मंतर पर चला आ रहा सीजेपी का ऐतिहासिक छात्र आंदोलन तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया गया। कांस्टिट्यूशन क्लब में आयोजित बैठक में केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा और जितेंद्र सिंह ने सीजेपी के प्रतिनिधियों—सौरव दास और आशुतोष रांका के साथ तीसरे दौर की वार्ता की। सभी प्रमुख मांगों पर सहमति बनने के बाद दोनों पक्षों ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन कर आंदोलन वापस लेने की आधिकारिक घोषणा की। राष्ट्रपति ने श्री प्रधान का त्यागपत्र स्वीकार करते हुए उपभोक्ता मामले एवं खाद्य मंत्री प्रल्हाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। मुकदमों की वापसीः दिल्ली तथा भाजपा व एनडीए शासित राज्यों में प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर (FIR) वापस ली जाएंगी। सरकार ने मंगलवार तक इसकी लिखित गारंटी देने का आश्वासन दिया है।

पीड़ित परिवारों को मुआवजाः नीट पेपर लीक के बाद आत्महत्या करने वाले विद्यार्थियों के परिजनों को नियमानुसार अधिकतम आर्थिक सहायता दी जाएगी।

परीक्षा सुधार पर चर्चाः सीजेपी द्वारा दिए गए परीक्षा-सुधार चार्टर पर विचार करने के लिए सरकार चार सप्ताह बाद सीजेपी प्रतिनिधियों के साथ पुनः बैठक करेगी।

जैसे ही जंतर-मंतर पर सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और मांगों की स्वीकृति की घोषणा की, प्रदर्शनकारी छात्रों और युवाओं में खुशी की लहर दौड़ गई। 36 दिनों से डटे छात्रों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया, "छात्र एकता जिंदाबाद" के नारे लगाए और राष्ट्रगान गाकर आंदोलन का समापन किया। इस दौरान परीक्षा विवादों से हताश होकर जान गंवाने वाले छात्रों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि भी दी गई।

सोमवार को लोकसभा में पेश होगा कड़ा कानून

पेपर लीक जैसी धांधलियों को रोकने के लिए सरकार मानसून सत्र में एक सख्त विधेयक लाने की तैयारी में है। कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मामलों के मंत्री जितेंद्र सिंह सोमवार को लोकसभा में पेपर लीक रोधी विधेयक पेश करेंगे, जिसके मसौदे को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को मंजूरी दे दी थी।

गौरतलब है कि 20 जून से जंतर-मंतर पर सीजेपी के बैनर तले जारी इस आंदोलन को सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक, विपक्षी नेताओं और देश भर के छात्र संगठनों का व्यापक समर्थन मिला था। मांगों पर लिखित आश्वासन मिलने के बाद शनिवार देर शाम छात्र शांतिपूर्ण ढंग से अपने-अपने राज्यों के लिए रवाना होने लगे।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से देश में सियासी भूचाल

प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव, केजरीवाल, तेजस्वी, थरूर और सुप्रिया सुले ने कसा तंज

नई दिल्ली। नीट (NEET) पेपर लीक और देशव्यापी छात्र आंदोलनों के प्रचंड दबाव के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के पद छोड़ते ही देश की राजनीति में जबरदस्त भूचाल आ गया है। शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की खबर सामने आते ही विपक्षी खेमा आक्रामक हो गया है। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, आम आदमी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल (RJD) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) समेत तमाम प्रमुख विपक्षी दलों के शीर्ष नेताओं ने इसे देश के करोड़ों युवाओं और छात्रों के अनवरत संघर्ष की बड़ी जीत करार दिया है।

■ 1. "यह लाखों युवाओं और छात्रों के संघर्ष की जीत": प्रियंका गांधी

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह देश के लाखों परीक्षार्थियों और उनके अभिभावकों के अनवरत संघर्ष, धैर्य और बुलंद आवाज की जीत है। उन्होंने कहा कि सरकार कब तक सच से मुंह मोड़ती? आखिरकार जनाक्रोश और छात्रों के न्याय की मांग के आगे सरकार को झुकना ही पड़ा।

■ 2. "केवल इस्तीफा काफी नहीं, जवाबदेही तय हो": अखिलेश यादव

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि केवल शिक्षा मंत्री का इस्तीफा दे देना ही इस पूरे प्रकरण का समाधान नहीं है। भाजपा सरकार में लगातार हो रहे पेपर लीक ने देश के युवाओं का भविष्य गर्त में धकेल दिया है। सरकार को यह बताना होगा कि आखिर किस तंत्र के तहत इतने बड़े पैमाने पर धांधली हुई और दोषियों को क्या सजा मिलेगी।

■ 3. "युवा शक्ति के आगे अहंकारी सरकार को झुकना पड़ा": अरविंद केजरीवाल

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जब देश का युवा, छात्र और आम नागरिक अपने हक के लिए सड़कों पर उतरते हैं, तो बड़ी से बड़ी सत्ता को झुकना पड़ता है। उन्होंने कहा कि धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा इस बात का सबूत है कि केंद्र सरकार पूरी तरह से विफल साबित हुई है।

आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार समेत पूरे देश में छात्रों और विपक्ष का संयुक्त संघर्ष रंग लाया है। हमने संसद से लेकर सड़कों तक नीट अभ्यर्थियों की आवाज उठाई और बिहार बंद के जरिए अपनी एकजुटता दिखाई। यह तो बस शुरुआत है, जब तक हर पीड़ित अभ्यर्थी को पूरा न्याय नहीं मिल जाता, हमारी लड़ाई जारी रहेगी।

■ 5. "संस्थागत विफलता को छिपाया नहीं जा सकता": शशि थरूर

कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद डॉ. शशि थरूर ने कहा कि देश की प्रतिष्ठित राष्ट्रीय परीक्षाओं का इस तरह लगातार लीक होना और फिर रद्द होना पूरे प्रशासनिक ढांचे की विफलता को दर्शाता है। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा इस बात की मौन स्वीकारोक्ति है कि व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है।

■ 6. "संसद में उठाएंगे पूरी व्यवस्था के पुनर्गठन का मुद्दा": सुप्रिया सुले

एनसीपी (शरदचंद्र पवार) सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि शिक्षा मंत्री का पद छोड़ना नैतिक आधार पर सही कदम हो सकता है, लेकिन यह उन छात्रों के मानसिक तनाव की भरपाई नहीं कर सकता जो महीनों से सड़कों पर रो रहे हैं। विपक्ष संसद के आगामी सत्र में इस पूरे मामले और परीक्षा प्रणाली में आमूलचूल सुधार की मांग को जोर-शोर से उठाएगा।

■ सियासी गलियारों में हलचल तेज

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद अब राजनीतिक गलियारों में नए शिक्षा मंत्री के नाम को लेकर कयासबाजी शुरू हो गई है। वहीं, दूसरी ओर विपक्षी दलों ने साफ कर दिया है कि वे केवल इस्तीफे तक सीमित नहीं रहने वाले हैं, बल्कि पूरी परीक्षा प्रणाली के पारदर्शी पुनर्गठन और जांच एजेंसियों की निष्पक्ष रिपोर्ट तक अपना दबाव बनाए रखेंगे।

गुजरात में भारी बारिश, 5 की मौत: असम में बाढ़ से 24 घंटे में 14 मौतें

एजेंसी नई दिल्ली

गुजरात में लगातार हो रही भारी बारिश से कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। अब तक बाढ़ प्रभावित इलाकों से 40,500 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। बारिश से जुड़े हादसों में 5 लोगों की मौत हो गई है। अहमदाबाद में आज सभी स्कूल, कॉलेज और आंगनवाड़ी केंद्र बंद रहेंगे। असम में बाढ़ से पिछले 24 घंटे में 14 लोगों की मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 61 हो गई है। राज्य के 12 जिलों में बाढ़ से 7.05 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। मध्य प्रदेश में मानसूनी बारिश का स्ट्रॉंग सिस्टम एक्टिव है, जिसके चलते आज प्रदेश के 35 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर प्रदेश में पिछले 15 दिनों से लगातार बारिश हो रही है। इसे देखते हुए शनिवार को राज्य के 30 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इधर, राजस्थान में भी बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने शनिवार को राज्य के विभिन्न हिस्सों के लिए ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया है।

पंजाब के इकलौते मंत्री की मोदी कैबिनेट से छुट्टी

पीएम की जालंधर रैली में मिले थे संकेत; अब राघव चड्ढा समेत 3 नाम चर्चा में

एजेंसी लुधियाना

केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वह केंद्र की पीएम नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली सरकार में पंजाब से इकलौते मंत्री थे। उनके इस्तीफे को 24 जुलाई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्वीकार कर लिया है। बिट्टू के इस्तीफे का इशारा 17 जुलाई को ही मिल गया था, जब वे जालंधर रैली में स्टेज पर पीएम मोदी से बात करते नजर आए थे।

ये फोटो 17 जुलाई की जालंधर रैली की है, जिसमें रवनीत बिट्टू चिंता में नजर आ रहे थे और उन्होंने पीएम मोदी से बात भी की।

हालांकि इसकी वजह ये भी है कि बिट्टू अब सांसद नहीं थे, उनका राज्यसभा का कार्यकाल 21 जून को ही खत्म हो गया था। बीजेपी ने तब उन्हें दोबारा टिकट न देकर साफ कर दिया था कि उनकी मंत्रिमंडल से छुट्टी होगी। बड़ा सवाल ये है कि 2027 के पंजाब चुनाव से महज 7 महीने पहले इकलौते मंत्री को क्यों हटाया गया, जबकि बिट्ड्टू सांसद न रहते हुए भी 21 दिसंबर तक मंत्री बने रह सकते हैं।

अब चर्चा है कि केंद्र की मोदी कैबिनेट में पंजाब से नए चेहरों की एंट्री हो सकती है। इसमें सबसे चर्चित नाम राघव चड्ड्ढा का है, जो छोड़कर भाजपा में शामिल हुए हैं। वह पंजाब से ही राज्यसभा सांसद हैं। इस लिस्ट में लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के चांसलर अशोक मित्तल और अमृतसर के रहने वाले नए राज्यसभा सांसद तरूण चुघ का भी नाम शामिल है।

बिट्टू बोले- अब मेरा टाइम पंजाब के लिए है

इस्तीफे को लेकर रवनीत बिट्ड्टू ने कहा- मैंने 2-3 महीने पहले ही इस बारे में रिक्वेस्ट की थी। जिस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जालंधर आए थे, उस दिन भी मैंने ये बात कही। पिछले सेशन में भी मैं शामिल नहीं हुआ था। जिस दिन मेरी राज्यसभा की टर्म खत्म हुई, मैंने उसी दिन इस्तीफा दे दिया था। मैं कल फिर उनसे मिला था। अब मेरा टाइम पंजाब के लिए है। आज भी मैं कई जगहों पर गया था। अब मुझ पर पंजाब में सरकार बनाने की जिम्मेदारी है, मैं इसी काम पर लगा हूं।

उन्होंने (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट कर लिखा- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मैं हृदय से आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने मुझे भारत सरकार में राज्य मंत्री के रूप में देश की सेवा करने का अवसर दिया। भारत के लोगों, विशेषकर मेरे पंजाब के लोगों की सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है। मैं सेवा, राष्ट्रवाद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखूंगा। जनसेवा की मेरी यात्रा नए संकल्प और समर्पण के साथ आगे भी जारी रहेगी।

एमपी की छात्रा से गैंगरेप के आरोपी का शॉर्ट एनकाउंटर

चित्रकूट में मुठभेड़, पैर में गोली लगी; बॉयफ्रेंड के साथ देवांगना घाटी घूमने गई थी

एजेंसी सतना

मध्यप्रदेश के चित्रकूट में एक छात्रा से गैंगरेप के आरोपी जितेंद्र उर्फ भोला को पुलिस ने शॉर्ट एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर लिया है। इस दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी, जबकि एक पुलिसकर्मी भी घायल हो गया। दोनों को शिवरामपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

यह मुठभेड़ शनिवार शाम करीब 5 बजे यूपी के चित्रकूट में भरकूप थाना क्षेत्र के मड़था के जंगल में हुई। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी जितेंद्र की लोकेशन जंगल में मिलने के बाद पुलिस टीम ने घेराबंदी की। खुद को घिरा देखकर आरोपी ने पुलिस पर दो तमंचों से फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग के दौरान एक पुलिसकर्मी के हाथ में गोली लग गई। इसके जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की, जिसमें आरोपी जितेंद्र के पैर में गोली लगी और वह बाइक समेत गिर पड़ा। इसके बाद पुलिस टीम ने उसे घेरकर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने तीन राउंड फायरिंग की, जबकि पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में 10 राउंड फायर किए।

पंजाब- पंथक पॉलिटिक्स में बढ़ता खालिस्तान समर्थक एमपी का कद

एजेंसी अमृतसर

अकाली दल (वारिस पंजाब दे) पार्टी ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह को संसद के मानसून सत्र में शामिल होने की इजाजत देने की मांग की है, ताकि अमृतपाल अपने संसदीय क्षेत्र के मुद्दे संसद में उठा सकें। इसे लेकर पार्टी के महासचिव मनदीप सिंह सिद्धू ने चिटठी लिखी। इधर, पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह पंथक पॉलिटिक्स के नए पावर सेंटर बन सकते हैं। सांसद अमृतपाल की पार्टी अकाली दल (वारिस पंजाब दे) ऐलान कर चुकी है कि वह 2027 का विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। भले ही वह जेल में रहें। अमृतपाल ने 2024 का लोकसभा चुनाव भी जेल में रहकर ही जीता था। वहीं, इकबाल सिंह झूदा, एमएलए मनप्रीत सिंह अयाली और दर्शन सिंह शिवालिक जैसे अकाली नेता भी अमृतपाल की पार्टी का दामन थाम चुके हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में खडूर साहिब और फरीदकोट के 18 विधानसभा सीटों में से 15 पर अमृतपाल सिंह और सरबजीत सिंह खालसा की बढ़त ने इस बदलाव को चुनावी आंकड़ों में भी दिखाया।

अमृतपाल या उनकी पार्टी ने अभी कोई विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा है। हालांकि, 2024 के चुनाव में उनकी लोकसभा की जीत में विधानसभा सीटों के रिजल्ट विरोधियों के लिए चिंता की वजह हैं।

भारत ने स्वदेशी काउंटर-ड्रोन सिस्टमभार्गवास्त्र का ट्रायल किया

एजेंसी नई दिल्ली

भारतीय सेना के सामने सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड ने नागपुर में अपने स्वदेशी काउंटर-ड्रोन सिस्टम भार्गवास्त्र का सफल लाइव ट्रायल किया। कंपनी का दावा है कि यह सिस्टम हवाई हमलों और ड्रोन स्वार्म (ड्रोन के झुंड) जैसे बढ़ते खतरों से निपटने के लिए तैयार है। इसे सेना के कमांड और कम्युनिकेशन नेटवर्क से भी जोड़ा जा सकता है।

मौजूदा जानकारी के मुताबिक, यह सिस्टम खतरनाक ड्रोन और खुद से उड़ने वाले ड्रोन के झुंड को रोकने के लिए बनाया गया है। इनपुट में ट्रायल की तारीख और सेना की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया की जानकारी नहीं दी गई है। यह जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

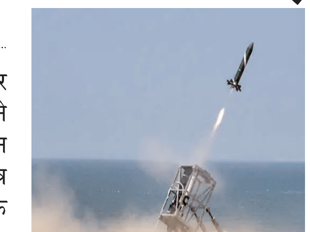

कंपनी के मुताबिक ट्रायल सफल रहा।

गाड़ी पर लगने वाला मोबाइल सिस्टम

भार्गवास्त्र को गाड़ी पर आसानी से लगाया जा सकता है। इससे जरूरत पड़ने पर इसे तेजी से एक जगह से दूसरी जगह ले जाकर तैनात किया जा सकता है। कंपनी का कहना है कि इससे अलग-अलग इलाकों में तुरंत ऑपरेशन करना आसान होगा।

स्वदेशी रॉकेट और माइक्रो-मिसाइल से लैस

कंपनी के मुताबिक, इस सिस्टम में देश में बने रॉकेट और सटीक निशाना लगाने वाली माइक्रो-मिसाइल लगी हैं। दावा है कि ये दुश्मन के ड्रोन को हवा में ही नष्ट कर सकती हैं।

रेगिस्तान से 5,000 मीटर ऊंचे पहाड़ तक तैनाती

कंपनी के अनुसार, भार्गवास्त्र को रेगिस्तान, मैदान और समुद्र तल से 5,000 मीटर तक ऊंचे पहाड़ी इलाकों में भी तैनात किया जा सकता है। इसे अलग-अलग भौगोलिक परिस्थितियों में इस्तेमाल करने के हिसाब से तैयार किया गया है।

राजा पहाड़ी शिव मंदिर प्रबंधन समिति का गठन श्रावणी मेले की तैयारियों को लेकर अहम फैसले

27 जुलाई तक मंदिर होगा अतिक्रमण मुक्त, नया बैंक खाता खुलेगा, श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर रहेगा विशेष जोर

झारखंड वार्ता संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। अनुमंडल कार्यालय में गुरुवार को एसडीओ प्रभाकर मिर्धा की अध्यक्षता में राजा पहाड़ी शिव मंदिर प्रबंधन समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में सर्वसम्मति से मंदिर प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों का चयन किया गया तथा मंदिर संचालन, वित्तीय व्यवस्था और आगामी श्रावणी मेले की तैयारियों को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में कामेश्वर प्रसाद एवं रजनीकांत मधुर उर्फ भोलू को उपाध्यक्ष, लव कुमार को उपसचिव, शुभम प्रकाश को कोषाध्यक्ष, मनोज कुमार को सह-कोषाध्यक्ष, अशोक सेठ को मीडिया प्रभारी तथा रामचंद्र पाठक को मुख्य पुजारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि मंदिर प्रबंधन समिति की नियमित मासिक बैठक होगी तथा मंदिर संचालन और विकास से जुड़े प्रस्ताव दो-तिहाई बहुमत से पारित किए जाएंगे। साथ ही प्रत्येक माह समिति के सभी सदस्यों की उपस्थिति में दान पेटी खोली जाएगी, ताकि आय-व्यय में पूर्ण पारदर्शिता बनी रहे। समिति ने मंदिर के पुराने बैंक खाते पर रोक लगाने तथा आईसीआईसीआई बैंक, नगर ऊंटारी में मंदिर प्रबंधन समिति के नाम से नया बैंक खाता खोलने का भी निर्णय लिया।

इसके अलावा 27 जुलाई तक राजा पहाड़ी शिव मंदिर परिसर को अतिक्रमण मुक्त कर मंदिर प्रबंधन समिति को विधिवत कार्यभार सौंपने पर सहमति बनी। बैठक में यह भी तय किया गया कि श्रावणी मेले की तैयारियों एवं विधि-व्यवस्था को लेकर मंदिर प्रबंधन समिति प्रशासन को आवश्यक सुझाव देगी, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। नगर पंचायत अध्यक्ष साधना देवी एवं उपाध्यक्ष संध्या देवी ने बताया कि श्रावण माह में आयोजित होने वाले एक माह लंबे श्रावणी मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। राजा पहाड़ी शिव मंदिर तक जाने वाले सभी प्रमुख मार्गों की साफ-सफाई, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, ठहरने की व्यवस्था तथा नगर पंचायत से जुड़े अन्य आवश्यक कार्य समय पर पूरे किए जाएंगे, ताकि कांवरियों और श्रद्धालुओं को भगवान शिव के दर्शन-पूजन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष साधना देवी, उपाध्यक्ष संध्या देवी, कार्यपालक पदाधिकारी राजकमल मिश्रा, कामेश्वर प्रसाद, अशोक जायसवाल, कमलेश मेहता, मनोज कुमार मंटू, ओमप्रकाश गुप्ता, रजनीकांत मधुर, शुभम प्रकाश, मनोज कुमार, अशोक सेठ, विद्या भास्कर, अभय कुमार मिंटू, सचिन कुमार सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

आर. के. पब्लिक स्कूल में कारगिल विजय दिवस का आयोजन

झारखंड वार्ता संवाददाता

मझिआंव : कारगिल के प्रसिद्ध 'ऑपरेशन विजय' में भाग लेने वाले भारत के महान सैनिकों के गर्व और शौर्य को फिर से प्रज्वलित करने के लिए, आज आर. के. पब्लिक स्कूल, उँचरी, मझिआंव में एक विशेष प्रातःकालीन सभा में कारगिल विजय दिवस अत्यंत उत्साह, उमंग और देशभक्ति के साथ मनाया गया। इस गरिमामय अवसर पर, विशेष आमंत्रित अतिथि शंभू उपाध्याय थे, जो एक पूर्व सैनिक हैं और विद्यालय के एक छात्र के अभिभावक भी हैं। सबसे पहले, विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री के. आर. झा ने सभा में हवलदार श्री शंभू उपाध्याय का स्वागत किया और उन्हें शॉल भेंट कर सम्मानित किया। नवी कक्षा की निधि प्रिया और उनकी टीम ने देशभक्ति गीतों से पूरे विद्यालय परिसर को देशभक्ति के माहौल से सराबोर कर दिया। छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए, श्री उपाध्याय ने भारतीय सैनिकों के वीर कारनामों का विस्तार से वर्णन किया और 'ऑपरेशन विजय' का आंखों देखा हाल सुनाया, जिसका वे स्वयं भी एक हिस्सा रहे थे। उन्होंने छात्रों से अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद गर्व के साथ भारतीय सेना में शामिल होने की अपील की। अपने संबोधन में, विद्यालय के प्रधानाचार्य के. आर. झा ने कारगिल विजय दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि यह दिन 26 जुलाई, 1999 को पाकिस्तानी सेना द्वारा कब्जा की गई पहाड़ी ऊंचाइयों को वापस प्राप्त करने में भारतीय सैनिकों की जीत का प्रतीक है, जिसे कारगिल युद्ध के रूप में जाना जाता है। प्रधानाचार्य ने कैप्टन विक्रम बत्रा, 'कारगिल के शेरशाह', को विशेष सम्मान दिया, जिन्होंने प्वाइंट 5140 और 4875 जैसी महत्वपूर्ण चोटियों को वापस पाने के लिए आगे बढ़कर नेतृत्व किया था। उन्होंने प्रसिद्ध रूप से ये दिल मांगे मोर का नारा दिया था और एक साथी अधिकारी को बचाते हुए अपना बलिदान दे दिया, जिसके लिए उन्हें भारत का सर्वोच्च युद्धकालीन वीरता पुरस्कार परमवीर चक्र प्राप्त हुआ। प्रधानाचार्य ने परमवीर चक्र प्राप्त करने वाले अन्य सुशोभित नायकों, जैसे लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे, ग्रेनेडियर योगेंद्र सिंह यादव, राइफलमैन संजय कुमार आदि के शौर्य और द्रास, बटालिक और मुश्कोह क्षेत्रों में चोटियों को वापस लेने में उनके महत्वपूर्ण योगदान की भी सराहना की।

प्रधानाचार्य के. आर. झा ने इस ऐतिहासिक अवसर पर विद्यालय आने और छात्रों को प्रेरित करने के लिए अपना बहुमूल्य समय देने हेतु पूर्व सैनिक हवलदार शंभू उपाध्याय का धन्यवाद किया। प्रख्यात शिक्षाविद्, लोकप्रिय सामाजिक कार्यकर्ता और आर. के. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष श्री अलख नाथ पांडे ने अपने संदेश में छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए इस तरह की गतिविधियों का आयोजन करने के विद्यालय के प्रयास की सराहना की। उन्होंने छात्रों को राष्ट्र प्रथम की भावना रखने की सलाह दी और कहा कि उन्हें देश के वीर सैनिकों पर गर्व होना चाहिए। इस अवसर पर विद्यालय के सभी छात्र एवं शिक्षक उपस्थित थे।

छह विषयों में विद्यार्थियों ने आजमाया ज्ञान, श्री बंशीधर नगर सरस्वती विद्या मंदिर 18 पदकों के साथ रहा अव्वल

संकुल स्तरीय प्रश्नमंच में 220 प्रतिभागियों ने दिखाई प्रतिभा

झारखंड वार्ता संवाददाता

श्री बंशीधर नगर (गढ़वा)। स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर में शनिवार को संकुल स्तरीय प्रश्नमंच प्रतियोगिता-2026 का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में संकुल के चार विद्यालयों के कुल 220 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। विभिन्न विषयों में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा और ज्ञान का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य रविकांत पाठक, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जोखू प्रसाद, सह सचिव चंदन कुमार, विद्या मंदिर टाउनशिप के प्रधानाचार्य शिवबालक प्रसाद, विद्या मंदिर भवनाथपुर के प्रधानाचार्य जयंत कुमार एवं विद्या मंदिर केतार के प्रधानाचार्य मनोज कुमार गुप्ता ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती, भारत माता एवं ॐ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं पुष्पार्चन कर प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन किया। प्रतियोगिता में शिशु, बाल एवं किशोर वर्ग के विद्यार्थियों ने संस्कृति बोध, वैदिक गणित, विज्ञान, अंग्रेजी, संस्कृत एवं कंप्यूटर सहित कुल छह विषयों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अलग-अलग विद्यालयों के प्रतिभागियों के बीच हुए ज्ञानवर्धक एवं रोचक मुकाबले में विद्यार्थियों ने अपनी तैयारी और विषय ज्ञान का परिचय दिया।

प्रतियोगिता में सरस्वती विद्या मंदिर श्री बंशीधर नगर ने सर्वाधिक 18 पदक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं विद्या मंदिर भवनाथपुर बाजार को 16 पदक, विद्या मंदिर भवनाथपुर नगरी को 15 पदक तथा विद्या मंदिर केतार को 10 पदक मिले। प्रतियोगिता के समापन समारोह में विभिन्न विषयों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को मेडल एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए विद्यालय प्रबंधन ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आयोजकों ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होने के साथ-साथ उनके ज्ञान, आत्मविश्वास एवं प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी आचार्यों, विद्यालय प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों एवं सहयोगी कार्यकताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

स्वस्थ शरीर के लिए स्वच्छता व पौष्टिक आहार जरूरी : डॉ.अभिमन्यु

एमके इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को स्वास्थ्य व स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

झारखंड वार्ता संवाददाता

श्री बंशीधर नगर (गढ़वा)। नगर पंचायत क्षेत्र के जंगीपुर स्टेशन रोड स्थित एमके इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित पोषण, शारीरिक फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में विद्यालय के चेयरमैन डॉ. अभिमन्यु सिंह, प्रिंसिपल डॉ. रॉय राज एवं प्रशासक रविंद्र शर्मा ने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। वक्ताओं ने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन के लिए स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना जरूरी है। छोटी-छोटी अच्छी आदतें बच्चों को कई बीमारियों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विद्यार्थियों को व्यक्तिगत स्वच्छता, संतुलित एवं पौष्टिक आहार, एनीमिया की रोकथाम, त्वचा एवं बालों की देखभाल के बारे में विस्तार से बताया गया।

साथ ही नियमित व्यायाम एवं शारीरिक फिटनेस, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और शरीर में होने वाले बदलावों को लेकर आवश्यक स्वास्थ्य जागरूकता पर भी चर्चा की गई। विद्यालय प्रबंधन ने बच्चों को पर्याप्त नींद लेने और समय पर भोजन करने की सलाह दी। वक्ताओं ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ पर्याप्त आराम, खेलकूद और व्यायाम भी बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए आवश्यक हैं। विद्यार्थियों को स्वस्थ आदतों को अपनी दिनचर्या में शामिल करने तथा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से जुड़े विषयों को लेकर जानकारी प्राप्त की। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि विद्यार्थियों को शुरू से ही स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने से वे न केवल स्वयं स्वस्थ रहेंगे, बल्कि अपने परिवार और समाज को भी स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित कर सकेंगे। कार्यक्रम में शिक्षिका मंगला पाल, रेणुका सिंह, प्रिया चौबे, कुमारी कंचन गुप्ता, खुशबू प्रजापति, सविता कुमारी तथा शिक्षक विजय कुमार गुप्ता, रंजीत प्रजापति, रवि चमन, विष्णु मंडल एवं अभिजीत कुमार सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

परमेश्वरी मेडिकल सेंटर, गढ़वा में दूरबीन विधि से लिवर की Hydatid Cyst के दो जटिल ऑपरेशन सफल

झारखंड वार्ता संवाददाता

गढ़वा। परमेश्वरी मेडिकल सेंटर, गढ़वा में आधुनिक सर्जरी के क्षेत्र में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की गई। अस्पताल में लिवर की Hydatid Cyst (हाइडेटिड सिस्ट) से पीड़ित दो मरीजों का सफल ऑपरेशन दूरबीन विधि (Laparoscopic Surgery) से वरिष्ठ लैप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जन डॉ. कुमार निशांत सिंह के द्वारा सफलतापूर्वक किया गया। Hydatid Cyst एक गंभीर परजीवी (Parasitic) रोग है, जो Echinococcus नामक टेपवर्म के संक्रमण से होता है। यह संक्रमण प्रायः संक्रमित कुत्तों तथा भेड़-बकरियों जैसे पशुओं के संपर्क में आने या उनके मल से दूषित भोजन एवं पानी के सेवन से फैलता है। इस बीमारी में लिवर के भीतर धीरे-धीरे पानी से भरी गांठ (सिस्ट) बनने लगती है। अधिकांश मामलों में यह सिस्ट लंबे समय तक बिना किसी लक्षण के बढ़ती रहती है, लेकिन आकार बढ़ने पर पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द, सूजन, भूख कम लगना, उल्टी, बुखार या पीलिया जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। डॉ. कुमार निशांत सिंह ने बताया कि यदि समय पर उपचार न किया जाए तो सिस्ट फटने का खतरा रहता है, जिससे पेट के अंदर संक्रमण फैल सकता है तथा गंभीर एलर्जिक प्रतिक्रिया (Anaphylactic Shock) जैसी जानलेवा स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है। कुछ मामलों में पित्त नलिकाओं (Bile Duct) में रिसाव, फोड़ा (Abscess) बनना अथवा दोबारा संक्रमण होने जैसी जटिलताएं भी देखने को मिल सकती हैं। इसलिए ऐसे मरीजों का समय पर और विशेषज्ञ चिकित्सक द्वारा उपचार अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि दूरबीन विधि (Laparoscopic Surgery) से ऑपरेशन करने के कई लाभ हैं। इसमें शरीर पर बड़ा चीरा नहीं लगाना पड़ता, दर्द कम होता है, रक्तस्राव अपेक्षाकृत कम होता है, संक्रमण की संभावना कम रहती है, मरीज जल्दी चलने-फिरने लगता है तथा कम समय में अस्पताल से छुट्टी लेकर सामान्य जीवन में लौट सकता है। इस प्रकार की सर्जरी अत्यंत चुनौतीपूर्ण मानी जाती है। ऑपरेशन के दौरान सिस्ट का द्रव पेट में फैलने से बचाना, रक्तस्राव को नियंत्रित रखना तथा पित्त नलिकाओं की सुरक्षा करना सबसे महत्वपूर्ण होता है। इसलिए इस तरह की सर्जरी के लिए अनुभवी सर्जन, आधुनिक लैप्रोस्कोपिक उपकरण, प्रशिक्षित ऑपरेशन थिएटर टीम तथा उन्नत एनेस्थीसिया सुविधा की आवश्यकता होती है। इस जटिल ऑपरेशन में एनेस्थीसिया कि विशेषज्ञ टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने ऑपरेशन के दौरान मरीजों को सुरक्षित बेहोशी प्रदान करने के साथ-साथ हृदय गति, रक्तचाप, श्वसन एवं अन्य महत्वपूर्ण जीवन रक्षक मानकों की लगातार निगरानी करते हुए सुरक्षित एनेस्थीसिया प्रबंधन सुनिश्चित किया। उनकी विशेषज्ञता के कारण ऑपरेशन सफलतापूर्वक एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न हुआ। ऐसे ऑपरेशन के बाद मरीजों की बेहतर देखभाल के लिए अस्पताल में पोस्ट-ऑपरेटिव मॉनिटरिंग, आईसीयू/एचडीयू सुविधा (आवश्यकता पड़ने पर), प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ, 247 आपातकालीन सेवा, आधुनिक पैथोलॉजी एवं रेडियोलॉजी जांच, रक्त की उपलब्धता तथा संक्रमण नियंत्रण की समुचित व्यवस्था का होना आवश्यक होता है। इन सुविधाओं के माध्यम से किसी भी संभावित जटिलता का समय रहते उपचार किया जा सकता है। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि परमेश्वरी मेडिकल सेंटर का उद्देश्य गढ़वा एवं आसपास के जिलों के लोगों को महानगरों जैसी आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराना है, ताकि जटिल बीमारियों के उपचार के लिए मरीजों को अनावश्यक रूप से बड़े शहरों का रुख न करना पड़े। इस सफल सर्जरी से गढ़वा एवं आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को स्थानीय स्तर पर उन्नत लैप्रोस्कोपिक सर्जरी की सुविधा मिलने का विश्वास और मजबूत हुआ है।

समाचार सार

गायत्री शक्तिपीठ में गुरु पूर्णिमा पर माता जी को लगेगा 56 भोग, भंडारा का आयोजन

मझिआंव : अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के निर्देशन में चल रहे मझिआंव के चन्द्री स्थित माता गायत्री शक्तिपीठ में आगामी 28एवं 29 जुलाई को बृहद रूप से गुरू पूर्णिमा मनाया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए गायत्री परिवार के प्रखंड संयोजक नागेन्द्र सिंह ने बताया कि यह गुरुपूर्णिमा अखंड ज्योति के 100वर्ष पूरा होने एवं गुरु माता भगवती देवी शर्मा की जयंती के उपलक्ष में बृहद रूप से तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमे 27जुलाई को शुबह 06बजे प्रभात फेरी एवं दो पहर बैठक कर आगे की रणनीति तैयार की जाएगी। तथा 28 जुलाई को हवन यज्ञ के पश्चात 24घंटे का गायत्री महामंत्र का अखंड जाप किया जायेगा। इसके बाद 29जुलाई को शुबह 08 बजे से हवन यज्ञ एवं 11बजे गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा एवं माता भगवती देवी शर्मा की विशेष पूजा एवं आरती,साथ ही 11.30से माता गायत्री शक्तिपीठ के गर्भगृह में लगातार 11वर्षों के लिए पिछले 11 महीने से जल रहे अखंड ज्योति की पूजा अर्चना व दर्शन तथा माता गायत्री को 56 प्रकार के भोग लगाकर 01बजे से05बजे तक महाप्रसाद एवं भंडारा कार्यक्रम सम्पन्न किया जायेगा इस दौरान दोपहर दो बजे से बाहर से आ रहे कलाकारों द्वारा लगातार रात्रि 08बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम किया जायेगा। इसके पश्चात संध्या काल में माता जी की आरती एवं भजन कीर्तन तथा प्रसाद वितरण के साथ ही कार्यक्रम का समापन किया जायेगा।

बंद आंगनबाड़ी पर होगी कार्रवाई : बीडीओ

मझिआंव : बरडीहा प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह ने शुक्रवार को भी प्रखंड मुख्यालय के टोलों पर स्वच्छता व अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। इस दौरान वे शुक्रवार को सुबह बरडीहा के अंबेडकर नगर, सिंगारी टोला सहित विभिन्न टोलों में पहुंचे। औ स्वच्छता सह अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। अभियान के दौरान सड़क किनारे फैली गंदगी की सफाई कराई गई और ग्रामीणों के सहयोग से बंद पड़े आम रास्ते को खुलवाया गया। इसके बाद प्रशासनिक टीम सिंगारी टोला स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पहुंची, जहां केंद्र बंद मिला। ग्रामीणों ने बताया कि सेविका लंबे समय से नियमित रूप से केंद्र का संचालन नहीं कर रही हैं तथा सहायिका भी अक्सर अनुपस्थित रहती हैं। इस पर बीडीओ ने दूरभाष पर सेविका को कड़ी फटकार लगाते हुए कार्य में लापरवाही के आरोप में उनके विरुद्ध वरीय अधिकारियों को रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया। बाद में विवादित रास्ते की मापी कराई गई, जिस पर दोनों पक्षों ने सहमति जताते हुए रास्ता खोलने पर सहमति दी.अभियान में उप-प्रमुख सत्येंद्र पासवान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और अंचल कर्मी उपस्थित थे।

पीएम श्री उच्च विद्यालय सेमरी समेत तीन स्कूलों का बीडीओ-सीओ ने किया औचक निरीक्षण

मझिआंव : बरडीहा प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह ने शुक्रवार को पीएम श्री उच्च विद्यालय सेमरी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय आदर तथा प्राथमिक विद्यालय कुसुमियादामर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान सेमरी विद्यालय में एमडीएम के लिए रखे गए कुकिंग ऑयल की जांच के दौरान उसमें मिलावट की आशंका होने पर बीडीओ ने तत्काल तेल का नमूना जब्त कर खाद्य निरीक्षक को सूचना दी। उन्होंने बताया कि तेल से असामान्य दुर्गंध आने के कारण उसे प्रयोगशाला जांच के लिए भेजा जा रहा है। वहीं आदर विद्यालय में मसालों की गुणवत्ता संदिग्ध मिलने पर मसालों के नमूने भी जब्त किए गए, जबकि कुसुमियादामर विद्यालय में तेल व मसाले संतोषजनक पाए गए। बीडीओ ने कहा कि बच्चों की सेहत से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जांच रिपोर्ट में मिलावट की पुष्टि होने पर संबंधित दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि एक दिन पूर्व ही उन्होंने सभी प्रधानाध्यापकों की बैठक में एमडीएम की गुणवत्ता की नियमित जांच सुनिश्चित करने तथा बच्चों को केवल शुद्ध एवं सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराने के सख्त निर्देश दिए गये थे।

सड़क हादसों में 'फर्स्ट रिस्पॉन्डर' बनेगी गढ़वा पुलिस : मझिआंव थाना में जवानों को मिला फर्स्ट एड का व्यावहारिक प्रशिक्षण

गढ़वा/मझिआंव: सड़क दुर्घटनाओं और आपातकालीन स्थितियों में घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार देकर उनकी जान बचाने के उद्देश्य से गढ़वा पुलिस द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है। शनिवार को जिला अंतर्गत मझिआंव थाना परिसर में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, मझिआंव के चिकित्सकों की टीम द्वारा पुलिस पदाधिकारियों और जवानों के लिए एक दिवसीय व्यावहारिक प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के दौरान डॉक्टरों की टीम ने पुलिसकर्मियों को आपातकाल, सड़क दुर्घटनाओं और गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के दौरान त्वरित कदम उठाने की बारीकियां समझाईं। जवानों को फर्स्ट एड किट में उपलब्ध दवाइयों, पट्टियों और आपातकालीन उपकरणों के सही और सटीक इस्तेमाल का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। डॉक्टरों ने बताया कि गंभीर हादसों के दौरान रक्तस्राव (खून का बहाव) को तुरंत कैसे रोकें। मरीज को अस्पताल ले जाने से पहले उसकी स्थिति को स्थिर कैसे बनाए रखें। अचेत या सांस की समस्या से जूझ रहे पीड़ितों को तत्काल प्राथमिक राहत कैसे दें। सड़क दुर्घटना या किसी भी विपरीत परिस्थिति में घटनास्थल पर पहुंचने वाला पहला सहायक व्यक्ति पुलिस जवान ही होता है। यदि पुलिस प्राथमिक चिकित्सा में दक्ष होगी, तो 'गोल्डन आवर' (हादसे के बाद का पहला कीमती घंटा) में कई जिंदगियां बचाई जा सकेंगी। इस प्रशिक्षण का मुख्य मकसद यह सुनिश्चित करना है कि अस्पताल पहुंचने से पहले मिलने वाली देरी के कारण किसी की जान न जाए। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद अब मझिआंव थाना के पुलिसकर्मी किसी भी दुर्घटना या स्वास्थ्य आपातकाल में मौके पर ही घायलों को प्राथमिक जीवन रक्षक उपचार देने में सक्षम होंगे।

जवाबदेही की शुरूआत, लेकिन शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार अभी भी बाकी : रुचिर कुमार तिवारी

झारखंड वार्ता संवाददाता

पलामू : केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफा के बाद एमआईएसएफ, आइशा, भाकपा, भाकपा माले, झारखंड क्रांति मंच, जन संग्राम मोर्चा, दलित अधिकार मंच , आम अरविंद पार्टी ने संयुक्त रूप से मार्च निकाला जो बाजार से शहीद चौक होते हुए छः मुहान पहुंचा जहां नुक्कड़ सभा की गई और विभिन्न वक्ताओं ने उसे संबोधित किया। भाकपा पलामू जिला सचिव रुचिर कुमार तिवारी केंद्र सरकार द्वारा शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा स्वीकार किया जाना देशभर के संघर्षरत छात्र-युवाओं की लोकतांत्रिक लड़ाई की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह इस्तीफा इस बात का प्रमाण है कि जब देश का युवा एकजुट होकर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करता है, तब सत्ता को भी जवाबदेह होना पड़ता है। हाल के दिनों में व्यापक छात्र आंदोलनों के बाद उनके इस्तीफे की घोषणा हुई है। 20 जुलाई को दिल्ली में अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रयोग करते हुए शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग कर रहे छात्र-युवाओं पर जिस प्रकार पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और दमनात्मक कार्रवाई की गई, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी उसकी कड़ी निंदा करती है। लोकतंत्र में छात्रों की आवाज को बल प्रयोग से दबाने का प्रयास न केवल अस्वीकार्य है, बल्कि यह संविधान प्रदत्त अभिव्यक्ति और शांतिपूर्ण विरोध के अधिकार पर भी हमला है। वक्ताओं ने कहा कि कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आंदोलनरत छात्रों की वास्तविक मांगों पर गंभीरता से विचार करने के बजाय भारतीय जनता पार्टी और उसके समर्थक मीडिया के एक हिस्से ने आंदोलन को बदनाम करने का प्रयास किया। छात्रों को राष्ट्रविरोधी, विदेशी ताकतों से प्रेरित अथवा चीनी फंडिंग जैसे आरोपों के माध्यम से उनकी लोकतांत्रिक आवाज को कमजोर करने की कोशिश की गई। किसी भी जनांदोलन को बदनाम करने के बजाय सरकार को उसके मूल मुद्दों पर जवाब देना चाहिए। धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा जवाबदेही की दिशा में एक आवश्यक कदम है, लेकिन केवल मंत्री बदल देने से देश की शिक्षा व्यवस्था की गहरी समस्याओं का समाधान नहीं होगा। आज आवश्यकता है कि परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता बहाल की जाए, पेपर लीक और भ्रष्टाचार पर कठोर एवं प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जाए, सरकारी शिक्षा संस्थानों को सशक्त बनाया जाए, शिक्षा का बढ़ता निजीकरण रोका जाए तथा सभी विद्यार्थियों को समान, गुणवत्तापूर्ण और सुलभ शिक्षा सुनिश्चित की जाए। अंत मे मोर्चा मांग करती है कि शिक्षा मंत्रालय की जिम्मेदारी जिस भी नए मंत्री को सौंपी जाए, वह केवल पदभार ग्रहण न करे, बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था में व्यापक, पारदर्शी और जवाबदेह सुधार लागू करने की नैतिक एवं राजनीतिक जिम्मेदारी भी अपने कंधों पर ले। देश के करोड़ों विद्यार्थियों का भविष्य राजनीतिक प्रचार का नहीं, बल्कि गंभीर नीतिगत सुधारों का विषय है। सभा में चंद्रशेखर तिवारी, नसीम राइन,सोनू अहमद, रामजित कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे। केडी सिंह, सुरेश ठाकुर प्रभु साव, ज्ञान प्रकाश शुक्ला, ललन प्रजापति ललन सिनहा, मीना सिंह, भवानी सिंह, शत्रुघन कुमार शत्रु, युगल पाल, योगेंद्र सिंह, रवि पाल, रंजीत राम, सरफराज, रविंद्र भूइंया कौशल किशोर बच्चनदिव्या भगत, दानिश कुमार सरफराज आलम, शाहित सैकड़ो लोग थे।

पलामू पुलिस ने 104 गुम हुए मोबाइल उनके वास्तविक धारकों को किए सुपुर्द

झारखंड वार्ता संवाददाता

पलामू : पुलिस मुख्यालय के आदेशानुसार गुम हुए मोबाइल फोनों की बरामदगी एवं उन्हें वास्तविक धारकों को वापस सौंपने की प्रक्रिया के तहत आज दिनांक 25 जुलाई 2026 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पलामू में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन कर कुल 104 बरामद मोबाइल फोन उनके सत्यापित वास्तविक धारकों को सुपुर्द किए गए। पुलिस मुख्यालय के निदेर्शानुसार सीईआईआर (CEIR) पोर्टल एवं अन्य तकनीकी माध्यमों का उपयोग करते हुए गुम हुए मोबाइल फोनों की खोज की गई। बरामद किए गए अधिकांश मोबाइल विगत दो माह के दौरान गुम हुए थे, जबकि कुछ मोबाइल उससे पूर्व गुम हुए थे। सभी मोबाइलों के वास्तविक स्वामियों का सत्यापन करने के उपरांत उन्हें विधिवत वापस किया गया।

थानावार बरामद मोबाईल की विवरणी इस प्रकार हैं :-

1. रेहला थाना 14, 2. लेस्लीगंज थाना 10, 3. शहर थाना 10, 4. सदर थाना 9, 5. सतबरवा थाना 8, 6. रामगढ़ थाना 8, 7. नावाबाजार थाना 6, 8. हरिहरगंज थाना 6, 9. हैदरनगर थाना 5, 10. विश्रामपुर थाना 5, 11. तरहसी थाना 5, 12. मोहम्मदगंज थाना 4, 13. चैनपुर थाना 4, 14. उंटारी रोड थाना 3, 15. नावाजयपुर थाना 2, 16. नौडीहा बाजार 2, 17. पाटन थाना 1, 18. पिपराटांड थाना 1, 19. छतरपुर थाना 1 मोबाईल की बरामदगी हुई हैं।

विनित तिवारी हत्याकांड में झांसी से गिरफ्तार हुआ प्रशांत तिवारी, तीन आरोपियों की तलाश जारी

झारखंड वार्ता संवाददाता

पलामू : मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के चर्चित विनीत तिवारी हत्याकांड में पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस मामले में फरार चल रहे आरोपी प्रशांत तिवारी को उत्तर प्रदेश के झांसी से गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, 25 अप्रैल को रेडमा निवासी विनीत तिवारी की हत्या जमीन विवाद को लेकर हुई थी। इस मामले में प्रदीप तिवारी उर्फ महाकाल, दिलीप तिवारी, प्रशांत तिवारी, राकेश तिवारी और रौशन तिवारी पर हत्या में शामिल होने का आरोप है।

घटना के बाद पुलिस ने आरोपी दिलीप तिवारी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था, जबकि अन्य चार आरोपी लगातार फरार चल रहे थे। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही थी। इसी दौरान मिली गुप्त सूचना के आधार पर गठित विशेष टीम ने झांसी में कार्रवाई करते हुए प्रशांत तिवारी को गिरफ्तार कर लिया। पलामू के पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी ने प्रेस वार्ता में बताया कि गिरफ्तार आरोपी को झांसी से मेदिनीनगर लाया गया।

पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस हत्याकांड में शामिल अन्य तीन फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय का दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने किया निरीक्षण

शिक्षा, खेल व छात्रावास की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

झारखंड वार्ता संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू): जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने शनिवार को मनातू स्थित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय का निरीक्षण कर शैक्षणिक, खेलकूद एवं छात्रावास की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर में आयोजित इंटर हाउस स्पोर्ट्स प्रतियोगिता में भाग ले रही छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। खो-खो प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए उन्होंने खेल भावना, अनुशासन एवं नियमित अभ्यास के महत्व पर बल दिया और कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने छात्रावास एवं मेस का निरीक्षण कर बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, साफ-सफाई तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए तथा स्वच्छता के मानकों का हर हाल में पालन सुनिश्चित किया जाए। विद्यालय के विद्यार्थियों ने उपायुक्त के समक्ष फुटबॉल मैदान को व्यवस्थित रूप से विकसित कराने का अनुरोध किया। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने एवं प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त श्री शेखावत ने विद्यालय भवन के कुछ हिस्सों में छत से पानी के रिसाव की समस्या भी देखी। उन्होंने संबंधित एजेंसी एवं अधिकारियों को आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र कराने तथा विद्यालय भवन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के उपरांत लौटने के क्रम में उपायुक्त सर्पदंश से प्रभावित एक परिवार के घर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने परिवार को हरसंभव प्रशासनिक सहयोग का भरोसा दिलाया। साथ ही परिवार की एक बच्ची को स्पॉन्सरशिप योजना से जोड़ने की पहल करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया, ताकि उसके शिक्षा एवं बेहतर भविष्य के लिए आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा सके।मौके पर सहायक समाहर्ता मेहता,अंचलाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

गणेशपुर हाई स्कूल के पास दो बाइको कि टक्कर में दो की मौत, चार रेफर

राजेश कुमार साव

बालूमाथ (लातेहार): शनिवार दोपहर करीब 12 बजे बालूमाथ टंडवा मार्ग पर गणेशपुर हाई स्कूल के पास हुई दो बाईक की टक्कर में दो की मौत हो गई। जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में महावीर गंझू, 32 वर्ष पिता जोधन गंझू, निरी केरेडारी, जिला हजारीबाग व पंकज उरांव 23 वर्ष पिता हीरा उरांव, सिमराटांड बडगांव, टंडवा, जिला चतरा के रूप में हुई है। घायलों में सविता देवी, 35 वर्ष, पति चमन गंझू, बगलता टंडवा, जिला चतरा, फूलमती कुमारी 13 वर्ष, पिता धनेश्वर गंझू, गोलीटांड, थाना बालूमाथ व संजय उरांव, 21 वर्ष, पिता अर्जुन उरांव, सिमरटांड टंडवा, जिला चतरा, तथा अनुज उरांव पांच वर्ष पिता रूपलाल उरांव सँवासार चेटर बालूमाथ के रूप में हुई है। बताया जाता है कि दुर्घटना में मृतक महावीर गंझू अपनी जेठ सास और साली के साथ अपने गोलीटांड स्थित ससुराल से घर जा रहे थे। इसी बीच पीछे से गणेशपुर ग्राम की ओर जा रहे दूसरे बाइक सवार संजय उरांव दो अन्य लोगों के साथ बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। इसी दौरान गणेशपुर हाई स्कूल के समीप साईड लेने के दौरान दोनों बाइक की आपस में टक्कर हो गई। जिन्हें ग्रामीण स्नेह फाउंडेशन के शशि भूषण व संस्था के अन्य सदस्य दुर्घटना के तुरंत बाद सीसीएल के मोबाइल मेडिकल यूनिट के साथ मौके पर पहुंच कर घायलों को लेकर खुद बालूमाथ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। जहां डॉ अलीशा टोप्पो व डॉ खुशबू कुमारी ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। लेकिन चार घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर कर दिया गया। घटना में घायल अनुज उरांव की स्थिति भी काफी चिंताजनक बताई जा रही है। शव को बालूमाथ पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए लातेहार सदर अस्पताल भेज दिया है और मामले कि छानबीन में जुटी है। इधर इस घटना के बाद से मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

समाचार सार

राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में संत मरियम विद्यालय के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

मेदिनीनगर। कलकत्ता (हावड़ा) में आयोजित चौथी एपीजे अब्दुल कलाम इंटर स्कूल एवं नेशनल कराटे चैंपियनशिप में संत मरियम विद्यालय के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता में विद्यालय के पांच बाल कराटेकारों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए कुल दो स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य ट्रॉफी अपने नाम की। प्रतियोगिता में रौनक कुमार एवं दिव्यांशु कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण ट्रॉफी जीती। वहीं शिवम कुमार एवं अनुराग कुमार ने द्वितीय स्थान हासिल कर रजत ट्रॉफी अपने नाम की। अनिकेत कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त कर कांस्य ट्रॉफी जीतकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। यह चैंपियनशिप शितो-रियु कराटे डू फेडरेशन के तत्वावधान में श्री अग्रसेन सेवा समिति स्पोर्ट्स हॉल, हावड़ा (कलकत्ता) में आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में देश के लगभग 20 राज्यों से स्कूली कराटे खिलाड़ियों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। संत मरियम विद्यालय की टीम का नेतृत्व मुख्य कराटे प्रशिक्षक क्योंशी संतोष कुमार ने किया।

कांग्रेस के दोहरे रवैये के खिलाफ पलामू में राहुल गांधी का पुतला दहन

मेदिनीनगर (पलामू): कांग्रेस के कथित दोहरे रवैये के विरो श्रूधघगाध में पलामू जिला मुख्यालय मेदिनीनगर में भाजपा कार्यकताओं ने राहुल गांधी का पुतला दहन कर जोरदार प्रदर्शन किया। भाजपा जिला अध्यक्ष अमित तिवारी ने कांग्रेस पर विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग रुख अपनाने का आरोप लगाया तथा इसे जनता को गुमराह करने वाला बताया। जिला अध्यक्ष अमित तिवारी ने कहा कि कांग्रेस देशहित के मुद्दों पर स्पष्ट नीति अपनाने के बजाय राजनीतिक लाभ के लिए दोहरी राजनीति कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और कांग्रेस नेतृत्व जनता के हितों से जुड़े विषयों पर भ्रम फैलाने का कार्य कर रहे हैं। प्रारंभ से कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार की पोशक रही है । नैतिक रूप से कांग्रेस पार्टी को इस पर बात करने का अधिकार नहीं है, आज पूरी कांग्रेस पार्टी लोकसभा में भ्रष्टाचार पर बहस करने से कतरा रही है और लोगों को दिगभ्रमित करने का काम कर रही है। समय के साथ जनता ने कांग्रेस को जवाब देने का काम किया है।

पलामू के दो कॉलेज में शिक्षकों की कमी, यूनिवर्सिटी ने रोका एफीलिएशन, छात्रों का नहीं होगा नामांकन

पलामू : जिले के हुसैनाबाद स्थित एके सिंह डिग्री कॉलेज और तरहसी के एसएसएमएस डिग्री कॉलेज के एप्लीकेशन को नीलांबर-पीतांबर यूनिवर्सिटी ने रोक दिया है। ग्रेजुएशन के बैच 2026-30 में विज्ञान संकाय में नामांकन के लिए दोनों कॉलेज को एफीलिएशन नहीं दी गई है। एचआरडी डिपार्टमेंट के निदेर्शों के अनुसार दोनों कॉलेजों को अपनी कमी को 30 जुलाई तक पूरा कर लेने का निर्देश दिया है। सात अगस्त से ग्रेजुएशन की 2026-30 के सेशन की शुरूआत हो जाएगी। दोनों कॉलेजों में नीलांबर-पीतांबर यूनिवर्सिटी की टीम ने मार्च के महीने में निरीक्षण किया था। निरीक्षण के क्रम में कई कमियों को पकड़ी गई थी और कॉलेज को इसे दूर करने को कहा गया था। दोनों कॉलेजों में 3000 छात्रों के अनुपात में एक शिक्षक मौजूद थे। पूरे मामले को लेकर नीलांबर-पीतांबर यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर डॉक्टर दिनेश कुमार सिंह ने शनिवार को कई बिंदुओं को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस किया था।

9 दिनों बाद मौसी बाड़ी से घूरती रथ पर सवार होकर लौटे भगवान जगन्नाथ

बालूमाथ (राजेश कुमार साव): शुक्रवार शाम 9 दिनों बाद बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय में मौसी बड़ी से घूरती रथ पर सवार होकर भगवान जगन्नाथ बहन सुभद्रा भाई बलराम अपने घर लौटे। यह घूरती रथ बालूमाथ दुर्गा मंडप परिसर स्थित मौसी बाड़ी से गाजे बाजे के साथ रथ पर सवार होकर लौटे। यह रथ यात्रा दुर्गा मंडप परिसर से प्रारंभ होकर छठ तालाब बस पड़ाव थाना चौक चेक नाका मुरपा मोड होते हुए महावीर मंदिर पहुंचे संपन्न हुआ। इस दौरान सैकड़ो धर्म प्रेमी और श्रद्धालु इस रथ यात्रा में भाग लेकर रथ खींचने का कार्य किया। मालूम हो कि बीते 16 जुलाई को भगवान जगन्नाथ बहन सुभद्रा और भाई बलराम रथ पर सवार होकर 9 दिनों के लिए मौसी बड़ी पहुंचे थे। रथ यात्रा के दौरान काफी संख्या में पुरुष और महिला श्रद्धालु भी मौजूद रहे। जिन्होंने जय जगन्नाथ, भगवान जगन्नाथ की जय आदि गुंजमान नारे लगाए। इस घूरती रथ यात्रा के दौरान प्रयाग साहू उपेंद्र रंगीला अर्जुन साहू राजेश पांडे लालदेव गंझू उपेंद्र सिंह सोनू सिंहा अनमोल अग्रवाल सत्येंद्र साहू संदीप प्रजापति हेमंत प्रजापति पिंटू कुमार मंहगू सिंह रंजीत पासवान अनिल प्रजापति अभिषेक कुमार सुरेश साहू राजू भगत सुरेंद्र साहू समेत कई लोगों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

सोनपुरवा मध्य विद्यालय के सहायक शिक्षक पर महिला ने लगाया बलात्कार करने का आरोप

झारखंड वार्ता संवाददाता

मझिआंव : मझिआंव थाना क्षेत्र के सोनपुरवा गांव की एक विवाहित महिला ने गांव के ही मध्य विद्यालय के एक सहायक शिक्षक अरुण कुमार चौधरी(पिता महेश्वर चौधरी)पर बलात्कार करने एवं हत्या करने का प्रयास करने का आरोप लगाया है तथा मझिआंव थाना प्रभारी अमित कुमार को लिखित आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। थाना प्रभारी को दिये गए आवेदन पत्र में 32 वर्षीय महिला पीड़िता ने बताया है कि 17 जुलाई 2026 की रात लगभग 10 बजे हल्की बारिश हो रही थी, इसी दौरान गांव के ही सोनपुरवा मध्य विद्यालय में कार्यरत पारा शिक्षक अरुण चौधरी, पिता महेश्वर चौधरी जो पहले से घात लगाए बैठा था, उसने मेरा मुंह दबाकर जबरन घर के अंदर ले गया। महिला का आरोप है कि आरोपी ने उनकी इच्छा के विरुद्ध जबरन बलात्कार किया। पीड़िता ने आवेदन में कहा है कि घटना के दौरान मौका मिलने पर उन्होंने शोर मचाया। जिसके बाद आवाज सुनकर गांव के लोग मौके पर पहुंच गए।

ग्रामीणों ने बाहर से दरवाजा बंद कर आरोपी को पकड़ने का प्रयास किया। लेकिन वह घर के वेंटिलेटर के रास्ते फरार हो गया। ग्रामीणों ने उसका पीछा भी किया, लेकिन वह पकड़ में नहीं आया। महिला का यह भी आरोप है कि दुष्कर्म के बाद आरोपी ने उन्हें जान से मारने का भी प्रयास किया। उनका कहना है कि यदि ग्रामीण समय पर नहीं पहुंचते तो उनके साथ कोई और गंभीर घटना हो सकती थी। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि आरोपी आर्थिक रूप से संपन्न व्यक्ति है, जिसके कारण वह स्वयं को भयभीत और मानसिक रूप से आहत महसूस कर रही हैं। पीड़िता ने पुलिस प्रशासन से आरोपी के विरुद्ध दुष्कर्म, हत्या के प्रयास एवं मारपीट सहित संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर शीघ्र गिरफ्तारी तथा कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। तथा न्याय और सुरक्षा प्रदान करने की भी अपील की है। इधर इस संबंध में थाना अमित कुमार ने बताया कि पीड़िता के द्वारा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने को लेकर आवेदन दिया गया है। आवेदन के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। इसके बाद प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जायेगी।

सहायक शिक्षक द्वारा 17जुलाई की रात्रि में महिला के साथ दुष्कर्म की घटना और स्थानीय लोगों द्वारा भागते शिक्षक को पकड़ने की असफल कोशिश के बाद पीड़िता के परिजनों का कहना है कि हम गरीब आदमी हैं और शिक्षक द्वारा जान से मारने की धमकी देने के कारण वे तत्काल थाना नही पहुंच सके। और गांव के मुखिया अख्तर खान के पास पहुंचे। बताया जाता है की मुखिया द्वारा थाना में प्राथमिक की दर्ज करने की सलाह दी गई इसके बाद महिला के परिजनों द्वारा बताया गया कि उसके पति महाराष्ट्र के मुंबई में मजदूरी करने गए हुए हैं उनके आने के बाद ही कुछ हो सकता है। इसके बाद महिला का पति अपने घर वापस आया.और शुक्रवार को शाम में उसने मुखिया तथा गांव समाज के गणमान्य लोगों को बुलाकर शिक्षक अरुण कुमार चौधरी के काले कारनामे के बारे में बताया।

इस संबंध में मुखिया अख्तर खान ने बताया कि गांव के गणमान्य लोगों के आने के बाद आरोपी शिक्षक को बुलाया गया। लेकिन उसने कहा कि मैं आप लोगों के समक्ष नहीं आ सकता। इसके बाद पीड़ित महिला के साथ सभी लोग रात्रि में ही थाना में आये और प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया।

ग्राम पंचायत सहजकर्ता दल का दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू, पंचायत विकास योजनाओं पर दिया गया प्रशिक्षण

राजेश कुमार साव

बालूमाथ : बालूमाथ प्रखंड सह अंचल कार्यालय के सभागार कक्ष में शुक्रवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमा उरांव ने दीप प्रज्वलित कर 'सबकी योजना, सबका विकास' अभियान 2026-27 के तहत आयोजित ग्राम पंचायत सहजकर्ता दल के दो दिवसीय प्रखंड स्तरीय प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। जिला परिषद, लातेहार के उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी के निर्देश पर आयोजित इस प्रशिक्षण में पंचायत प्रतिनिधियों, मुखिया, पंचायत सचिव एवं ग्राम पंचायत सहजकर्ता दल के सदस्यों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्राम पंचायतों में सहभागी योजना निर्माण की प्रक्रिया को सुदृढ़ करना तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सदस्यों को दक्ष बनाना है। प्रशिक्षण के दौरान पंचायत विकास योजना तैयार करने की प्रक्रिया, ग्रामसभा की भूमिका, जनभागीदारी, विभिन्न सरकारी योजनाओं के समन्वय, संसाधनों के बेहतर उपयोग एवं विकास कार्यों की प्राथमिकता निर्धारण जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण सत्र में मनजीत कुमार सिंह एवं अभिषेक कुमार सिंह ने प्रतिभागियों को पंचायत स्तर पर योजनाओं के निर्माण, ग्रामसभा की सक्रिय भागीदारी तथा विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण दिया। प्रखंड प्रशासन ने सभी मुखिया, पंचायत सचिव एवं ग्राम पंचायत सहजकर्ता दल के सदस्यों को प्रशिक्षण में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। साथ ही प्रशिक्षण की फोटोग्राफी एवं प्रतिवेदन जिला कार्यालय को उपलब्ध कराया जाएगा। प्रशासन के अनुसार यह प्रशिक्षण ग्राम पंचायतों को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे स्थानीय स्तर पर विकास योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन को बढ़ावा मिलेगा।

पेपर लीक, छात्रों पर हमले के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

बाड़ी (धौलपुर)। कांग्रेस ने नीट परीक्षा में पेपर लीक और दिल्ली में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में बाड़ी उपखंड मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। ब्लॉक अध्यक्ष रामेंद्र मीणा के नेतृत्व में पुरानी सब्जी मंडी चौराहे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला जलाया गया। ब्लॉक अध्यक्ष रामेंद्र मीणा ने केंद्र सरकार पर हठधर्मिता का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हर परीक्षा का पेपर लीक हो रहा है, जिसमें मेडिकल की नीट परीक्षा भी शामिल है। मीणा ने छात्रों की आत्महत्याओं और दिल्ली में प्रदर्शनकारी छात्रों पर लाठीचार्ज का भी जिक्र किया। कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर यह ब्लॉक स्तरीय प्रदर्शन आयोजित किया गया। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्पति से केंद्र सरकार पर अंकुश लगाने, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा लेने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

ये रहे मौजूदः इस विरोध प्रदर्शन में नगर अध्यक्ष सैफ सईद खां, जिला महासचिव केशव चंद्र मीणा, मंडल अध्यक्ष नईम खान, अनिल अरेला, ध्रुव शुक्ला, मनीष मंगल, आकिब खान, सोनू अग्रवाल, करण पहाड़िया, पंकज कुशवाहा और अजय मंगल सहित कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिस बिल्डिंग में 15 मौतें हुई, उसे ढहाया जा रहा

लखनऊ। लखनऊ के अलीगंज की जिस 4 मंजिला इमारत में आग लगने से 15 लोगों की जान चली गई थी, उसे ढहाया जा रहा है। शनिवार सुबह 7ः30 बजे एक बुलडोजर और एक हाइड्रोलिक मशीन मौके पर पहुंची। बिल्डिंग को गिराने का काम शुरू किया। हादसे के 32 दिन बाद हो रहे एक्शन के दौरान पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया। 100 से ज्यादा पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में आसपास के रास्तों को बैरिकेडिंग लगाकर पूरी तरह सील कर दिया गया है। बता दें कि इस 4 मंजिला इमारत में 22 जून को भीषण आग लगी थी। सेकंड फ्लोर के स्टूडियो में मौजूद 15 लोगों की दम घुटने से मौत हो गई थी। वहीं, 5 लोगों ने किसी तरह पाइप और तारों के सहारे नीचे उतरकर अपनी जान बचाई थी। हादसे के दौरान एक युवक सेकंड फ्लोर से कूद गया था, उसका पैर पैरालाइज हो गया था।

हादसे के बाद एलडीए (ख्र) ने बिल्डिंग मालिक को अवैध निर्माण का नोटिस जारी कर 15 दिन में जवाब मांगा था। इसके बाद 10 जुलाई को ध्वस्तीकरण का आदेश जारी करते हुए 15 दिन के भीतर खुद इमारत गिराने के निर्देश दिए गए थे। इसकी डेडलाइन शुक्रवार को खत्म हो गई, जिसके बाद एलडीए ने खुद बुलडोजर चलाकर कार्रवाई शुरू की।

हाईकोर्ट में रिट दाखिल, सोमवार को सुनवाई होनी है
अलीगंज की जिस बिल्डिंग में आग लगी, वह वीरेंद्र शुक्ला के नाम है। उनके वकील राजेन्द्र शुक्ला (पूर्व अध्यक्ष, लखनऊ बार एसोसिएशन) ने कहा- मुझे कोई आदेश नहीं मिला।

जल प्रलयः गाड़िया बहीं, महाराष्ट्र, गुजरात और यूपी में हालात खराब, असम में अब तक 47 की मौत

मानसून का रौद्र रूपः सड़क से खेत तक जलमग्न

यूपी में बारिश के चलते गंगा, यमुना समेत 10 नदियां उफान पर

■ एजेन्सी, नई दिल्ली

उत्तर भारत के कई राज्यों में भारी बारिश हो रही है। इससे हालात खराब होते जा रहे हैं। बारिश के रौद्र रूप से सड़कों से लेकर खेत तक जलमग्न हो गए हैं। कई जगह बारिश के पानी में गाड़ियां बह गई है। असम में जहां बाढ़ से अब तक 47 मौतें हो चुकी हैं, वहीं गुजरात में भारी बारिश से कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। वलसाड के उमरगाम तालुका में 16 घंटों में 43 इंच बारिश हुई, जिससे निचले इलाके डूब गए हैं। नवसारी में बाढ़ में फंसे लोगों को हेलिकॉप्टर से एयरलिफ्ट किया गया। अहमदाबाद, सूरत में पानी भर गया। वाव-थराद जिले में बाजार डूब गए।

यूपी में पिछले 10 दिनों से हो रही बारिश के चलते गंगा, यमुना समेत 10 नदियां उफान पर हैं। सीतापुर में पानी सड़क पर भर गया। ग्रामीण नाव से आ-जा रहे हैं।

असम में अधिकारियों ने बताया कि 11 जिले बाढ़ की चपेट में आए हैं। इससे 7.21 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं, मरने वालों की संख्या 47 हो गई है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार, बाढ़ से प्रभावित जिले गोलाघाट, होजई, कामरूप, चराइदेव, जोरहाट, डिब्रूगढ़, शिवसागर, नागांव, कामरूप (मेट्रो), कार्बी आंगलोंग और तिनसुकिया हैं। कुल 37 राजस्व सर्कल और 883 गांव प्रभावित हुए हैं, जबकि बाढ़ के कारण 25,375.44 हेक्टेयर फसल को नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ का सबसे गंभीर असर शिवसागर जिले में देखा गया है, जहां 3,75,682 लोग प्रभावित हुए हैं।

गुजरात में नवसारी के सारिखुरद गांव में भारी बारिश के बाद पेट्रोल पंप के पास गाड़ियां डूब गईं।

यूपी के लखीमपुर-खीरी में शारदा नदी का पानी गांवों में घुस गया। इससे कई गांव टापू बन गए।

वहीं, गुजरात में मूसलाधार बारिश के कारण कई इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है। जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया है। नदियां उफान पर हैं और सड़कें पानी में डूब चुकी हैं। राहत और बचाव दल लगातार लोगों की जान बचाने में लगे हैं। वाव-थराद जिले के भाभर शहर में जोरदार बारिश हुई। लाटी बाजार इलाके में दुकानों के अंदर बाढ़ का पानी घुस गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से फोन पर बात की है। उन्होंने राज्य के हालात की जानकारी ली और हर संभव मदद का भरोसा दिया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी मुख्यमंत्री से बात कर जरूरी सहायता देने की बात कही है। सूरत में भी 2,200 लोगों को शेल्टर होम में शिफ्ट किया गया है। वहीं, महाराष्ट्र में भारी बारिश ने कई कस्बों और गांवों को जलमग्न कर दिया, जिससे कई लोग फंसे रह गए और अधिकारियों को बचाव अभियान तेज करने के लिए मजबूर होना पड़ा। वहीं असम में प्रशासन ने प्रभावित जिलों में राहत सुविधाएं शुरू की हैं। अभी 103 राहत शिविर और 255 राहत वितरण केंद्र चल रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि 24,000 से अधिक लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं।

बिहार बंद- समस्तीपुर में सड़क जाम, आगजनी

जहानाबाद में पुलिस पेट्रोलिंग, 70 हजार जवान तैनात, कई जिलों में स्कूलों की छुट्टी ; एयरपोर्ट, स्टेशनों पर हाई अलर्ट

एजेसी पटना

नीट पेपर लीक, केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और लाठीचार्ज के खिलाफ आज बिहार बंद बुलाया गया है। छात्र संगठन और राष्ट्रीय युवा आंदोलन ने बंद का ऐलान किया है।

बंद का असर दिखने लगा है, समस्तीपुर में छात्रों ने सड़क जाम कर आगजनी की है। सरकार के खिलाफ नारेबाजी की जा रही है। वहीं जहानाबाद में पुलिस पेट्रोलिंग करती नजर आई।

बिहार बंद को देखते हुए पटना में पुलिस और प्रशासन को हाई अलर्ट पर रखा गया है। पूरे बिहार में 70 हजार जवानों की तैनाती की गई है। राज्य में पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। प्रदर्शन को देखते हुए पटना, औरंगाबाद समेत कई जिलों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

राजधानी के प्रमुख और संवेदनशील स्थलों को चिह्नित कर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। डाकबंगला चौराहा, जेपी गोलंबर, करगिल चौक, कोतवाली टी-पॉइंट, इनकम टैक्स चौराहा, वीरचंद पटेल पथ, हाईकोर्ट, अशोक राजपथ, राजवंशी नगर मोड़, आशियाना और मुख्यमंत्री आवास के आसपास सुरक्षा बल मुस्तैद हैं।

स्थानीय पुलिस के साथ-साथ और जवानों को भी तैनात किया गया है। जेपी गोलंबर पर वाटर कैनन के साथ 200 जवान लगाए गए हैं।

विधानसभा और पटना जंक्शन परिसर की सुरक्षा भी कड़ी कर दी गई है। इसके साथ ही एयरपोर्ट, राजेंद्रनगर टर्मिनल, म्यूजियम सहित अन्य महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। बंद का राजद, कांग्रेस, वीआईपी और वामदलों का समर्थन मिला है।

मुख्य सचिव ने कहा कि किसी भी असामाजिक तत्व को कानून हाथ में लेने की छूट बिल्कुल नहीं दी जाएगी।

डीजी कुंदन कृष्णन ने कहा कि इस बार भी हिंसक और उपद्रवी तत्वों के पोस्टर जारी किए जाएंगे। पटना डीएम कुंदन कुमार ने कहा कि सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा तो सख्त एक्शन लेंगे।

नीट पेपर लीक को लेकर कांग्रेस भी आज बिहार के सभी जिलों में कैंडल मार्च निकालेगी। बिहार बंद को देखते हुए बेगूसराय, पटना और औरंगाबाद में स्कूल बंद किए गए हैं। 22 जुलाई की हिंसा को

लेकर माले ख्रसंदीप सौरव, प्रदेश अध्यक्ष धनंजय, सचिव दीपांकर मिश्रा समेत 19 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

बंद को राजद, कांग्रेस, वामदलों और वीआईपी ने भी अपना समर्थन दिया है।

मुजफ्फरपुर में कल इंटरनेट बंद किया गया था। 6 घंटे बाद सेवा बहाल कर दी गई है।

पुलिस को सरकार का निर्देश- बल प्रयोग आखिरी विकल्प

पटना पटना समेत कई जिलों में छात्रों का विरोध प्रदर्शन जारी है। आइसा ने शनिवार को बिहार बंद का आह्वान किया है। इसको लेकर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत और डीजीपी विनय कुमार ने उच्चस्तरीय बैठक 10 की। अधिकारियों को संवेदनशीलता, संवाद और कड़े सुरक्षा इंतजामों के निर्देश दिए। कहा गया कि पुलिस बल प्रयोग आखिरी विकल्प के रूप में करेगी। सोशल मीडिया के भड़काऊ कंटेंट पर कड़ी निगरानी रहेगी।

बैठक में सभी जिलों के डीएम, डीआईजी और एसपी भी शामिल हुए। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि सिविल प्रशासन और पुलिस आपस में तालमेल बनाकर काम करें।

शांति-व्यवस्था बनाए रखना बेहद जरूरी है। निर्दोष छात्रों को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। अधिकारी इस स्थिति को पूरी समझदारी से संभालें। भ्रामक खबरों और अफवाहों का तुरंत आधिकारिक रूप से खंडन करें।

राज्य सरकार पूरे हालात पर नजर रखे हुए है। किसी भी असामाजिक तत्व को कानून हाथ में लेने की छूट बिल्कुल नहीं दी जाएगी।

सभी जिलों में दंगा नियंत्रण उपकरणों के साथ पर्याप्त पुलिस बल तैनात होंगे

पुलिस की सख्ती और सुरक्षा रणनीति बैठक में डीजीपी विनय कुमार ने पुलिस को सख्त निर्देश दिए। सभी जिलों में दंगा नियंत्रण उपकरणों के साथ पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा।

कोचिंग संस्थानों की ऑनलाइन और ऑफलाइन उपस्थिति का लिखित रिकॉर्ड रखा जाएगा। सोशल मीडिया पर माहौल बिगाड़ने वाले 117 संदिग्धों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। सभी संवेदनशील जगहों की सीसीटीवी कैमरे से निगरानी होगी।

डीजी (अभियान) कुंदन कृष्णन ने भी कड़े कदम उठाने को कहा है। अधिकारी सीधे छात्रों और छात्र नेताओं से बातचीत करेंगे और उनकी समस्याएं सुनेंगे। विरोध प्रदर्शन वाले संवेदनशील इलाकों, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और भीड़भाड़ वाले स्थानों की पहचान की जाएगी।

नितिन नवीन की स्ट्रेटजी को कैसे काट रहे प्रशांत किशोर

मोहल्ले में बैठक, हारे हुए पार्षदों से कनेक्ट कर रहे, छात्रों के गुस्से को बनाया ट्रंप कार्ड

एजेसी पटना

भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने बांकीपुर उपचुनाव जीतने के लिए 4 लेयर वाली स्ट्रेटजी तैयार की। 60 शक्ति केंद्र बनाए, मोहल्ले वाइज जाति देखकर नेताओं की ड्यूटी लगाई।

जन सुराज के संयोजक और बांकीपुर से प्रत्याशी प्रशांत किशोर घर-घर जाकर नितिन नवीन की स्ट्रेटजी को काट रहे हैं। उन्होंने भी हर बूथ पर तीन लेयर वाला स्ट्रक्चर तैयार किया है। हर मोहल्ले में बैठक कर रहे हैं। वार्ड पार्षद का चुनाव हारने वाले स्थानीय नेताओं को अपने साथ जोड़ रहे हैं। नीट पेपर लीक मुद्दे पर छात्रों का गुस्सा परिवारों को बता रहे हैं।

बांकीपुर उपचुनाव जीतने के लिए प्रशांत किशोर किस रणनीति पर चल रहे हैंड़ कैसे नितिन नवीन की स्ट्रेटजी को काट रहे हैं। पढ़िए रिपोर्टज।

1- पदयात्रा, मोहल्ला और चाय बैठक, हर घर तक पहुंचने की कोशिश

बांकीपुर में भाजपा का फोकस बूथ आधारित माइक्रो-मैनेजमेंट पर है। पार्टी का सिद्धांत है कि बूथ जीतेंगे तो चुनाव भी जीत लेंगे। पार्टी के नेता हर वोटर से संपर्क कर रहे हैं।

इसके जवाब में प्रशांत किशोर घर-घर जाकर दस्तक दे रहे हैं। लोगों से मिल रहे हैं। अब तक करीब 20 पदयात्रा कर चुके हैं। 24 से अधिक मोहल्ला बैठक की हैं। माइक्रो मीटिंग के जरिए रोज करीब 5 हजार लोगों से मिल रहे हैं।

इसके साथ ही जन सुराज के 20 स्टार प्रचारक मैदान में हैं। वे घर-घर जाकर लोगों से मिल रहे हैं। वोट देने की अपील कर रहे हैं।

हर चर्चा, मीटिंग और पार्क में यही 4 डॉयलॉग

'बांकीपुर में विधायक और विधायकी से जुड़ी सभी योजनाओं में भ्रष्टाचार जीरो कर देंगे। न पैसा लेंगे और न किसी को लेने देंगे। नाली, गली, जल-जमाव, पार्क, इसमें मेरा मानना है कि सरकार इतना पैसा भेज रही है कि इन चीजों की व्यवस्था हो। अगर चोरी बंद हो जाए तो ये व्यवस्थाएं बेहतर हो जाएंगी।'

'हमारे वहां (विधानसभा) जाने से एक चीज आपको होगा कि आपको ये भरोसा रहेगा कि आपके साथ सरकार और व्यवस्था कोई अन्याय नहीं करेगी। अगर अन्याय किया तो आप जानते हैं कि एक आदमी है जो वहां आवाज उठाएगा। पटना, दिल्ली या सदन हो हम बोलेंगे, देश-विदेश आवाज जाएगी कि ये गलत हो रहा है।'

हमारे आचार, विचार, व्यवहार से कभी आपको शर्मिंदगी महसूस नहीं होगी। अगर इन तीन कामों में आपको संतुष्टि है तो वोट दीजिए। नहीं, अगर हमसे बेहतर कोई खरा है तो उसे वोट दीजिए।

बांकीपुर की एक सीट हार जाने से भाजपा का कुछ नहीं जाएगा, सरकार पर कोई असर नहीं होगा, लेकिन अगर आप प्रशांत किशोर को विधानसभा भेज देंगे। तो जनसुराज का ये एक विधायक 203 विधायकों की नाक में दम कर देगा। उन्हें मजबूर कर देगा कि जनता का काम करिए, भ्रष्टाचार नहीं चलेगा।

जन सुराज के मीडिया प्रभारी व राष्ट्रीय प्रवक्ता कुमार सौरभ ने बताया कि प्रशांत किशोर सुबह 6ः00 बजे से लेकर रात के 10ः30 बजे तक अलग-अलग जगह पर जा रहे हैं। पार्क में लोगों से मिल रहे हैं। मोहल्ले में अलग-अलग बैठक कर रहे हैं।

2- वार्ड में पॉकेट मीटिंग, तैयार किया 422 बूथों पर थ्री लेयर स्ट्रक्चर

नितिन नवीन की रणनीति के अनुसार भाजपा के 50 विधायक-विधान पार्षद बांकीपुर में पॉकेट मीटिंग कर रहे हैं। जिस मोहल्ले में जिस जाति के लोगों की संख्या अधिक है उसमें उस जाति के बड़े नेताओं को वोट मांगने भेजा जा रहा है।

इसके जवाब में प्रशांत किशोर भी सभी वार्ड में पॉकेट मीटिंग कर रहे हैं। वार्ड में पहुंच बढ़ाने के लिए वार्ड पार्षद चुनाव हारने वाले स्थानीय नेताओं को अपने साथ जोड़ रहे हैं।

भाजपा ने हर बूथ पर कार्यकर्ता, 60 से अधिक शक्ति केंद्र, 10 मंडल और 50 से अधिक विधायकों-विधान पार्षदों वाली 4 लेयर स्ट्रेटजी बनाई है।

जवाब में जन सुराज ने भी थ्री लेयर स्ट्रक्चर तैयार किया है। जन सुराज के मीडिया प्रभारी कुमार सौरभ ने बताया कि सभी 422 बूथों पर थ्री लेयर स्ट्रक्चर (महिला, बूथ के कार्यकर्ता और युवाओं का समूह) बनाया गया है। इसका असर 30 जुलाई को दिखाई देगा।

नीट पेपर लीक मुद्दे को लेकर बिहार में विरोध प्रदर्शन हुए हैं। प्रशांत किशोर इस मुद्दे को भाजपा के खिलाफ छात्रों के गुस्से के रूप में पेश कर रहे हैं। कहते हैं।

'वर्षों से छात्रों के गुस्से को दबाया जा रहा था। बिहार में युवाओं और छात्रों ने पिछले कई साल से देखा है कि हर दो- चार महीने में पेपर लीक होता है। कोई पकड़ा नहीं जाता है। जो लोग मेहनत करते हैं, परीक्षा देते हैं, उनको नौकरी नहीं मिलती है। नौकरियां बेची जा रही हैं। प्रश्न पत्र बेचे जा रहे हैं।'

कैबिनेट बैठक

आंध्र-कर्नाटक के बीच बनेगा आर्थिक गलियारा

4,294 करोड़ की योजनाओं को कैबिनेट की मंजूरी

■ एजेन्सी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश और कर्नाटक के बीच एक बेहद महत्वपूर्ण आर्थिक गलियारे के विकास को हरी झंडी दे दी है। इस महात्वाकांक्षी पहल के लिए कुल 4,294 करोड़ रुपये के भारी-भरकम निवेश को मंजूरी मिली है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कैबिनेट के इस फैसले से दोनों राज्यों में बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी और आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी।

वैष्णव ने जानकारी दी कि इस योजना के तहत दो प्रमुख परियोजनाओं पर काम किया

जाएगा। पहली परियोजना बल्लारी-गुंटकल के बीच तीसरी और चौथी रेलवे लाइन के निर्माण की है, जिसके लिए 1,264 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। यह रेलवे लाइन माल ढुलाई की क्षमता में बड़ा इजाफा करेगी। वहीं दूसरी प्रमुख परियोजना भव्य रसायन योजना है, जिसके लिए 3,030 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। यह पहल क्षेत्र में औद्योगिक विकास को नई रफ्तार देने में मदद करेगी।

यह आर्थिक गलियारा बल्लारी-होसपेट क्षेत्र के स्टील और सीमेंट क्लस्टरों के लिए बेहद मददगार साबित होगा। इससे भारी उद्योगों के कच्चे माल और तैयार उत्पादों का परिवहन काफी तेज और आसान हो जाएगा। इसके अलावा, यह गलियारा प्रमुख समुद्री बंदरगाहों और प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों तक पहुंच को भी सुगम बनाएगा। इस रेलवे विस्तार से हर साल 1.6 करोड़ टन अतिरिक्त माल ढुलाई संभव हो सकेगी, जिससे व्यापार और वाणिज्य को नई ऊंचाइयां मिलेंगी।

परियोजना से जुड़ी बड़ी बातें

कुल बजट आवंटन : आंध्र-कर्नाटक कॉरिडोर के लिए केंद्र सरकार ने 4,294 करोड़ रुपये के कुल निवेश को मंजूरी दी।

रेलवे लाइन विस्तार : बल्लारी-गुंटकल मार्ग पर तीसरी और चौथी रेलवे लाइन के लिए 1,264 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

भव्य रसायन योजना : औद्योगिक रफ्तार बढ़ाने वाली इस योजना के लिए 3,030 करोड़ रुपये की राशि निर्धारित की गई है।

भारी रोजगार सृजन : निर्माण और परिचालन के दौरान करीब 31 लाख मानव-दिवस का रोजगार उत्पन्न होगा।

अतिरिक्त माल ढुलाई : इस गलियारे की मदद से प्रति वर्ष 1.6 करोड़ टन अधिक माल की आवाजाही हो सकेगी।

झारखंड वार्ता
रविवार, 26-07-2026
www.jharkhandvarta.com

भारत से भागकर नेपाली सीमा में प्रवेश कर रहे पाकिस्तानी और रोहिंग्या

नेपाल पुलिस चीफ ने किया दावा- समूह बनाकर बसने की कर रहे कोशिश

काठमांडू। नेपाली पुलिस के इंस्पेक्टर जनरल दान बहादुर कार्की ने बालेन सरकार को जानकारी दी कि देश की खुली सीमा की वजह से भारत से भागकर रोहिंग्या और अवैध नागरिक नेपाल पहुंच रहे हैं। उन्होंने सोमालियन नागरिकों का भी जिक्र किया है और बताया है कि ये भारतीय सीमा से भागकर नेपाल पहुंच रहे हैं। नेपाल की संसद की संघीयता सबलीकरण तथा राष्ट्रीय सरोकार समिति की बैठक में बोलते हुए आईजीपी कार्की ने देश की सुरक्षा चुनौतियों पर एक विस्तृत रिपोर्ट पेश की।

उन्होंने संसद को बताया है कि देश में शरणार्थियों का गैर-कानूनी प्रवेश और सीमा-पार अपराधों पर कानूनी अधिकार क्षेत्र की कमी सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौतियां बन गई हैं। सिंह दरबार में संघवाद को मजबूत करने और राष्ट्रीय चिंताओं से जुड़ी समिति की बैठक को संबोधित करते हुए आईजीपी कार्की ने सांसदों को सीमा सुरक्षा बनाए रखने और अपराध को नियंत्रित करने में नेपाल पुलिस के सामने आने वाली मुश्किलों के बारे में जानकारी दी। कार्की के मुताबिक हाल के दिनों में भारत के रास्ते नेपाल में गैर-कानूनी रूप से प्रवेश करने वाले रोहिंग्या, पाकिस्तानी और सोमाली शरणार्थियों की संख्या बढ़ी है। उन्होंने कहा कि ये लोग अक्सर समूह बनाकर नेपाल के विभिन्न हिस्सों में बसने की कोशिश करते हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि ये ड्रग्स की तस्करी करते हैं जो नेपाल की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने कई तस्करों की पहचान करने की बात कही है जिन्हें गिरफ्तार किया गया है। कार्की ने बताया है भारत से नेपाल में प्रवेश करने वाले और विभिन्न स्थानों पर बसने की कोशिश करने वाले रोहिंग्याओं और अन्य विदेशी नागरिकों की पहचान की जा रही है उन्हें हिरासत में लिया जा रहा है और संबंधित अधिकारियों को सौंपा जा रहा है। उनमें से कुछ लोग ड्रग्स की तस्करी जैसी आपराधिक गतिविधियों में शामिल हैं। बैठक के दौरान कार्की ने समिति को यह भी बताया कि कई नेपाली नागरिक अभी भारतीय पुलिस की हिरासत में हैं। उन पर दक्षिणी सीमा के पार खाद खरीदते समय तस्करी का आरोप है। उन्होंने कहा कि नेपाल पुलिस, पुलिस-से-पुलिस सहयोग और राजनयिक चैनलों के जरिए भारतीय अधिकारियों के साथ तालमेल बिठा रही है। उन्होंने भरोसा जताया कि जरूरी कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद हिरासत में लिए गए नेपाली नागरिकों को रिहा कर दिया जाएगा।

अमेरिका में एच-1बी वीजा पर शिकंजे की तैयारी तीन साल रोक और सख्त नियमों का प्रस्ताव

वॉशिंगटन। अमेरिका में विदेशी पेशेवरों के लिए सबसे अहम माने जाने वाले एच-1बी वीजा कार्यक्रम को लेकर नए बदलावों की तैयारी शुरू हो गई है। रिपब्लिकन सीनेटर टिम शीही ने एक विधेयक पेश किया है, जिसमें तीन वर्षों तक नए एच-1बी वीजा जारी करने पर रोक लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। इसके अलावा वीजा प्रक्रिया को सख्त बनाने, विदेशी कर्मचारियों की नियुक्ति पर नए प्रतिबंध लगाने और अमेरिकी नागरिकों को प्राथमिकता देने जैसे कई प्रावधान शामिल किए गए हैं। सीनेटर टिम शीही ने 'एंड एच-1बी वीजा एब्यूज एक्ट-2026' पेश करते हुए कहा कि एच-1बी कार्यक्रम का मूल उद्देश्य उन क्षेत्रों में विशेषज्ञ कर्मचारियों की कमी को पूरा करना था, जहां योग्य अमेरिकी कर्मचारी उपलब्ध नहीं थे। उनका आरोप है कि समय के साथ इस कार्यक्रम का इस्तेमाल कम लागत वाले विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए होने लगा है, जिससे अमेरिकी श्रमिकों के हित प्रभावित हो रहे हैं। प्रस्तावित विधेयक के तहत यदि यह कानून बनता है तो तीन वर्षों तक नए एच-1बी वीजा जारी नहीं किए जाएंगे। इसके अलावा एच-1बी आवेदन पर एक लाख डॉलर शुल्क लगाने के प्रस्ताव को भी कानून का हिस्सा बनाने की बात कही गई है। यह शुल्क पहले प्रशासनिक स्तर पर प्रस्तावित किया गया था। विधेयक में मौजूदा लॉटरी प्रणाली को खत्म कर वेतन आधारित चयन प्रक्रिया लागू करने का प्रस्ताव है। इसके तहत अधिक वेतन वाले और उच्च कौशल वाले पदों को प्राथमिकता दी जा सकती है। साथ ही एक कर्मचारी को एक साथ कई नियोक्ताओं के लिए काम करने और थर्ड-पार्टी स्टाफिंग एजेंसियों के माध्यम से नियुक्ति पर रोक लगाने की बात कही गई है। प्रस्ताव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा एच-1बी वीजा धारकों के लिए मौजूद डुअल इंटेंट व्यवस्था को समाप्त करना है।

ब्रीफ न्यूज

रूस-यूक्रेन युद्ध की आंच में फंसे भारतीय नाविक

मॉस्को। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध अब केवल दोनों देशों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसकी आंच अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार और विभिन्न देशों के नागरिकों तक पहुंचने लगी है। काला सागर (ब्लैक सी) में एक वाणिज्यिक मालवाहक जहाज पर हुए हमले में एक भारतीय मर्चेंट नेवी अधिकारी की मौत हो गई। इस घटना ने युद्धग्रस्त समुद्री मार्गों पर काम कर रहे भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। भारत सरकार ने घटना पर गहरा दुख जताते हुए व्यापारिक जहाजों पर हमलों की कड़ी निंदा की है। जानकारी के अनुसार, 'एमवी ओमोरफ'नामक कार्गो जहाज रूस के निकट ब्लैक सी क्षेत्र से गुजर रहा था, तभी वह अचानक हमले की चपेट में आ गया। जहाज पर कुल 10 चालक दल के सदस्य मौजूद थे, जिनमें तीन भारतीय नागरिक भी शामिल थे। हमले में एक भारतीय अधिकारी की मौत हो गई, जबकि दो अन्य भारतीय सुरक्षित बताए गए हैं। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हमला किसने किया और इसमें ड्रोन, मिसाइल या किसी अन्य हथियार का इस्तेमाल हुआ।

कनाडा में छात्रा की भारतीय लिव-इन पार्टनर ने की हत्या, पुलिस ने किया गिरफ्तार

टोरंटो। कनाडा के एडमंटन शहर में पंजाब की एक छात्रा दमनप्रीत कौर की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में उनके भारतीय लिव-इन पार्टनर रितिश कुमार को गिरफ्तार किया है। दमनप्रीत पंजाब के लुधियाना जिले के समराला की रहने वाली थीं। वह स्टूडेंट वीजा पर करीब 5 साल पहले कनाडा गई थीं। एडमंटन पुलिस के मुताबिक 9 जुलाई को उन्हें दमनप्रीत का शव एक घर में गंभीर हालत में पाया गया था। अस्पताल में इलाज के दौरान 12 जुलाई को उसकी मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 14 जुलाई को हुई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह गला घोंटना बताया गया है। पुलिस ने 22 जुलाई को रितिश कुमार को गिरफ्तार कर सेकेंड डिग्री मर्डर का आरोप लगाया। अधिकारियों का कहना है कि यह लिव-इन पार्टनर से जुड़ा हत्या का मामला है।

शारीरिक-मानसिक स्थिति के चलते राष्ट्रपति पद की जिम्मेदारियां निभाना संभव नहीं

ढाका। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपना इस्तीफा संसद के स्पीकर हाफिज उद्दीन अहमद को सौंपा। राष्ट्रपति ने इस्तीफे की वजह गंभीर स्वास्थ्य समस्या बताया है। उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और किडनी की बीमारी से जूझ रहे हैं। हाल ही में डॉक्टरों ने ऑटोनॉमिक न्यूरोपैथी नाम की बीमारी का पता लगाया है। इस बीमारी की वजह से कई बार अचानक कुछ समय के लिए बेहोशी आ जाती है। शारीरिक और मानसिक स्थिति को देखते हुए अब राष्ट्रपति जैसे अहम संवैधानिक पद की जिम्मेदारियां निभाना संभव नहीं है। बता दें पिछले कुछ दिनों से बांग्लादेशी मीडिया में उनके इस्तीफे की अटकलें लगाई जा रही थीं। कई रिपोर्टों में दावा किया गया था कि उन्होंने पूर्व पीएम शेख हसीना से फोन पर बातचीत की कोशिश की थी। इस खबर के बाहर आने के बाद पीएम नाराज हो गए थे। मोहम्मद शहाबुद्दीन ने अप्रैल 2023 में राष्ट्रपति पद संभाला था। जुलाई-अगस्त 2024 में हुए छात्र आंदोलन के बाद अवामी लीग सरकार सत्ता से बाहर हो गई थी। राष्ट्रपति शहाबुद्दीन 9 मई को इलाज के लिए लंदन गए थे और 18 मई को ढाका लौटे थे। मीडिया रिपोर्टों में सूत्रों के हवाले से बताया गया था कि इस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति ने भारत में रह रहीं पूर्व पीएम शेख हसीना से फोन पर बातचीत की थी। जैसे ही इस बातचीत की भनक बीएनपी के शीर्ष नेतृत्व को लगी, उन्होंने इसे बहुत गंभीरता से लिया। इसके बाद राष्ट्रपति तक यह मैसेज पहुंचाया कि शेख हसीना से संपर्क साधना या बातचीत करना मौजूदा राजनीतिक माहौल में स्वीकार्य नहीं है और उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

बांग्लादेश के राष्ट्रपति शहाबुद्दीन ने दिया इस्तीफा, लगाई जा रही थी कई अटकलें

न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर संकट प्रधानमंत्री बालेन शाह पर सुप्रीम कोर्ट में दखल का आरोप

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह की सरकार पर सुप्रीम कोर्ट की स्वतंत्रता में दखलंदाजी करने के गंभीर आरोप लगे हैं। एमनेस्टी इंटरनेशनल, ह्यूमन राइट्स वॉच और इंटरनेशनल कमीशन ऑफ ज्यूरिस्ट्स (आईसीजे) जैसे तीन प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों ने संयुक्त बयान में कहा है कि प्रधानमंत्री शाह सरकार सुप्रीम कोर्ट के तीन वरिष्ठ न्यायाधीशों पर इस्तीफा देने का दबाव बना रहे है। आरोप है कि यदि वे ऐसा नहीं करते, तब उनके खिलाफ महाभियोग आ सकता है, जिसका उद्देश्य अदालत की संरचना को बदलना और महत्वपूर्ण संवैधानिक मामलों की सुनवाई को प्रभावित करना है।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब नेपाल की 70 साल पुरानी परंपरा को तोड़कर वरिष्ठता क्रम में चौथे स्थान पर रहे मनोज कुमार शर्मा को मुख्य न्यायाधीश बनाया गया। इसमें सीनियर तीन न्यायाधीश जस्टिस सपना प्रधान मल्ला, कुमार रेग्मी और हरि फुयाल को नजरअंदाज किया गया, जबकि वर्षों से यह रिवाज रहा है कि सुप्रीम कोर्ट के सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश को ही मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया जाता है। प्रधानमंत्री बालेन शाह ने नियुक्ति का बचाव कर कहा था कि नियुक्तियां केवल परंपरा के आधार पर नहीं, बल्कि योग्यता के आधार पर होनी चाहिए।

संगठनों का आरोप है कि मुख्य न्यायाधीश शर्मा के खिलाफ मिली 16 शिकायतों की खुली और निष्पक्ष जांच नहीं की गई, जिन्हें गोपनीय रखा गया। अब सरकार शर्मा से सीनियर जस्टिस सपना प्रधान मल्ला, कुमार रेग्मी और हरि फुयाल पर बिना किसी ठोस सार्वजनिक आरोप या सबूत के इस्तीफा देने का दबाव बना रही है। मानवाधिकार संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि इन तीनों न्यायाधीशों को एक साथ निलंबित किया जाता है, तब इससे सुप्रीम कोर्ट की संरचना और कामकाज पर गहरा असर पड़ेगा, खासकर तब जब अदालत सरकार के कई अहम संवैधानिक मामलों की सुनवाई कर रही है। अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने मई 2026 (संभवतः 2023 या हाल ही में हुई त्रुटि) में संवैधानिक परिषद अधिनियम में अध्यादेश के जरिए किए गए संशोधन पर भी गंभीर आपत्ति जताई है। इस संशोधन के बाद अब संवैधानिक परिषद की बैठक कम सदस्यों की उपस्थिति में भी हो सकती है और फैसले साधारण बहुमत से हो सकते हैं, जिससे मुख्य न्यायाधीश सहित अन्य संवैधानिक पदों पर नियुक्तियों में व्यापक सहमति की जरूरत खत्म हो गई है। यह बदलाव न्यायपालिका की स्वतंत्रता और जनता के भरोसे को कमजोर कर सकता है, जिससे नेपाल में न्यायिक निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

भारत में छात्र प्रदर्शन पर संयुक्त राष्ट्र की चिंता शांतिपूर्ण विरोध की रक्षा करें सुरक्षा बल

वाशिंगटन। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से पहले भारत में छात्रों के चल रहे प्रदर्शनों को लेकर संयुक्त राष्ट्र ने अपनी चिंता जाहिर की है, न्यूयॉर्क में प्रवक्ता स्टीफन डुजारिक ने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन करने वालों को बिना किसी उत्पीड़न, गिरफ्तारी या चोट के डर के ऐसा करने की अनुमति होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों की यह जिम्मेदारी है कि वे इन अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करें। यह टिप्पणी भारत में एक महीने से अधिक समय से चल रहे विरोध प्रदर्शनों के संदर्भ में आई है, जहां प्रदर्शनकारी शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और शिक्षा प्रणाली में बदलाव की मांग कर रहे हैं। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय (ओएचसीएचआर) की स्पेशल प्रोसीजर्स शाखा में एक औपचारिक शिकायत दर्ज करा दी है। इस शिकायत में मानवाधिकारों के उल्लंघन, लगभग 70 प्रदर्शनकारियों को मनमाने ढंग से हिरासत में लेने, बड़ी संख्या में एफआईआर दर्ज करने और पुलिस की बर्बरता का आरोप लगाया गया है, जिसमें शांतिपूर्वक बैठे लोगों पर लाठीचार्ज शामिल है। एमनेस्टी इंटरनेशनल और ह्यूमन राइट्स वॉच जैसी वैश्विक मानवाधिकार संस्थाओं ने दिल्ली पुलिस और पैरामिलिट्री यूनिट्स द्वारा गैर-कानूनी और जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग, जैसे लाठी, आंसू गैस और कथित तौर पर पेलेट गन का इस्तेमाल, साथ ही दर्जनों मेट्रो स्टेशनों को बंद करने और मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को रोकने पर कड़ी आलोचना की है। ह्यूमन राइट्स वॉच ने 23 जुलाई को ही इसतरह के मामलों की त्वरित और निष्पक्ष जांच की मांग की थी।

उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उषा ने साझा की नवजात एलेक की पहली तस्वीर

वाशिंगटन। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और सेकंड लेडी उषा वेंस ने हाल ही में जन्मे अपने बेटे एलेक की पहली तस्वीर साझा की है। यह तस्वीर सेकंड लेडी के आधिकारिक एक्स प्लेटफॉर्म पर जारी की गई, जिसमें नवजात एलेक अपने बड़े भाई-बहनों इवान, विवेक और मिराबेल के साथ दिख रहे हैं। उषा वेंस ने इसी सप्ताह 20 जुलाई को चौथे बच्चे को जन्म दिया है, जो अमेरिका के किसी उपराष्ट्रपति के पद पर रहते हुए 157 साल बाद बच्चे के जन्म की पहली घटना है। बच्चे के जन्म की घोषणा कर वेंस ने बताया था कि मां और बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए लिखा था कि उनके बच्चे अपने छोटे भाई से मिलकर बेहद खुश हैं। चौथे बच्चे के आगमन से अब वेंस परिवार में कुल छह सदस्य हैं। यह स्थिति उनके अमेरिकी लोगों से अधिक बच्चे पैदा करने की अपील से भी मेल खाती है। रिपोर्टों के अनुसार, वेंस परिवार अब उत्तरी वर्जीनिया के ग्रामीण इलाके में अधिक समय बिताने की योजना बना रहा है। मिडिलबर्ग में किराए की प्रॉपर्टी ली गई है, जिसका उद्देश्य उषा वेंस और बच्चों को वॉशिंगटन की व्यस्त जिंदगी से दूर अधिक गोपनीयता देना है। सेकंड लेडी ने हाल ही में इंटरव्यू में बताया था कि वे अपने बच्चों को अनावश्यक सार्वजनिक ध्यान से बचाने का प्रयास करते हैं, ताकि वे निजी तौर पर बच्चों की तरह अपना जीवन जी सकें। आधुनिक अमेरिकी इतिहास में जेडी वेंस पहले उपराष्ट्रपति हैं, जो पद पर रहते हुए पिता बने हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले 1870 में तत्कालीन उपराष्ट्रपति शूयरल कोलफैक्स जूनियर के घर और उससे भी पहले 1829 में उपराष्ट्रपति फ्लोराइड बोनो के घर बच्चे का जन्म हुआ था।

157 साल बाद घर आया बच्चा

विवाद — यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा- हथियारों का यह इवेंट वहां नहीं होना चाहिए था

कीव में दिखाए जा रहे थे ड्रोन, रुस में कर दिया हमला, 10 की मौत, 100 घायल

कीव। रूस ने कीव के पास चल रहे एक आर्म्स शो पर हमला किया। इस हमले में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 100 घायल हुए हैं। इस हमले के बाद यूक्रेन में युद्ध के दौरान इस तरह के इवेंट्स को लेकर सवाल उठ रहे हैं। यूक्रेनी अधिकारियों ने क्रिमिनल जांच शुरू की है, ताकि पता लगाया जा सके कि इवेंट करने का फैसला किसने किया और क्या मार्शल लॉ के तहत रिस्क का सही तरीके से आकलन किया गया था। यह आर्म्स शो एक शूटिंग रेंज के पास हो रहा था, जिसे रूस ने निशाना बनाया। शूटिंग रेंज के अंदर प्रमोशनल टेंट लगे थे जिनके नीचे ड्रोन दिखाए जा रहे थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक शूटिंग रेंज के पास काली चादरों से ढकी कम से कम पांच लाशें देखीं, जहां इवेंट हो रहा था। हमला इतना तेज था कि शूटिंग रेंज के बगल में बने घर मलबे में तब्दील हो गए। रूस ने हमले के बाद एक बयान में कहा कि उसने यूक्रेन और विदेश में बने अनमैन्ड एरियल व्हीकल दिखाने वाले एक आर्म्स एक्सपोजिशन को निशाना बनाया है। बयान में कहा गया कि इसमें ऐसे ड्रोन मॉडल भी दिखाए गए थे, जिनका इस्तेमाल रूसी इलाके में आम लोगों के ठिकानों पर हमला करने के लिए किया जाता है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने इस इवेंट को निशाना बनाने के लिए बैलिस्टिक मिसाइल का इस्तेमाल किया। हथियारों का यह इवेंट वहां नहीं होना चाहिए था। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि युद्ध के ऐसे हालात में और ऐसे दुश्मन के सामने हथियारों की कोई भी प्रदर्शनी आयोजित करना नामुमकिन है। खास तौर पर जहां लोगों की भारी भीड़ हो और जो रिहायशी इमारतों के पास हो। यूक्रेन के अधिकारियों और रक्षा उद्योग से जुड़े लोगों ने भी कार्यक्रम पर सवाल उठाए और जिम्मेदारी तय करने की मांग की।

संपादकीय

संसद में संवाद से ही निकलेगा गतिरोध

अभिमत

यह एक आदर्श स्थिति है कि देश की संसद में विधायी कामकाज सामान्य तरीके से पूरा हो। इसे सुनिश्चित करने की जितनी जिम्मेदारी विपक्षी दलों की है, उससे ज्यादा बड़ा दायित्व खुद सरकार का है कि वह विवादित मुद्दों पर संवाद के जरिए आमराय बनाकर सदन का काम सुचारु रूप से पूरा होने की स्थितियां निर्मित करे। इसमें वैसे मुद्दे भी शामिल हैं, जो देश में किन्हीं वजहों से अचानक खड़े हो जाते हैं और जनता की ओर से उन पर सरकार से जवाब की उम्मीद या मांग की जाती है। विपक्षी दलों का कर्तव्य है कि वे जनता की नुमाइंदगी करते हुए उनकी आवाज, उनके मुद्दों को संसद में उठाएं और सरकार से जवाब मांगें। मगर इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि सरकार को इस तरह की स्थितियों में सकारात्मक माहौल बनाने के लिए अपनी ओर से पहल करना कोई गैर-महत्त्व की बात लगती है। इसका असर संसद की कार्यवाही पर भी पड़ता है। सवाल है कि देश की संसद अगर जनता के मुद्दों पर विचार और बहस के जरिए किसी निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए नहीं, तो आखिर किसलिए है!

गौरतलब है कि मंगलवार को संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही इसलिए स्थगित कर दी गई कि विपक्षी दल सरकार से इस पर जवाब चाहते थे कि एक दिन पहले दिल्ली में संसद मार्च के आह्वान के तहत जुटे युवाओं पर जिस तरह की पुलिस कार्रवाई देखी गई, उसकी जिम्मेदारी तय हो। मगर इसके बजाय दोनों सदनों में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच हुए हंगामे की वजह से कार्यवाही स्थगित कर दी गई। स्वाभाविक ही विपक्षी दलों को यह आरोप लगाने का मौका मिला कि हम पुलिस के अत्याचार, प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों पर लाठी चलाने और उनके घायल होने के मुद्दे पर सदन में चर्चा कराने तथा गृह मंत्री के बयान की मांग कर रहे थे, लेकिन सरकार ने चर्चा का अवसर नहीं दिया, हमारा मुंह बंद करा दिया। एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में विपक्ष की ओर से अगर ऐसे सवाल उठाए जाते हैं, तो सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। विडंबना यह है कि न तो केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे आंदोलनकारियों से संवाद स्थापित करके कोई हल निकालने की कोशिश की गई और न ही संसद में इस मसले पर बहस के लिए सकारात्मक माहौल निर्मित किया जा रहा है।

सवाल है कि अगर सरकार को बातचीत के जरिए कोई रास्ता निकालना प्राथमिक और जरूरी नहीं लग रहा है, तो उसकी नजर में इसका क्या समाधान है। विपक्षी दल भी आम नागरिकों का ही प्रतिनिधित्व करते हैं। अगर वे एक ज्वलंत मुद्दे पर बहस चाहते हैं और सरकार से जवाब मांग रहे हैं, तो इसे संवाद के रास्ते ही एक निष्कर्ष तक पहुंचाया जा सकता है। इसके बाद संसद में बाकी विधायी कामकाज भी सहजता के साथ निपटाए जा सकते हैं। मगर पिछले कुछ समय से सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच ज्यादातर मुद्दों पर मतभिन्नता सीधे टकराव का रूप लेने लगी है और सबसे आसान उपाय सदन को स्थगित करना मान लिया जाता है।

इतिहास

क्या-क्या हुआ

- 1139 प्रिंस एफोनसो हेनरिक्स ने पुर्तगाली सैनिकों को आउमेरिक की लड़ाई में अलमोरविद मूरों पर विजय प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।
- 1609 ब्रिटिश नौकायन जहाज सी वेंचर के चालक दल ने उसे बरमूडा की भित्तियों पर उतारा, जिसके बारे में यह माना जाता है कि उसके पास शेकापिएरे के द टेम्पेस्ट है।
- 1722 फादर्स रैली वार (1722-25) मेन और मैसाचुसेट्स सीमा के साथ आरम्भ हुआ।
- 1759 7 साल युद्ध के दौरान ब्रिटिश सेना ने फ्रेंच से फोर्ट नीयाग्रा पर कब्जा कर लिया।
- 1837 इलेक्ट्रिक टेलिग्राफ के इस्तेमाल का पहली बार सफलता पूर्वक प्रदर्शन किया गया।
- 1854 वाल्टर हंट को पहले पेपर शर्ट कॉलर का अमेरिकी पेटेंट हासिल हुआ।
- 1893 कोरिंथ नहर को औपचारिक रूप से खोला गया था, जो कुरिंथ की खाड़ी को सरिंथ खाड़ी से जोड़कर कोरिंथ इंजी एजियन सी के संकरे इस्तमुस से होकर गई थी।
- 1898 स्पैनिश-अमेरिकी युद्धः दो महीने के समुद्र-आधारित बमबारी के बाद, संयुक्त राज्य अमेरिका ने प्यूर्टो रिको पर आक्रमण किया।
- 1909 बार्सिलोना शहर में श्रमिकों ने विद्रोह आरम्भ किया।
- 1938 फि लिस्तीन की एक मंडी में दो बम विस्फोटों में 62 असैनिक मारे गये और लगभग 100 अन्य घायल हो गये।
- 1943 फासीवाद की ग्रैंड काउंसिल ने बिना विश्वासपात्र बेनिटो मुसोलिनी के प्रस्ताव पर मतदान किया।

कविता

जंतर मंतर

देश का भविष्य जब गर्त में जाने लगे
शिक्षा प्रणाली दांव पेच लड़ाने लगे
हक के लिए युवाओं को सड़क पर
मजबूरन उतरना पड़े
पुलिस की बेरहमी से कलेजा कांप उठे
फिर भी मौन रहना कैसा न्याय है
मन की बात मन में ही क्यों है?
शिक्षा में अनैतिकता अपारदर्शिता
होनहार युवाओं के लिए कलंक है
रोजगार मांग वाजिब हक है
इस्तीफे की मांग जायज है....

समझ नहीं आता सरकार
इस समय सरकार क्यों नहीं है ?
याद आते है रह-रहकर अटल जी
आज होते प्रधानमंत्री तो ये नौबत कदापि नहीं आती
जिन्होंने देशहित अपने इस्तीफे में एक पल को देर नही की
अटल जी संविधान के अनुशासित अपवाद थे
विरोधियों को भी प्यार से गले लगाते थे
ये तो मासूम बच्चे हैं देश का भविष्य कर्णधार है
इनके सम्मान में त्वरित फैसले लेने जरुरी है...

अटलजी आज होते तो मौन नहीं मुखर होते
देश का युवा जिसके हाथ लोकतंत्र की है सुरक्षा
और तंत्र बदलने की है क्षमता ...
आज जब देश के कोने कोने में युवा संगठित आक्रोशित है
छोटी चिंगारी शोला बनकर सर्वत्र दहक रही है
तब इनकी बात सुनना समझना
न्यायोचित संवैधानिक है...

कोई कहता साजिशें ही साजिशें है
लेकिन सच तो सच है सच मुखौटे कभी पहनता नही?
जिनके हाथों बनी सरकार उनके प्रति भी सरकार की
नैतिक जिम्मेदारी है एक छोटे से इस्तीफे की मांग
और इस्तीफा न देना कहां की कैसी मजबूरी है?
जंतर मंतर ही नहीं देश का चौराहा चौराहा
खुलीआंखों से घटनाक्रम देख रहा है
संवेदनाओं से तमतमाया जनमत
मुट्ठी भींच रहा है...

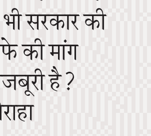

लाल बहादुर श्रीवास्तव
लेखक

लोक मुद्दा

छात्र आंदोलन से राहुल-अखिलेश को कितना राजनीतिक लाभ मिलेगा

उत्तर प्रदेश की राजनीति में किसान आंदोलन के बाद अब छात्र आंदोलन का मुद्दा 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले नई राजनीतिक जमीन तैयार करता दिखाई दे रहा है। प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और परीक्षा व्यवस्था की कथित गड़बड़ियों के खिलाफ छात्रों का गुस्सा अब केवल परीक्षा केंद्रों और धरना स्थलों तक सीमित नहीं है। यह मुद्दा संसद से लेकर सड़क तक पहुंच चुका है और विपक्षी दल इसे सरकार के खिलाफ बड़े राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की कोशिश कर रहे हैं। सवाल यही है कि क्या छात्रों का यह आक्रोश 2027 में भारतीय जनता पार्टी के लिए वही चुनौती बन सकता है, जिसकी उम्मीद विपक्ष ने 2022 में किसान आंदोलन के बाद की थी? इस पूरे घटनाक्रम में राहुल गांधी और अखिलेश यादव की सक्रियता सबसे अधिक दिखाई दे रही है।

अजय कुमार

> राहुल गांधी और अखिलेश यादव के लिए सबसे बड़ा अवसर यही है कि वे इस आंदोलन को केवल सरकार विरोधी नारे तक सीमित न रखकर रोजगार, भर्ती कैलेंडर, परीक्षा सुरक्षा और जवाबदेही का ठोस राजनीतिक एजेंडा बनाएं। यदि विपक्ष केवल धरना, गिरफ्तारी और तस्वीरों तक सीमित रहा तो किसान आंदोलन की तरह छात्र आंदोलन का भी राजनीतिक लाभ सीमित रह सकता है।

पेपर लीक के मुद्दे पर राहुल गांधी पहले से सरकार को घेरते रहे हैं, लेकिन छात्रों के आंदोलन ने उन्हें सीधे सड़क पर उतरने का अवसर दे दिया है। अखिलेश यादव के लिए यह मुद्दा इसलिए और महत्वपूर्ण है क्योंकि उत्तर प्रदेश की राजनीति में बेरोजगारी, भर्ती परीक्षाओं और युवाओं की नाराजगी लंबे समय से विपक्ष के प्रमुख मुद्दे रहे हैं। छात्र आंदोलन को समर्थन देकर समाजवादी पार्टी एक ऐसे वर्ग तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रही है, जो आने वाले चुनाव में निर्णायक भूमिका निभा सकता है।मामला केवल नीट या किसी एक परीक्षा तक सीमित नहीं है। देशभर में प्रतियोगी परीक्षाओं और सरकारी नौकरियों की परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक, परीक्षा रद्द होने, परिणाम में देरी और भर्ती प्रक्रिया पर उठते सवालों ने लाखों युवाओं के भविष्य को प्रभावित किया है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में यह समस्या और गंभीर हो जाती है, जहां लाखों युवा वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। एक परीक्षा की तैयारी में परिवार की बचत, छात्र की उम्र और कई वर्षों का समय लग जाता है। ऐसे में परीक्षा रद्द होने या पेपर लीक की खबर केवल प्रशासनिक समस्या नहीं रहती, बल्कि परिवारों के लिए आर्थिक और भावनात्मक संकट बन जाती है।

केंद्र सरकार ने 2024 में लोक परीक्षाओं में अनुचित साधनों को रोकने के लिए कानून बनाया था। इस कानून में पेपर लीक, संगठित नकल और परीक्षा प्रक्रिया में गड़बड़ी को अपराध बनाया गया तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी सजा का प्रावधान किया गया। इसके बावजूद जब लगातार नई घटनाओं को लेकर सवाल उठते हैं तो छात्रों का असंतोष स्वाभाविक रूप से बढ़ता है। यही वह बिंदु है जहां विपक्ष सरकार से पूछ रहा है कि कानून बनने के बाद भी व्यवस्था में वह भरोसा क्यों नहीं बन पाया, जिसकी छात्रों को सबसे ज्यादा जरूरत है।आंदोलन के बढ़ते दबाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का देर रात वीडियो संदेश जारी कर पेपर लीक के खिलाफ और कड़े कदमों तथा नए कानून की बात करना

राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पेपर लीक लाखों छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए गंभीर पीड़ा का विषय है और सरकार दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करेगी। सरकार की ओर से यह संदेश उस समय आया जब छात्र आंदोलन लगातार विस्तार ले रहा था और विपक्षी दल इसे संसद और सड़क दोनों जगह उठा रहे थे।यहीं से इस आंदोलन का राजनीतिक पहलू सामने आता है। राहुल गांधी और अखिलेश यादव दोनों जानते हैं कि छात्र आंदोलन को केवल सरकार विरोधी प्रदर्शन में बदल देना आसान नहीं है। छात्र किसी राजनीतिक दल के झंडे के नीचे आंदोलन शुरू नहीं करते। उनकी पहली मांग परीक्षा व्यवस्था में भरोसा, पारदर्शिता और भविष्य की सुरक्षा होती है। इसलिए विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह छात्रों की आवाज का समर्थन करते हुए आंदोलन पर अपना राजनीतिक कब्जा करने की कोशिश करता हुआ दिखाई न दे।

2022 का किसान आंदोलन इस पूरे घटनाक्रम को समझने के लिए सबसे बड़ा उदाहरण है। तीन कृषि कानूनों के खिलाफ लंबे आंदोलन के बाद केंद्र सरकार ने नवंबर 2021 में तीनों कानून वापस ले लिए थे। उस समय उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने वाले थे। समाजवादी पार्टी को उम्मीद थी कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसानों की नाराजगी भाजपा के खिलाफ बड़ा राजनीतिक माहौल बनाएगी। अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय लोकदल के साथ गठबंधन किया और जयंत चौधरी के साथ मिलकर किसान मुद्दे को चुनावी अभियान का प्रमुख हिस्सा बनाया।लेकिन चुनाव परिणामों ने विपक्ष की उम्मीदों को पूरी तरह सच साबित नहीं किया। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 255 सीटें जीतीं और उसके सहयोगियों के साथ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की कुल सीटें 273 तक पहुंचीं। समाजवादी पार्टी को 111 सीटें मिलीं, जबकि उसके सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल को 8 सीटें मिलीं। भाजपा का वोट प्रतिशत लगभग 41.29 प्रतिशत रहा, जबकि समाजवादी पार्टी को 32.06 प्रतिशत वोट मिले। यानी किसान आंदोलन के बाद भाजपा की सीटें जरूर घटीं, लेकिन वह सत्ता से बाहर नहीं हुई।हालांकि 2024 के लोकसभा चुनाव ने उत्तर प्रदेश की राजनीति का समीकरण बदल दिया। समाजवादी पार्टी राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और कांग्रेस के साथ गठबंधन ने भाजपा को बड़ा नुकसान पहुंचाया। इस परिणाम ने विपक्ष को यह विश्वास दिया कि युवा, रोजगार, भर्ती और पेपर लीक जैसे मुद्दे यदि जातीय और सामाजिक समीकरणों से जुड़ जाएं तो भाजपा के लिए चुनौती पैदा कर सकते हैं। यही कारण है कि 2027 के विधानसभा चुनाव से एक साल पहले छात्र आंदोलन विपक्ष के लिए सामान्य विरोध प्रदर्शन से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

लेकिन यहां किसान आंदोलन और छात्र आंदोलन के बीच बड़ा अंतर भी है। किसान आंदोलन मुख्य रूप से एक संगठित सामाजिक वर्ग और मजबूत किसान संगठनों के नेतृत्व में चला था। उसके पास गांवों तक फैला हुआ संगठनात्मक ढांचा था। छात्र आंदोलन का स्वरूप अधिक बिखरा हुआ है। इसमें अलग-अलग परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवा, कोचिंग संस्थानों से जुड़े छात्र, बेरोजगार अभ्यर्थी और उनके परिवार शामिल हैं। यह आंदोलन बहुत बड़ा जनभावनात्मक मुद्दा तो बन सकता है, लेकिन उसे चुनावी वोट में बदलना अपने आप में कठिन है।दूसरी चुनौती यह है कि छात्र हर चुनाव में एक जैसा राजनीतिक व्यवहार नहीं करते।

लोक विचार

जल संकट का असंतुलित प्रबंधनः अस्तित्व पर मंडराता खतरा

ललित गर्ग

> जल संरक्षण केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। घरों में पानी की अनावश्यक बबार्दी रोकना, वर्षाजल संचयन अपनाना, रिसाव ठीक कराना, कम पानी वाले उपकरणों का उपयोग करना और बच्चों में जल संरक्षण के संस्कार विकसित करना अत्यंत आवश्यक है।

जल केवल प्रकृति का उपहार नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व का आधार है। पृथ्वी पर जीवन की कल्पना जल के बिना असंभव है, फिर भी विडंबना यह है कि जिस जल को हमारी संस्कृति ने देवत्व प्रदान किया, उसी जल के प्रति हमारा व्यवहार सबसे अधिक लापरवाह रहा है। आज देश और दुनिया की सबसे गंभीर चुनौतियों में जल संकट प्रमुख बन चुका है। बढ़ती आबादी, अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध भूजल दोहन, जलवायु परिवर्तन और वर्षाजल के समुचित प्रबंधन के अभाव ने इस संकट को भयावह बना दिया है। यदि समय रहते चेतना नहीं जागी तो आने वाले वर्षों में पानी केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि सामाजिक तनाव, आर्थिक अस्थिरता और मानवीय संघर्ष का सबसे बड़ा कारण बन सकता है। हाल के शोध इस संकट की गंभीरता को और स्पष्ट करते हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गांधीनगर के अध्ययन के अनुसार पिछले दो दशकों में उत्तर भारत का भूजल भंडार लगभग 450 घन किलोमीटर घट चुका है। यह मात्रा देश के सबसे बड़े जलाशयों में से एक इंदिरा सागर बांध की कुल जल संग्रहण क्षमता से लगभग 37 गुना अधिक है। यह आंकड़ा केवल वैज्ञानिक तथ्य नहीं, बल्कि भविष्य के संकट का स्पष्ट संकेत है। इसका अर्थ है कि जिस भूजल पर करोड़ों किसानों की खेती और करोड़ों लोगों का जीवन निर्भर है, वह तेजी से समाप्त हो रहा है।

इस भयावह स्थिति के पीछे सबसे बड़ा कारण जलवायु परिवर्तन है। वर्ष 1951 से 2021 के बीच मानसूनी वर्षा में लगभग 8.5 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। दूसरी ओर, उत्तर भारत में सर्दियों का तापमान भी बढ़ा

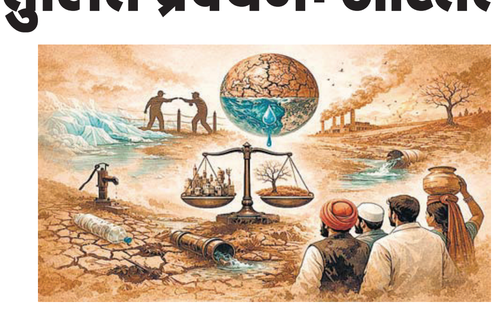

है। तापमान में यह मामूली प्रतीत होने वाली वृद्धि भी मिट्टी की नमी को तेजी से कम करती है। परिणामस्वरूप खेतों को पहले की अपेक्षा अधिक सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है। जब वर्षा कम होती है और सिंचाई की मांग बढ़ती है, तब किसान भूजल पर अधिक निर्भर हो जाते हैं। यही कारण है कि भूजल का पुनर्भरण कम और दोहन अधिक हो रहा है। आज भारत के अनेक क्षेत्रों में भूजल का स्तर हर वर्ष नीचे जा रहा है। पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और मध्य भारत के कई हिस्से इस संकट की चपेट में हैं। अनेक स्थानों पर सैकड़ों फीट गहराई तक बोरवेल खोदने के बाद भी पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा। कई गांवों में हैंडपंप सूख चुके हैं और शहरों में टैंकर संस्कृति तेजी से बढ़ रही है। यह स्थिति बताती है कि यदि हमने अपनी जल नीति नहीं बदली तो आने वाले समय में पानी का संकट भोजन के संकट में भी बदल सकता है।

भारत की कृषि व्यवस्था आज भी लगभग 80 प्रतिशत मीठे जल का उपयोग करती है। दुर्भाग्य से धान, गन्ना जैसी अधिक पानी वाली फसलें उन क्षेत्रों में भी उगाई जा रही हैं जहां जल संसाधन सीमित हैं। मुफ्त बिजली और सस्ते पानी की नीतियों ने कई क्षेत्रों में अनियंत्रित भूजल दोहन को बढ़ावा दिया है। जल का मूल्य शून्य समझे जाने के कारण उसका संरक्षण भी नहीं हो पा रहा। आवश्यकता इस बात की है कि कृषि नीति को जल उपलब्धता के अनुरूप बनाया जाए। जिन क्षेत्रों में पानी कम है, वहां मोटे अनाज, दालें, तिलहन तथा कम पानी में तैयार होने वाली फसलों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। जल संकट केवल खेती तक सीमित नहीं है। उद्योगों, महानगरों और बढ़ते शहरी विस्तार ने भी भूजल पर अत्यधिक दबाव डाला है। बड़े-बड़े भवनों, कॉलोनियों और औद्योगिक क्षेत्रों में वर्षाजल सीधे नालों में बह जाता है। यदि प्रत्येक भवन में वर्षा जल संचयन की व्यवस्था अनिवार्य रूप से लागू हो जाए तो लाखों लीटर पानी हर वर्ष धरती के भीतर पहुंच सकता है। दुर्भाग्यवश अनेक राज्यों में कानून तो बने, लेकिन उनका प्रभावी पालन नहीं हो पाया।

जल संकट का एक और गंभीर पक्ष जल प्रदूषण है। देश की अधिकांश नदियां औद्योगिक अपशिष्ट, रासायनिक कचरे और सीवेज के कारण प्रदूषित हो चुकी हैं। जब नदियों और तालाबों का जल उपयोग योग्य नहीं रहता तो भूजल पर दबाव और बढ़ जाता है। इसलिए जल संरक्षण के साथ-साथ जल स्त्रोतों की स्वच्छता भी समान रूप से आवश्यक है। नदी केवल जलधारा नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पारिस्थितिकी की जीवनरेखा है। यदि नदियां स्वस्थ रहेंगी तो भूजल भी समृद्ध होगा। आज आवश्यकता केवल नई परियोजनाओं की नहीं, बल्कि जल संस्कृति के पुनर्जागरण की है। भारत में कभी तालाब, बावड़ियां, जोहड़, कुंड और पारंपरिक जल संरचनाएं गांवों की पहचान होती थीं।

संपादक, प्रकाशक एवं मुद्रक - सत्यम कुमार जायसवाल। शिव साई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, टेंडर बगीचा के पास, थाना और पोस्ट-रातू 835222 राची, झारखंड से मुद्रित। ब्लॉक रोड़ मझिआंव पेट्रोल पंप के पास मझिआंव, जिला-गढ़वा 822134 से प्रकाशित। **RNI no - JHHIN/25/A0561** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)

ब्रीफ न्यूज

क्रेडिट कार्ड खर्च 2 लाख करोड़ के पार, लगातार दूसरे महीने उछाल

मुंबई। भारतीय उपभोक्ताओं ने क्रेडिट कार्ड के जरिए खर्च करने की अपनी आदत को जून में भी बरकरार रखा है, लगातार दूसरे महीने खर्च का आंकड़ा 2 लाख करोड़ रुपए के निशान को पार कर गया। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, जून में क्रेडिट कार्ड से कुल 2.01 लाख करोड़ रुपए का व्यय दर्ज किया गया, जो पिछले साल इसी अवधि के मुकाबले 9.8 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि है। हालांकि, यह मई के 2.02 लाख करोड़ रुपए के मुकाबले मामूली रूप से कम रहा। क्रेडिट कार्ड खर्च में प्रमुख खिलाड़ियों में एचडीएफसी बैंक और एसबीआई कार्ड का प्रदर्शन सबसे मजबूत रहा। एचडीएफसी बैंक ने 16.2 फीसदी की सालाना बढ़ोतरी के साथ 59,432 करोड़ रुपए का खर्च दर्ज किया, जबकि एसबीआई कार्ड का खर्च 34.4 फीसदी बढ़कर 41,077 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। दूसरी ओर आईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट कार्ड खर्च में 5.2 फीसदी की सालाना गिरावट दर्ज की गई और यह 31,410.9 करोड़ रुपए रहा।

बीएनपी परिबा कार्डिफ ने इंडियाफर्स्ट लाइफ में खरीदी 26 फीसदी हिस्सेदारी

मुंबई। फ्रांस की बीमा कंपनी बीएनपी परिबा कार्डिफ ने निजी इक्विटी फर्म वारबर्ग पिन्कस से इंडियाफर्स्ट लाइफ इंश्योरेंस में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की घोषणा की है। इस सौदे के साथ इंडियाफर्स्ट लाइफ को एक नया रणनीतिक निवेशक मिल गया है, जिसका उद्देश्य कंपनी की विकास यात्रा को गति देना है। हालांकि, सौदे की राशि का खुलासा नहीं किया गया है। इस अधिग्रहण के बाद इंडियाफर्स्ट लाइफ की शेयरधारिता में बड़ा बदलाव आया है। बैंक ऑफ बड़ौदा की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत रहेगी, जिससे वह सबसे बड़ा शेयरधारक बना रहेगा। बीएनपी परिबा कार्डिफ के पास अब 26 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जबकि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया नौ प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ एक महत्वपूर्ण साझेदार रहेगा। इस रणनीतिक साझेदारी का मुख्य उद्देश्य बैंक ऑफ बड़ौदा के विशाल शाखा नेटवर्क, इंडियाफर्स्ट लाइफ की बहु-चैनल वितरण क्षमताओं और बीएनपी परिबा कार्डिफ की वैश्विक बैंकएश्योरेंस विशेषज्ञता, उत्पाद नवाचार तथा बीमा क्षमताओं का लाभ उठाना है। बीएनपी परिबा कार्डिफ की सीईओ पॉलिन लेक्लेर-ग्लोरियू ने इस सौदे को उच्च संभावनाओं वाले बाजारों में मजबूत संस्थानों के साथ साझेदारी की उनकी अंतरराष्ट्रीय रणनीति का विस्तार बताया।

कठुआ को मिलेगी मजबूत बिजली, ग्रिड उन्नयन को 15.22 करोड़ मंजूर

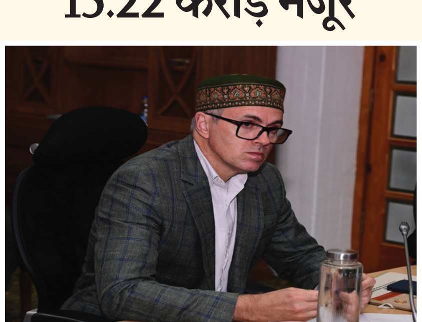

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर सरकार ने क्षेत्र में बिजली आपूर्ति को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कठुआ ग्रिड स्टेशन के उन्नयन के लिए 15.22 करोड़ रुपए की एक महत्वपूर्ण परियोजना को हरी झंडी दे दी है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के इस फैसले की जानकारी एक सरकारी प्रवक्ता ने दी, जिसमें बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने पर जोर दिया गया है। प्रवक्ता के अनुसार इस परियोजना का मुख्य लक्ष्य कठुआ ग्रिड स्टेशन की क्षमता में वृद्धि करना और उससे संबंधित बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाना है। यह पहल विशेष रूप से क्षेत्र में लगातार बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने के लिए पारेषण नेटवर्क को मजबूत करेगी और उपभोक्ताओं के लिए अधिक सुदृढ़ एवं विश्वसनीय विद्युत अवसंरचना उपलब्ध कराएगी। अधिकारियों का मानना है कि इस उन्नयन से पारेषण प्रणाली की विश्वसनीयता और स्थिरता में उल्लेखनीय सुधार होगा। साथ ही, यह प्रणाली पर पड़ने वाले अधिक दबाव को कम करने में भी सहायक होगा। इसका सीधा लाभ कठुआ और आसपास के क्षेत्रों के हजारों उपभोक्ताओं को मिलेगा, जिनके लिए अब बेहतर गुणवत्ता और अधिक स्थिर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

कच्चे तेल और युद्ध का डर, बाजार पर भारी पड़ी भू-राजनीतिक चिंताएं

ग्लोबल अस्थिरता का असर भारतीय बाजार पर साफ दिखा

भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल और विदेशी निकासी के दबाव में बाजार

मुंबई। बीता हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद निराशाजनक रहा, जहां प्रमुख सूचकांक लगातार पांच कारोबारी सत्रों तक गिरावट के साथ बंद हुए। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल, अमेरिकी व्यापार शुल्क संबंधी नई चिंताओं और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने बाजार की धारणा को बुरी तरह प्रभावित किया। निवेशकों में भारी बिकवाली का दबाव देखा गया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही सूचकांकों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई और रुपया भी डॉलर के मुकाबले कमजोर हुआ। सप्ताह की शुरुआत ही भारी बिकवाली के साथ हुई, जब सोमवार को 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 523 अंक और 50 शेयरों वाला निफ्टी 134 अंक लुढ़क गया। दिन के अंत तक सेंसेक्स 442.93 अंक (और निफ्टी 95.80 अंक की गिरावट के साथ बंद हुए। मंगलवार को बाजार ने एक सपाट शुरुआत की, लेकिन वैश्विक अस्थिरता के कारण यह भी लाल निशान में बंद हुआ। सेंसेक्स 238.41 अंक और निफ्टी 50.80 अंक नीचे आ गए। रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) और इंफोसिस जैसे दिग्गजों के शेयरों में 2 फीसदी तक की गिरावट देखी गई। हालांकि, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी ऑटो सूचकांकों ने कुछ हद तक बढ़त दर्ज कर थोड़ी राहत दी। बुधवार को गिरावट का सिलसिला और तेज हो गया, जो लगातार तीसरा कारोबारी सत्र था। कच्चे तेल के दामों में तेज उछाल और बैंक शेयरों में भारी बिकवाली इसकी मुख्य वजह रही। बीएसई सेंसेक्स 715.06 अंक और एनएसई निफ्टी 191.45 अंक की बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार ने लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की। ईरान पर अमेरिकी सैन्य हमलों की खबरों से कच्चे तेल की कीमतों में और उछाल आया, जिससे निवेशकों की धारणा कमजोर बनी रही। सेंसेक्स 363.66 अंक गिरकर 76,391.39 पर और निफ्टी 126.66 अंक के नुकसान के साथ 23,869.60 के स्तर पर बंद हुआ। सप्ताह का अंत भी गिरावट के साथ हुआ। शुक्रवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में सेंसेक्स और निफ्टी को नुकसान हुआ। शुरुआती कारोबार में तो सेंसेक्स 700 अंक से ज्यादा टूट गया था, हालांकि बाद में थोड़ी रिकवरी हुई। बाजार पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव, बढ़ते तेल मूल्य और अमेरिकी व्यापार शुल्क की नई चिंताओं से घिरा रहा। सप्ताह के दौरान इटरनल, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल, एशियन पेंट्स और इन्फोसिस जैसे बड़े शेयरों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा।

एचडीएफसी बैंक पर अमेरिकी जांच का साया, शेयरों में गिरावट जारी

HDFC BANK

45 करोड़ के कथित भुगतान को लेकर सवाल, निवेशक चिंतित

मुंबई

अमेरिका की तीन प्रमुख लॉ फर्मों ने एचडीएफसी बैंक के खिलाफ संभावित संघीय प्रतिभूति कानूनों के उल्लंघन की जांच शुरू कर दी है, जिसके बाद बैंक के शेयरों में 1 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। तिमाही नतीजों के बाद से पिछले पांच कारोबारी सत्रों में शेयर लगभग 10 फीसदी गिर चुके हैं, जिसने निवेशकों की चिंताओं को बढ़ा दिया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह जांच महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम को कथित तौर पर किए गए 45 करोड़ रुपए के भुगतान से जुड़ी है। आरोप है कि बड़े डिपॉजिट प्राप्त करने के लिए दी गई अतिरिक्त ब्याज राशि को कथित तौर पर विपणन खर्च के रूप में दर्ज किया गया था। इस राशि को फिर चार स्थानीय वेंडरों के माध्यम से सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियानों पर खर्च दिखाया गया। अमेरिकी लॉ फर्मों ने फिलहाल यह स्पष्ट नहीं किया है कि यह मामला सामूहिक मुकदमे का रूप लेगा या नहीं। वे उन निवेशकों से जानकारी जुटा रही हैं, जिन्हें बैंक के शेयरों में आई गिरावट से नुकसान हुआ है। हालांकि, एचडीएफसी बैंक ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। बैंक का कहना है कि उसके सभी लेनदेन निर्धारित नियमों और एक मजबूत आंतरिक नियंत्रण प्रणाली के तहत किए जाते हैं, और किसी भी अनियमितता के आरोप पूरी तरह से निराधार हैं।

मारुति ने नई कॉम्पैक्ट एसयूवी से मचाई हलचल, कीमत 7.40 लाख से शुरू

नया 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन, प्रीमियम इंटीरियर और उन्नत सुरक्षा फीचर्स के साथ हुई एंट्री

नई दिल्ली। भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में मारुति सुजुकी ने अपनी लोकप्रिय कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेजा 2026 फेसलिफ्ट को लॉन्च कर दिया है। यह नया मॉडल कई बड़े बदलावों के साथ आया है, जिसमें एक शक्तिशाली टर्बो पेट्रोल इंजन, आकर्षक डिजाइन और प्रीमियम फीचर्स शामिल हैं। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 7.40 लाख रुपये तय की गई है, जो इसे कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में एक मजबूत दावेदार बनाती है। नई ब्रेजा फेसलिफ्ट का सबसे बड़ा आकर्षण इसका बिल्कुल नया 1.0 लीटर डायरेक्ट इंजेक्शन टर्बो पेट्रोल इंजन है। यह इंजन 108 बीएचपी की पावर और 170 एनएम का टॉर्क पैदा करता है, जिसे 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। यह नया पावरट्रेन ड्राइविंग अनुभव को और बेहतर बनाएगा। डिजाइन की बात करें तो, नई ब्रेजा में नया फ्रंट ग्रिल, बदले हुए बंपर और नए 16 इंच के ड्यूल-टोन अलॉय व्हील मिलते हैं, जो इसे एक फ्रेश लुक देते हैं। यह विवेशियस ऑरेंज और लस्ट्रस ब्लू जैसे दो नए आकर्षक रंगों में भी उपलब्ध होगी। इंटीरियर में ब्लैक और ब्राउन थीम के साथ ग्लॉस ब्लैक फिनिश दी गई है। इसमें अब बड़ा 10.1 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, एम्बिएंट लाइटिंग, वेंटिलेटेड फ्रंट सीटें, एयर प्यूरीफायर और वायरलेस चार्जर जैसे प्रीमियम फीचर्स शामिल हैं, जो केबिन को अधिक आरामदायक और हाई-टेक बनाते हैं। सुरक्षा के लिहाज से भी ब्रेजा अब और मजबूत हुई है। इसमें 360 डिग्री कैमरा, ब्लाइंड स्पॉट वार्निंग, रियर क्रॉस ट्रैफिक अलर्ट, सेफ एग्जिट वार्निंग, फ्रंट पार्किंग सेंसर और टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम जैसे कई आधुनिक फीचर्स शामिल हैं, जो यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे।

अडानी का एयरलाइन शुरू करने से इनकार, एएआई नियमों में मांगी ढील

मुंबई। अडानी ग्रुप ने भले ही तत्काल एयरलाइन शुरू करने की खबरों से इनकार किया हो, लेकिन उसकी एयरपोर्ट कंपनी अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स (एएएचएल) ने विमानन क्षेत्र के नियमों में बदलाव की मांग की है। कंपनी ने भविष्य की एयरलाइन के विकास में अपनी अहम भूमिका का संकेत देते हुए एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) से नियमों में ढील देने का अनुरोध किया है। अडानी एयरपोर्ट्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने जून में एएआई को लिखे पत्र में कहा कि ग्रुप की इकाई अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस एयरलाइन कारोबार में उतरने पर विचार कर रही थी। पत्र में कहा गया कि ग्रुप के पास पायलट प्रशिक्षण, रखरखाव, ग्राउंड हैंडलिंग और 8 हवाई अड्डों का नेटवर्क है, जिससे वह एविएशन सेक्टर को नई दिशा दे सकता है। उन्होंने मौजूदा नियमों में बदलाव की वकालत करते हुए तर्क दिया कि भारत के विमानन बाजार में कुछ बड़ी एयरलाइनों का दबदबा है, जिससे प्रतिस्पर्धा सीमित हो रही है। उन्होंने टियर-2 और टियर-3 शहरों की बेहतर कनेक्टिविटी के लिए नई एयरलाइन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने इंडिगो के पिछले ऑपरेशनल संकट का भी उल्लेख करते हुए कहा कि मजबूत वित्तीय क्षमता वाली नई एयरलाइनों के आने से सेक्टर अधिक प्रतिस्पर्धी और संतुलित बन सकता है। हालांकि, अडानी एंटरप्राइजेज ने शेयर बाजार को दी जानकारी में स्पष्ट किया कि फिलहाल ग्रुप की एयरलाइन शुरू करने की कोई योजना नहीं है।

जीपी पेट्रोलियम्स का मुनाफा पहली तिमाही में तीन गुना होकर 20.6 करोड़ पहुंचा

मुंबई

लुब्रिकेंट बनाने वाली कंपनी जीपी पेट्रोलियम्स लिमिटेड (जीपीपीएल) का मुनाफा (पीएटी) चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में तीन गुना से अधिक होकर 20.6 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 6.4 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। कंपनी ने बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आ? सालाना आधार पर 46 प्रतिशत बढ़कर 230.3 करोड़ रुपये हो गई, जो 2025-26 की समान तिमाही में 158.2 करोड़ रुपये थी।

कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में उसकी कर पूर्व आय करीब तीन गुना होकर 29.2 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में 10 करोड़ रुपये थी।जीपी पेट्रोलियम्स के प्रवक्ता ने कहा कि बेहतर परिचालन मार्जिन, उत्पाद मिश्रण में सुधार और परिचालन दक्षता पर लगातार ध्यान देने के साथ ही कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 में मजबूत शुरुआत की है।---

बच्चों की दवा कंपनी रेहान हेल्थकेयर का लाइसेंस निलंबित

दूषित वातावरण, गंदगी और कीड़े-मकोड़ों के प्रकोप से बच्चों के उत्पादों को खतरा

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने बच्चों के लिए आयुर्वेदिक दवाएं, हेल्थ सप्लीमेंट्स और न्यूट्रिशन उत्पाद बनाने वाली कंपनी रेहान हेल्थकेयर का लाइसेंस निलंबित कर दिया है। यह सख्त कार्रवाई कंपनी की विनिर्माण इकाई के विस्तृत निरीक्षण के बाद की गई, जहां खाद्य सुरक्षा नियमों के कई गंभीर उल्लंघन पाए गए। एफएसएसएआई ने तत्काल प्रभाव से उत्पादन रोकने और सभी कमियों को दूर करने का निर्देश दिया है, अन्यथा कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। एफएसएसएआई के निरीक्षण दल ने रेहान हेल्थकेयर की फैक्ट्री में अत्यधिक अस्वच्छ और दूषित वातावरण पाया। पूरे परिसर में गंदगी, कीड़े-मकौड़ों का प्रकोप और साफ-सफाई के बुनियादी मानकों की घोर अनदेखी उजागर हुई। कंपनी को खाद्य सुरक्षा अनुपालन में केवल 12 प्रतिशत अंक मिले, जो स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है। अधिकारियों ने विनिर्माण टैंकों के नीचे गंदगी की मोटी परतें और कच्चे माल के भंडारण क्षेत्रों में भी अत्यधिक अस्वच्छता पाई, जिससे उत्पादों में संक्रमण फैलने का गंभीर खतरा पैदा हो रहा था। निरीक्षण में अपर्याप्त भंडारण, सीमित कार्यस्थल, खराब वेंटिलेशन और प्रकाश व्यवस्था जैसी अन्य महत्वपूर्ण कमियां भी सामने आईं। फैक्ट्री में मकड़ी के जाले, फफूंदी, मक्खियां और खुले में पड़ा कचरा आम बात थी। नियामक ने इस स्थिति को विशेष रूप से खतरनाक माना, क्योंकि यह इकाई बच्चों द्वारा उपभोग किए जाने वाले हाई रिस्क हेल्थ सप्लीमेंट्स और न्यूट्रास्युटिकल्स बनाती है। ऐसी अस्वच्छ परिस्थितियाँ सीधे तौर पर छोटे बच्चों के स्वास्थ्य को गंभीर खतरे में डाल सकती थीं।

कार्यक्रम महत्वपूर्ण बैठकें 7 अगस्त और 10 अगस्त को आयोजित की जाएंगी

8वें वेतन आयोग की बैठकें अगस्त में, कर्मचारियों को मिली राहत

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए 8वें वेतन आयोग को लेकर एक महत्वपूर्ण अपडेट सामने आया है। आयोग ने दिल्ली में विभिन्न कर्मचारी संगठनों और पेंशनर्स यूनियनों के साथ आगामी बैठकों का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया है। ये महत्वपूर्ण बैठकें 7 अगस्त और 10 अगस्त, 2026 को आयोजित की जाएंगी, जिनमें केंद्रीय कर्मचारियों के वेतनमान, भत्तों और पेंशन से संबंधित विभिन्न सुझावों पर गहन चर्चा की जाएगी। इस घोषणा से देश के लगभग 1.19 करोड़ केंद्रीय कर्मचारी और पेंशनर्स को राहत मिली है, जो लंबे समय से आयोग की सिफारिशों का इंतजार कर रहे हैं। आयोग ने उन सभी कर्मचारी और पेंशनर्स संगठनों को एक और अवसर प्रदान किया है,

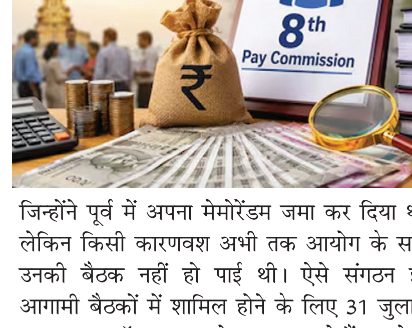

जिन्होंने पूर्व में अपना मेमोरेंडम जमा कर दिया था, लेकिन किसी कारणवश अभी तक आयोग के साथ उनकी बैठक नहीं हो पाई थी। ऐसे संगठन इन आगामी बैठकों में शामिल होने के लिए 31 जुलाई, 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करते समय उन्हें अपनी मेमो आईडी के साथ अपॉइंटमेंट की मांग करनी होगी। आयोग ने स्पष्ट किया है कि तय समय सीमा के बाद प्राप्त होने वाले अनुरोधों पर सीमित विचार किया जाएगा, इसलिए सभी संगठनों को निर्धारित तिथि से पहले प्रक्रिया पूरी करने की सलाह दी गई है। 8वें वेतन आयोग का मुख्य उद्देश्य केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए मौजूदा वेतन, भत्तों और पेंशन व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करना है। इस प्रक्रिया के तहत आयोग विभिन्न कर्मचारी संगठनों, यूनियनों और फेडरेशनों से सुझाव एकत्र कर रहा है। दिल्ली में होने वाली ये बैठकें इसी व्यापक विचार-विमर्श प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जहाँ कर्मचारी संगठन सीधे आयोग के समक्ष अपनी मांगों और सुझावों को प्रस्तुत कर सकेंगे।

220 बिस्तर अस्पताल मनेंद्रगढ़ ने रचा नया कीर्तिमान, तीन माह में 26 हजार से अधिक मरीजों का उपचार

स्वास्थ्य मंत्री एवं स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं को मिली नई पहचान, कुशल प्रबंधन से बढ़ा मरीजों का भरोसा

बिलासपुर

मनेंद्रगढ़, एमसीबी। 220 बिस्तर जिला अस्पताल मनेंद्रगढ़ लगातार बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराते हुए नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। अस्पताल प्रबंधन द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार अप्रैल, मई और जून 2026 के दौरान अस्पताल की विभिन्न ओपीडी में कुल 26,488 मरीजों ने उपचार प्राप्त किया। इनमें 21,526 नए मरीज तथा 4,962 पुनः उपचार (री-विजिट) के लिए पहुंचे मरीज शामिल हैं। यह आंकड़ा दर्शाता है कि मनेंद्रगढ़ का 220 बिस्तर अस्पताल अब न केवल एमसीबी जिले बल्कि आसपास के जिलों के मरीजों के लिए भी भरोसेमंद स्वास्थ्य केंद्र बन चुका है। अस्पताल से प्राप्त जानकारी के अनुसार अप्रैल माह में 9,079, मई में 8,240 तथा जून माह में 9,169 मरीजों का उपचार किया गया। तीन माह के दौरान सबसे अधिक मरीज जनरल ओपीडी, आयुर्वेद, ऑर्थोपेडिक, स्त्री एवं प्रसूति रोग, जनरल सर्जरी, मेडिसिन तथा फिजियोथेरेपी विभागों में पहुंचे। यह लगातार बढ़ते जनविश्वास और बेहतर चिकित्सा व्यवस्था का प्रमाण है।अस्पताल में मरीजों की बढ़ती संख्या का श्रेय स्वास्थ्य मंत्री एवं स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल के सतत प्रयासों को भी दिया जा रहा है। उनके मार्गदर्शन में अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता, आधुनिक सुविधाओं का विस्तार, बेहतर व्यवस्थापन और मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। यही कारण है कि अब मनेंद्रगढ़ अस्पताल में दूर-दराज़ क्षेत्रों सहित आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं।दरअसल कुशल प्रबंधन, विभागों के समन्वय और चिकित्सा अधिकारियों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की टीम भावना के कारण अस्पताल की कार्यप्रणाली अधिक व्यवस्थित और प्रभावी हुई है। ओपीडी संचालन, मरीजों के पंजीयन, उपचार एवं फॉलो-अप की बेहतर व्यवस्था ने लोगों का विश्वास मजबूत किया है।

220 बिस्तर अस्पताल की क्षमता के अनुरूप यह ओपीडी आंकड़ा उल्लेखनीय माना जा रहा है। उपलब्ध आंकड़े यह संकेत देते हैं कि इस श्रेणी के अस्पतालों की तुलना में मनेंद्रगढ़ अस्पताल में मरीजों की संख्या काफी अधिक है और यह क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूती को दर्शाता है। हालांकि, आसपास के जिलों के अस्पतालों के आधिकारिक तुलनात्मक आंकड़े उपलब्ध होने पर इस तुलना की औपचारिक पुष्टि की जा सकती है।

स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में मनेंद्रगढ़ अस्पताल की यह उपलब्धि न केवल जिले बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। स्थानीय नागरिकों ने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल तथा समस्त चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की अपेक्षा व्यक्त की है।

चिरमिरी की होनहार बेटी माही गुप्ता ने MBBS प्रवेश परीक्षा में 530 अंक हासिल कर बढ़ाया क्षेत्र का मान

स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने घर पहुंचकर दी बधाई, कहा— माही की सफलता पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणादायक

बिलासपुर

। चिरमिरी के बड़ी बाजार क्षेत्र की होनहार छात्रा सुश्री माही गुप्ता ने MBBS प्रवेश परीक्षा में 530 अंक प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। माही की सफलता पर स्थानीय विधायक एवं प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल उनके बड़ी बाजार स्थित निवास पहुंचे और उन्हें पुष्पगुच्छ एवं शुभकामनाएं देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने माही गुप्ता को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी मेहनत, लगन और समर्पण ने यह साबित कर दिया है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और निरंतर प्रयास किए जाएं तो सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने कहा कि माही की उपलब्धि केवल उनके परिवार की नहीं, बल्कि पूरे चिरमिरी क्षेत्र और प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

विधायक ने कहा कि माही जैसे प्रतिभाशाली विद्यार्थी समाज के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा बनते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि माही भविष्य में एक कुशल एवं संवेदनशील चिकित्सक बनकर समाज और देश की सेवा करेंगी।

उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि माही गुप्ता जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में निरंतर नई सफलताएं प्राप्त करें तथा अपने माता-पिता, क्षेत्र और देश का नाम रोशन करती रहें।

माही गुप्ता की इस सफलता पर उनके परिजनों, शिक्षकों, शुभचिंतकों एवं क्षेत्रवासियों ने भी हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

न्योता भोज से खिल उठीं नन्हीं मुस्कानें: अमृतधारा डीपीआरसी भवन में बच्चों के लिए सजा स्नेह और अपनत्व का उत्सव

बिलासपुर

एमसीबी ग्राम पंचायत लाई स्थित अमृतधारा डीपीआरसी भवन के सभाकक्ष में अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार एवं श्रीमती नम्रता डोंगरे, समस्त एसडीएम एवं समस्त तहसीलदारों की उपस्थिति में आज प्राथमिक शाला अमृतधारा के विद्यार्थियों के लिए न्योता भोज का आयोजन उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी 20 छात्र-छात्राओं ने आनंद और उत्साह के साथ सामूहिक भोजन किया। इस अवसर पर बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ दिखाई दिया तथा पूरे आयोजन में आत्मीयता, स्नेह और सामाजिक समरसता का वातावरण बना रहा। न्योता भोज का उद्देश्य बच्चों को पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनमें आपसी सहयोग, अनुशासन, समानता एवं सामूहिकता की भावना का विकास करना रहा। कार्यक्रम के दौरान सभी बच्चों ने एक साथ बैठकर भोजन ग्रहण किया, जिससे सामाजिक सद्भाव, सहभागिता और अपनत्व का प्रेरणादायी संदेश भी प्रसारित हुआ।

इस अवसर पर सीएसी दुर्गा प्रसाद जायसवाल, प्रधान पाठक श्रीमती संगीता सिंह, वीरेंद्र पाण्डेय सहित अधिकारी-कर्मचारी एवं विद्यालय परिवार उपस्थित रहे। सभी ने बच्चों के साथ आत्मीय संवाद करते हुए उन्हें नियमित विद्यालय आने, मन लगाकर अध्ययन करने, स्वच्छता अपनाने तथा पौष्टिक भोजन के महत्व के बारे में प्रेरित किया।

कार्यक्रम में बच्चों को स्वच्छ एवं व्यवस्थित वातावरण में गुणवत्तापूर्ण तथा स्वादिष्ट भोजन परोसा गया। भोजन ग्रहण करने के बाद विद्यार्थियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इस पहल की सराहना की। शिक्षकों ने भी कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में विद्यालय के प्रति अपनापन ब?ाने के साथ-साथ उनके शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कार के समन्वय से बेहतर समाज निर्माण का संकल्प दोहराया। न्योता भोज का यह आयोजन बच्चों के लिए एक यादगार अनुभव साबित हुआ तथा पूरे परिसर में उत्साह, आनंद और आत्मीयता का वातावरण बना रहा।

साइबर जागरूकता से सशक्त होंगी बेटियां: बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत ऑनलाइन सुरक्षा प्रशिक्षण का द्वितीय दिवस संपन्न

बालिकाओं को साइबर अपराध, महिला सुरक्षा, मानव तस्करी, विधिक अधिकार, डिजिटल साक्षरता एवं हेल्पलाइन सेवाओं की दी गई विस्तृत जानकारी

बिलासपुर

एमसीबी जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा भारत सरकार की लोकप्रिय योजना ÷बेटी बचाओ, बेटी पड़ाओ÷ के अंतर्गत ऑनलाइन सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता कार्यक्रम के द्वितीय दिवस का आयोजन शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोथारी में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक बनाना, डिजिटल दुनिया में सुरक्षित व्यवहार की जानकारी देना तथा महिला सुरक्षा, विधिक अधिकार एवं आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री संतन देवी जांगड़े के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा के मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक श्रीमती रत्ना सिंह के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र (हब), महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला मिशन समन्वयक श्रीमती तारा कुशवाहा द्वारा किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में इंटरनेट और सोशल मीडिया का उपयोग तेजी से बड़ा है। इसके साथ ही साइबर अपराधों की घटनाओं में भी वृद्धि हो रही है। ऐसे में विशेष रूप से बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए ऑनलाइन

सुरक्षा संबंधी जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है।

कार्यक्रम में पुलिस विभाग द्वारा बालिकाओं को साइबर अपराधों के विभिन्न स्वरूपों जैसे सोशल मीडिया फ्रॉड, फर्जी लिंक, ऑनलाइन ठगी, साइबर बुलिंग, फर्जी आईडी, ओटीपी धोखाधड़ी, डिजिटल ब्लैकमेल एवं ऑनलाइन शोषण से बचाव के उपायों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही किसी भी संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में तत्काल पुलिस एवं साइबर हेल्पलाइन से संपर्क करने की सलाह दी गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से श्रीमती अंजनी यादव ने बालिकाओं को उनके संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों की विस्तृत जानकारी देते हुए महिला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न कानूनों, साइबर सुरक्षा, बाल विवाह निषेध अधिनियम, महिलाओं एवं बालिकाओं के अधिकार तथा कानूनी सहायता की प्रक्रिया से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बालिका अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर समाज में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकती है।

कार्यक्रम में अजय विश्वकर्मा ने बालिकाओं के मध्य बढ़ रही मानव तस्करी की घटनाओं, उसके कारणों, पहचान के तरीकों तथा रोकथाम के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बालिकाओं से किसी भी प्रकार के प्रलोभन, झूठे रोजगार, शिक्षा अथवा विवाह के नाम पर होने वाले धोखाधड़ीपूर्ण प्रस्तावों से सतर्क रहने की अपील की तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना संबंधित विभाग एवं पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया।

जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र की जेंडर विशेषज्ञ सुश्री शैलजा गुप्ता ने महिलाओं एवं बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र के माध्यम से महिलाओं को एक ही स्थान पर एकीकृत सहायता सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। उन्होंने महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास, स्वरोजगार, डिजिटल साक्षरता, स्वास्थ्य, पोषण एवं आत्मनिर्भरता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी तथा बालिकाओं को अपने कौशल का विकास कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

वित्तीय साक्षरता एवं समन्वय विशेषज्ञ श्रीमती अनीता कुमारी शाह ने बालिकाओं को विभिन्न महत्वपूर्ण हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी आपातकालीन स्थिति में महिला हेल्पलाइन 181, साइबर हेल्पलाइन 1930 तथा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर तत्काल संपर्क कर सहायता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने डिजिटल लेन-देन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, वित्तीय सुरक्षा एवं साइबर धोखाधड़ी से बचाव के उपायों की भी जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने साइबर सुरक्षा, महिला अधिकार, डिजिटल सुरक्षा एवं कानूनी सहायता से जुड़े विषयों पर विशेषज्ञों से प्रश्न पूछे, जिनका विस्तारपूर्वक समाधान किया गया। विशेषज्ञों ने बालिकाओं को सोशल मीडिया का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करने, अपनी व्यक्तिगत जानकारी किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने तथा किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी अथवा उत्पीड़न की स्थिति में बिना संकोच संबंधित विभागों को सूचना देने के लिए प्रेरित किया।

अवैध कोयले का काला कारोबार और 52 परी का अड्डा: आखिर कैसे काम करता है राय सिंडिकेट का गुप्त नेटवर्क

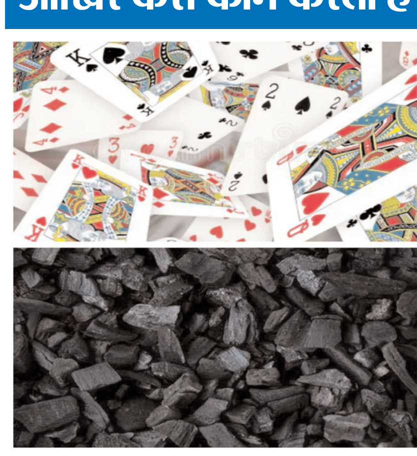

बिलासपुर

नागपुर, बरबसपुर और उजियारपुर क्षेत्र के सीमावर्ती इलाकों में इन दिनों सिर्फ एक ही नाम की गूंज और दहशत है—अंकि राय। सूत्रों से मिली पक्की जानकारियों के मुताबिक, इस पूरे इलाके में अंकि राय ने एक ऐसा मजबूत और संगठित सिंडिकेट तैयार कर लिया है, जो समानांतर साम्राज्य की तरह चल रहा है। गुप्त ठिकानों पर जहाँ एक तरफ 52 परी (जुआ) की बड़ी-बड़ी महफिलें सज रही हैं, वहीं दूसरी तरफ रातों-रात प्राकृतिक संसाधन (कोयले) की अवैध निकासी कर उसे बाहरी बाजारों में सप्लाई किया जा रहा है।

52 परी का चक्रव्यूह:*गुर्गों की फौज और हाई-टेक नेटवर्क

अंदरूनी सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों का खुलासा है कि अंकि राय का यह जुआ नेटवर्क बेहद शातिर और कई परतों में काम करता है-

विशेष रिसेप्शन सिंडिकेट- अंकि राय के खास गुर्गे नागपुर और आसपास के मुख्य मार्गों पर मुस्तैद रहते हैं। बाहरी क्षेत्रों और पड़ोसी जिलों से आने वाले बड़े खिलाड़ियों को अपनी गाड़ियों में बैठाकर बेहद गुप्त और सुनसान जगहों (फार्महाउसों और जंगलों) तक पहुँचाया जाता है।

त्रिस्तरीय घेराबंदी और कोड-वर्ड्स:

खेल के ठिकानों से 2 से 3 किलोमीटर दूर तक अंकि राय के वफादार वॉचर्स (मुखबिर) तैनात रहते हैं। इनके पास अत्याधुनिक संचार साधन और कोड-वर्ड्स होते हैं। किसी भी अनजान वाहन या व्यक्ति की हलचल होते ही कोड-वर्ड्स के जरिए अंदर खबर भेजी जाती है और पूरा सेटअप सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कर दिया जाता है।

लाखों की नाल (कमीशन)

सूत्रों के अनुसार, हर रात सजने वाले इन फड़ों पर लाखों-करोड़ों के दांव लगते हैं, जिससे अंकि राय के खाते में सीधे तौर पर भारी-भरकम नाल का मुनाफा जमा होता है।

काले सोने (कोयले) का तस्कर नेटवर्क: रातों-रात निकासी

52 परी के खेल के साथ-साथ उजियारपुर और बरबसपुर के इलाकों से बड़े पैमाने पर अवैध कोयले का कारोबार भी अंकि राय के इशारे पर चल रहा है-

अवैध मुहानों से जंगलो से कटाई:

सूत्रों का दावा है कि बंद पड़ी खदानों और अवैध रूप से खोदे गए मुहानों से रात के अंधेरे में अवैध कोयला निकाला जाता है।

बाहरी मंडियों में डिलीवरी:

बिना किसी वैध दस्तावेजों और परमिट के, इस कोयले को भारी वाहनों जेसीबी और ट्रकों के जरिए बाहरी ईंट-भट्ठों और मंडियों में औने-पौने दामों में खपाया जा रहा है।

क्षेत्र में दहशत: विरोध की गुंजाइश खत्म!

स्थानीय सूत्रों की मानें तो नागपुर, बरबसपुर और उजियारपुर में अंकि राय के नाम का खौफ इस कदर हावी है कि आम लोग उसके खिलाफ बोलने की हिम्मत नहीं कर पाते।

गुर्गों की सख्त निगरानी:

इलाके के मुख्य चौराहों और गुप्त ठिकानों के आसपास अंकि राय के हथियारबंद और दबंग गुर्गे घूमते रहते हैं।

सीधी धमकी- यदि कोई स्थानीय व्यक्ति या राहगीर इन अवैध गतिविधियों की सुगबुगाहट भी करता है, तो उसके गुर्गे तुरंत हरकत में आकर उसे अंजाम भुगतने की धमकी देते हैं।

जल संरक्षण की मिसाल बनी 18वीं विशेष भारत रक्षित वाहिनी- स्टॉप डैम में संचित हुआ हजारों घनमीटर वर्षा जल

पर्यावरण संरक्षण के साथ स्वास्थ्य संवर्धन की अनूठी पहल, 2100 से अधिक पौधों को मिलेगा संजीवनी, 26 जुलाई को होगा विशेष फिटनेस एवं जुम्बा सत्र

बिलासपुर

एमसीबी 18वीं विशेष भारत रक्षित वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, चैनपुर जिला एमसीबी द्वारा बीते छह माह से जल संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन की दिशा में किए जा रहे सतत प्रयास अब वर्षा ऋतु में सार्थक परिणाम देने लगे हैं। वाहिनी परिसर में निर्मित स्टॉप डैम में वर्षा जल का भरपूर संचयन होने से न केवल भू-जल स्तर में वृद्धि की संभावना मजबूत हुई है, बल्कि परिसर में लगाए गए हजारों पौधों के संरक्षण के लिए भी पर्याप्त जल उपलब्ध हो गया है। वाहिनी के कमांडिंग ऑफिसर संजय शर्मा के नेतृत्व में राजपत्रित अधिकारी के.सी. मिंज, अविनाश अग्निहोत्री, देवनारायण सिंह सहित अन्य अधिकारियों एवं जवानों के सामूहिक प्रयासों से जल संरक्षण की यह अभिनव पहल सफल होती दिखाई दे रही है। अधिकारियों एवं जवानों द्वारा बनाए गए स्टॉप डैम के माध्यम से लगभग 90 मीटर लंबे एवं 12 मीटर चौ? नाले में 6 से 8 फीट की गहराई तक लगभग 3000 घनमीटर वर्षा जल का संचयन हो चुका है। इस जल संचयन से क्षेत्र में भू-जल स्तर बढ़ने की संभावना के साथ-साथ गर्मी के मौसम में भी वाहिनी परिसर में लगाए गए 2100 से अधिक पौधों के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। यह पहल जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक अनुकरणीय उदाहरण बनकर उभरी है। वाहिनी परिसर को और अधिक आकर्षक एवं हरित बनाने के उद्देश्य से

स्टॉप डैम के दोनों किनारों पर एकत्रित उपजाऊ मिट्टी का उपयोग करते हुए विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में 卐फ्लावर वैली卐 विकसित की जा रही है। इसके अंतर्गत लगभग 25 प्रजातियों के 200 से अधिक रंग-बिरंगे फूलों के पौधों का रोपण किया गया है। इसके विकसित होने से यह क्षेत्र न केवल वाहिनी परिसर में निवासरत परिवारों के लिए, बल्कि आगंतुकों के लिए भी एक सुंदर एवं दर्शनीय स्थल के रूप में विकसित होगा। जल संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन के साथ-साथ 18वीं विशेष भारत रक्षित वाहिनी स्वास्थ्य संवर्धन के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य कर रही है। स्थानीय सुरभि पार्क में पतंजलि योग समिति के सहयोग से नियमित रूप से फिटनेस सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 30वां फिटनेस सत्र रविवार, 26 जुलाई 2026 को प्रातः 5-30 बजे से 8-00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। इस विशेष सत्र में रायपुर से आने वाले स्वास्थ्य एवं फिटनेस विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को एरोबिक्स एवं जुम्बा का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। वाहिनी ने अधिक से अधिक नागरिकों से इस स्वास्थ्यवर्धक कार्यक्रम में भाग लेकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान

अंतर जिला विधायक कप डे-नाइट फुटबॉल प्रतियोगिता 2026-27 का फाइनल आज, खेल प्रेमियों में उत्साह

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल होंगे मुख्य अतिथि, अमरकुंज क्रीड़ा स्थल डोमनहिल में शाम 5 बजे होगा भव्य समापन समारोह

बिलासपुर

चिरमिरी के अमरकुंज क्रीड़ा स्थल, डोमनहिल में आयोजित अंतर जिला विधायक कप डे-नाइट फुटबॉल प्रतियोगिता 2026-27 का भव्य फाइनल एवं समापन समारोह शनिवार, 25 जुलाई को शाम 5-00 बजे आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता के समापन को लेकर खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों एवं क्षेत्रवासियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री एवं स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर रामनरेश राय करेंगे।

समारोह में जिला भाजपा अध्यक्ष श्रीमती चंपादेवी पावले, नगर निगम चिरमिरी के सभापति संतोष सिंह, एसईसीएल चिरमिरी क्षेत्र के मुख्य महाप्रबंधक बसंत विजय सिंधुर, भाजपा मंडल अध्यक्ष पुरुषोत्तम सोनकर, एसईसीएल कुरासिया के उप क्षेत्रीय प्रबंधक मयंक कुमार, विधायक प्रतिनिधि राजू नायक, पूर्व महापौर डमरू बहरा, जिला फुटबॉल संघ एमसीबी के कार्यवाहक सचिव कंचन पाल तथा पार्षद संजीत सिंह

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। आयोजकों के अनुसार प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खेल भावना, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रतिभा का परिचय दिया है। फाइनल मुकाबले के बाद विजेता एवं उपविजेता टीमों के साथ उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा। समापन समारोह को भव्य और यादगार बनाने की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। स्वास्थ्य मंत्री एवं स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने और खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं के व्यक्तित्व विकास, अनुशासन और स्वस्थ समाज के निर्माण का सशक्त माध्यम हैं तथा इस प्रकार की प्रतियोगिताएं क्षेत्र की नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती हैं।

आयोजकों ने सभी खेल प्रेमियों, नागरिकों एवं युवाओं से अपील की है कि वे 25 जुलाई, शाम 5 बजे अमरकुंज क्रीड़ा स्थल, डोमनहिल पहुंचकर फाइनल मुकाबले और समापन समारोह के साक्षी बनें तथा खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाएं।

हरदा में किसान महाचौपाल को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने किया संबोधित, कहा किसानों के हक़ पर कोई समझौता नहीं होगा

सिवनी

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी ने आज हरदा, सिवनी मालवा, नर्मदापुरम और इटारसी की मंडियों का दौरा कर मूंग खरीदी न होने से परेशान किसानों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। इसके पश्चात उन्होंने सिवनी मालवा में आयोजित ट्रैक्टर रैली में शामिल होकर प्रदेशभर के किसानों के हक़, सम्मान और उनकी फसलों के उचित मूल्य की लड़ाई को और मजबूत करने का संकल्प दोहराया।

किसान महाचौपाल एवं %हल्ला बोल% आंदोलन को संबोधित करते हुए श्री पटवारी ने कहा कि प्रदेश का किसान आज दोहरी मार झेल रहा है। एक ओर केंद्र सरकार की अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील किसानों के भविष्य पर संकट खड़ा कर रही है, वहीं दूसरी ओर प्रदेश सरकार की किसान विरोधी नीतियां किसानों को बर्बादी की ओर धकेल रही हैं।

उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ हुआ व्यापार समझौता आने वाले समय में किसानों की आय, फसलों के दाम और खेती-किसानी पर गंभीर प्रभाव डालेगा। मध्य प्रदेश के मक्का, सोयाबीन, गेहूं, डेयरी और अन्य कृषि उत्पादों से जुड़े किसान इसका सबसे अधिक नुकसान उठाएंगे। उन्होंने कहा कि किसान किसी राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि देश का अन्नदाता होता है और कांग्रेस इस विषय को राजनीति नहीं, बल्कि किसानों के अस्तित्व और भविष्य का प्रश्न मानती है।

श्री पटवारी ने कहा कि कांग्रेस द्वारा प्रारंभ किया गया यह जनआंदोलन प्रदेश के प्रत्येक किसान को इस ट्रेड डील के दूरगामी परिणामों से अवगत कराने और किसानों को उनके अधिकारों की लड़ाई के लिए एकजुट करने का अभियान है। कांग्रेस किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होने देगी तथा इस मुद्दे पर सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष जारी रखेगी।

उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश के मूंग उत्पादक किसान आज खून के आंसू रोने को मजबूर हैं। सरकार द्वारा प्रति एकड़ केवल सवा क्विंटल मूंग खरीदने का निर्णय पूरी तरह अन्यायपूर्ण, किसान विरोधी और तानाशाहीपूर्ण है। कांग्रेस की मांग है कि मूंग की खरीदी पूर्व की व्यवस्था के अनुसार बिना किसी भेदभाव और पर्याप्त मात्रा में सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को उनकी उपज का पूरा लाभ मिल

श्री पटवारी ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि 3 अगस्त 2026 तक मूंग खरीदी को लेकर किसानों के हित में उचित निर्णय नहीं लिया गया, तो प्रदेशभर के किसान सड़कों पर उतरेंगे और कांग्रेस पार्टी किसानों के साथ मिलकर पूरे मध्य प्रदेश में व्यापक चक्का जाम आंदोलन करेगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

इस अवसर पर संगठन उपाध्यक्ष श्री सुखदेव पांसे, विधायक श्री आर.के. दोगने, किसान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र सिंह चौहान, जिला कांग्रेस प्रभारी श्रीमती रचना जैन, जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री मोहन साईं, वरिष्ठ नेता श्री लक्ष्मीनारायण पंवार, श्री बंटू गुर्जर, पूर्व प्रदेश प्रवक्ता श्री आनंद जाट सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने दिया इस्तीफा, कैबिनेट में बड़े फेरबदल के संकेत

नई दिल्ली। केंद्र सरकार में रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। जॉर्ज कुरियन के बाद पिछले एक महीने में यह मोदी सरकार का दूसरा बड़ा इस्तीफा माना जा रहा है। इससे केंद्रीय मंत्रिमंडल में संभावित बदलावों को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं।

सूत्रों के अनुसार, भाजपा अगले वर्ष होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव को देखते हुए रवनीत सिंह बिट्टू को राज्य में बड़ी जिम्मेदारी सौंप सकती है। माना जा रहा है कि पार्टी पंजाब में अपनी रणनीति को मजबूत करने की तैयारी में जुटी है।

उधर, नीट परीक्षा विवाद को लेकर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग भी लगातार उठ रही है। ऐसे में राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि केंद्र सरकार जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल में व्यापक फेरबदल कर सकती है। हालांकि, सरकार की ओर से अभी तक किसी भी संभावित फेरबदल को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

नोट÷ यदि यह खबर प्रकाशित करनी है, तो पहले इसकी आधिकारिक पुष्टि अवश्य कर लें। यदि यह केवल सोशल मीडिया या सूत्रों के आधार पर है, तो उसे तथ्य के रूप में नहीं बल्कि ÷सूत्रों के अनुसार÷ या ÷चर्चा है कि...÷ के रूप में ही प्रकाशित करें।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल के समक्ष बसपा के सेवड़ा से पूर्व प्रत्याशी श्री लाखन सिंह यादव सहित कांग्रेस, बसपा के सैकड़ों जनप्रतिनिध व कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

दतिया। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक श्री हेमंत खण्डेलवाल के समक्ष शुक्रवार को दतिया चुनाव कार्यालय में बसपा के सेवड़ा से पूर्व प्रत्याशी श्री लाखन सिंह यादव सहित कांग्रेस, बसपा के जनप्रतिनिधि एवं सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल ने पार्टी का अंगवस्त्र पहनाकर सभी का भाजपा परिवार में स्वागत किया एवं मुंह मीठा कराकर शुभकामनाएं दी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल ने भाजपा में शामिल हुए सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि दतिया की जनता अपने क्षेत्र का निरंतर विकास, समाज का सम्मान और प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा चाहती है। इन तीनों अपेक्षाओं को पूरा करने का सामर्थ्य केवल भारतीय जनता पार्टी के पास है। भाजपा केवल वर्तमान की नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य की भी चिंता करती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। इसी विकास यात्रा को दतिया में आगे बढ़ाने का कार्य भाजपा प्रत्याशी श्री आशुतोष तिवारी करेंगे। भाजपा सरकार ने विकास और जनकल्याण को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और यही विश्वास

- विकासवादी नीतियों से प्रभावित होकर विभिन्न दलों के नेता भाजपा में हो रहे हैं शामिल

- क्षेत्र का विकास, सम्मान और सुरक्षा की गारंटी भाजपा ही दे सकती हैः श्री हेमंत खण्डेलवाल

जनता को भाजपा के साथ जोड़ रहा है। इस दौरान संभाग प्रभारी श्री अभय सिंह यादव, पूर्व मंत्री श्रीमती इमरती देवी, अपेक्स बैंक के प्रशासक श्री महेन्द्र सिंह यादव, जिला अध्यक्ष श्री रघुवीर सिंह कुशवाह, पूर्व सांसद श्री अशोक अर्गल, पूर्व मंडी अध्यक्ष श्री राम यादव एवं पूर्व जिला अध्यक्ष श्री जगदीश यादव मंचासीन रहे।

दतिया में विकास और विश्वास का नया अध्याय लिखेगी भाजपा

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मान, समर्पण और संगठन की भावना पर चलने वाला दल है। पार्टी में प्रत्येक कार्यकर्ता को उसकी क्षमता और योगदान के अनुरूप सम्मान एवं अवसर मिलता है। विभिन्न दलों से बड़ी संख्या में लोगों का भाजपा से जुड़ना इस बात का प्रमाण है कि जनता और कार्यकर्ताओं का विश्वास भाजपा की विकासवादी राजनीति पर लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे घर-घर जाकर भाजपा की नीतियों, सरकार की उपलब्धियों और विकास कार्यों को जनता तक पहुंचाएं तथा भाजपा प्रत्याशी श्री आशुतोष तिवारी को ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाएं। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के समर्पण और जनता के आशीर्वाद से दतिया में भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत से विजय प्राप्त कर विकास, विश्वास और जनसेवा का नया अध्याय लिखेगी।

इन्होंने की पार्टी की सदस्यता ग्रहण

भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने वालों में डॉ. अमित यादव, वरिष्ठ नेता श्री बलवीर यादव, श्री राघवेन्द्र सिंह यादव, श्री सोनू पटैल, भांडेर मुरगुवा सरपंच श्री उपेन्द्र यादव, श्री जगमोहन रावत, यादव महासभा के जिला उपाध्यक्ष श्री सूर्यकांत यादव, वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्री शत्रुघ्न यादव, जनपद सदस्य श्री विवेक बघेल, पूर्व जिला अध्यक्ष सपा एवं सेवड़ा व भाण्डेर प्रत्याशी श्री नरेश कठेरिया, बसपा से श्री मोहित मावई, सरपंच श्री मोनू यादव, कांग्रेस जनपद सदस्य श्री मिथलैश उचारिया, श्री जगमोहन दुबे सहित सैकड़ों नेता शामिल है।

दिल्ली में छात्राओं के साथ कथित पुलिस हिंसा पर कांग्रेस का हमला, दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के इंदिरा भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में महिला कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षा शोभा ओझा ने दिल्ली में छात्र आंदोलन के दौरान छात्राओं के साथ कथित पुलिस हिंसा और दुर्व्यवहार की कड़ी निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान महिलाओं और छात्राओं के साथ हुई कथित घटनाओं ने देश को शर्मसार किया है।

शोभा ओझा ने कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर बल प्रयोग किया गया और छात्राओं के साथ कथित अश्लील व अमानवीय व्यवहार किया गया। उन्होंने मांग की कि ऐसे सभी पुलिसकर्मियों की तत्काल पहचान कर उन्हें बर्खास्त किया जाए तथा उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ÷नारी सम्मान÷ और ÷बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ÷ जैसे नारे वास्तविकता से मेल नहीं खाते। उनका आरोप था कि महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर सरकार पूरी तरह विफल रही है।

मध्य प्रदेश का उल्लेख करते हुए ओझा ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में प्रतिदिन औसतन 20 बलात्कार, 33 महिलाओं के अपहरण तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति की महिलाओं के खिलाफ बड़ी संख्या में अपराध दर्ज हो रहे हैं। उन्होंने एनसीआरबी के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि महिला अपराधों के मामलों में मध्य प्रदेश शीर्ष राज्यों में शामिल है। उन्होंने प्रदेश सरकार पर भी सवाल उठाते हुए मंत्री विजय शाह को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग दोहराई और कहा कि महिलाओं के सम्मान की बात करने वाली सरकार को इस मामले में स्पष्ट जवाब देना चाहिए।

शोभा ओझा ने कहा कि कांग्रेस छात्रों की मांगों के साथ खड़ी है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे, दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान कथित हिंसा के जिम्मेदार पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई तथा छात्राओं के साथ कथित दुर्व्यवहार करने वालों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की मांग की। पत्रकार वार्ता के अंत में उन्होंने कहा कि यदि दोषियों के विरुद्ध निष्पक्ष और कठोर कार्रवाई नहीं होती है तो सरकार के महिला सुरक्षा संबंधी दावों पर गंभीर सवाल खड़े होंगे।

NEET पेपर लीक पर पीएम मोदी का बड़ा ऐलान, फास्ट-ट्रैक कोर्ट और कड़े कानून का बिल जल्द संसद में

नई दिल्ली। NEET पेपर लीक मामले पर देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पेपर लीक जैसी घटनाएं लाखों विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के लिए बेहद पीड़ादायक होती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार इस मामले को हल्के में लेने वालों में से नहीं है और दोषियों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि पिछले ढाई महीनों में पेपर लीक प्रकरण में कई अहम कदम उठाए गए हैं। मामले से जुड़े आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। साथ ही सरकार ने पूरी ताकत के साथ यह सुनिश्चित किया कि लगभग 22 लाख विद्यार्थियों की परीक्षा कम से कम समय में संपन्न हो सके। उन्होंने बताया कि 19 तारीख को परीक्षा परिणाम भी घोषित कर दिए गए हैं और देशभर से सफल विद्यार्थियों की खुशी की खबरें सामने आ रही हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि सरकार केवल कार्रवाई कर संतुष्ट होने वाली नहीं है। उन्होंने बताया कि फास्ट-ट्रैक कोर्ट और पेपर लीक जैसे अपराधों के लिए कठोर सजा का प्रावधान करने वाले विधेयक का मसौदा तैयार कर लिया गया है। इस मसौदे पर अगले दिन केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में चर्चा होगी। कैबिनेट के सुझावों के बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि संसद के दूसरे सप्ताह की शुरुआत से ही इस विधेयक को जल्द-से-जल्द सदन में प्रस्तुत कर पारित कराने का प्रयास किया जाएगा, ताकि भविष्य में पेपर लीक जैसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई जा सके और दोषियों को शीघ्र एवं कड़ी सजा मिल सके।

उन्होंने देश के विद्यार्थियों और अभिभावकों को भरोसा दिलाया कि सरकार परीक्षा प्रणाली की पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए हर आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

दतिया में भाजपा की जीत तय, कांग्रेस को प्रत्याशी तक नहीं मिल रहाः विश्वास सारंग

यूसीसी को बताया समय की जरूरत, कांग्रेस पर गुटबाजी का लगाया आरोप

भोपाल। प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने दतिया उपचुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी की जीत का दावा करते हुए कहा कि दतिया में भाजपा प्रचंड बहुमत से चुनाव जीतेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को चुनाव लड़ने के लिए प्रत्याशी तक नहीं मिल रहा है और पार्टी के नेता भी यह मान चुके हैं कि दतिया में भाजपा की जीत तय है। सारंग ने कहा कि जनता का समर्थन भाजपा के साथ है और दतिया में कमल खिलना निश्चित है। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर मंत्री सारंग ने कहा कि देश में अब धर्म के आधार पर अलग-अलग कानूनों की व्यवस्था नहीं चल सकती। उनके अनुसार यूसीसी वर्तमान और भविष्य दोनों की आवश्यकता है तथा कई राज्यों ने भी इस दिशा में कदम बढ़ाए हैं। राम मंदिर चंदा चोरी मामले को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की प्रस्तावित यात्रा पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री सारंग ने कांग्रेस की आंतरिक राजनीति पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में गुटबाजी और आपसी खींचतान चरम पर है। कभी दिग्विजय सिंह को सार्वजनिक रूप से असहज किया जाता है तो कभी उनके कार्यक्रमों का ही विरोध होता है। उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह के कार्यक्रम के बहिष्कार का फैसला कांग्रेस का अंदरूनी मामला है, लेकिन इससे पार्टी की स्थिति स्पष्ट हो रही है।

संभावित हेडलाइन विकल्पः

दतिया में भाजपा की प्रचंड जीत होगी, कांग्रेस को उम्मीदवार नहीं मिल रहाः सारंग

यूसीसी देश की जरूरत, कांग्रेस गुटबाजी में उलझीः विश्वास सारंग

दतिया उपचुनाव पर सारंग का दावा–भाजपा की जीत तय, कांग्रेस बैकफुट पर

भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर में सेशन जजों को सौंपी जिम्मेदारी, नई व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू।

जबलपुर

जबलपुर। मध्य प्रदेश में पेपर लीक और परीक्षा संबंधी गड़बड़ियों के मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने बड़ा कदम उठाया है। हाईकोर्ट ने भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर में चार फास्ट ट्रैक कोर्ट गठित करने का नोटिफिकेशन जारी किया है। नई व्यवस्था शुक्रवार से प्रभावी हो गई है।

इन विशेष अदालतों में पब्लिक एग्जामिनेशन एक्ट, 2024 के तहत दर्ज होने वाले मामलों की सुनवाई प्राथमिकता के आधार पर की जाएगी, जिससे पेपर लीक और परीक्षा में अनियमितता से जुड़े मामलों का शीघ्र निपटारा हो सके।

हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार, भोपाल में सेशन जज प्रवीण पटेल, इंदौर में शुभद्रा सिंह, जबलपुर में आनंद कुमार सेहलाम तथा ग्वालियर में विशाल अखंड को फास्ट ट्रैक कोर्ट का दायित्व सौंपा गया है।हाईकोर्ट ने इस संबंध में जारी अधिसूचना की प्रति राज्य के विधि विभाग को भी भेज दी है। माना जा रहा है कि इस पहल से परीक्षा संबंधी अपराधों के मामलों में तेजी से सुनवाई होगी, दोषियों के खिलाफ समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित होगी और भर्ती व प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता को मजबूती मिलेगी।

ग्रामीण विकास योजनाओं में लापरवाही पर जिला पंचायत सीईओ की बड़ी कार्रवाई

दो पंचायत सचिव निलंबित, दो ग्राम रोजगार सहायकों को कार्य से विरत कर जांच के आदेश

सीधी ।पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी द्वारा गुरुवार को जनपद पंचायत मझौली के सभाकक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजनाओं की प्रगति अपेक्षानुरूप नहीं पाए जाने पर लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की गई।समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, एक बगिया मां के नाम सहित विभिन्न ग्रामीण विकास योजनाओं की ग्राम पंचायतवार प्रगति का परीक्षण किया गया। समीक्षा में ग्राम पंचायत डागा एवं ग्राम पंचायत दादर की प्रगति सबसे निम्न स्तर पर पाए जाने पर संबंधित सचिवों के प्रति गंभीर नाराजगी व्यक्त की गई।मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने आदेश जारी कर ग्राम पंचायत डागा के सचिव रतनलाल केवट तथा ग्राम पंचायत दादर के सचिव चिंतामणि पनिका को शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं में अत्यंत खराब प्रगति के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।इसके साथ ही ग्राम पंचायत डागा के ग्राम रोजगार सहायक सूर्य प्रकाश शुक्ला तथा ग्राम पंचायत दादर के ग्राम रोजगार सहायक प्रदीप सिंह को शासकीय कार्य से विरत करते हुए उनके विरुद्ध संक्षिप्त जांच के आदेश जारी किए गए।

मोटापा एक मानसिक रोग

अधिक वजन वाले लोग ज्यादा खाना खाते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि वे ओवर–ईटर हैं, क्योंकि अपने शरीर के हिसाब से वह सही कैलोरीज ले रहे होते हैं...

अक्सर मेदोरोग के आनुवांशिक कारणों का सामंजस्य स्वाभाविक कारणों से किया जाता है। चय–उपचय क्रिया तथा मेद की वृद्धि आनुवांशिक तौर पर निर्भर करती है। शारीरिक कर्म व खानपान की आदत हमारे जींस पर निर्भर करती है। मानसिक तौर पर लोग मोटापे को लेकर इतना सचेत नहीं होते हैं। जिस वजह से इस बीमारी का ठीक से इलाज संभव नहीं होता।

मोटापे के कारण

खानपान की गलत आदतें : अक्सर देखा जाता है

कि अधिक वजन वाले लोग ज्यादा खाना खाते हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि वे ओवर–ईटर हैं, क्योंकि वे शरीर के अनुपात में सही कैलोरीज़ लेते हैं। इनमें खाने की मात्रा से ज्यादा खाद्यपदार्थों के चयन में अधिक गलती देखी जाती है।

टी.वी. देखते हुए या गॉसिप करते हुए चिप्स, स्नैक्स खाना मोटापे का एक कारण है। इसे 'बिंज इटिंग डिस्ऑर्डर' कहते हैं।

कुछ लोग नकारात्मक ख्यालों के दायरे में कुछ अधिक खाना खा लेते हैं। अक्सर विद्यार्थी वर्ग में देखा जाता है कि वे देर रात तक पढ़ते हैं। इस वजह से वे रात को ज्यादा खाते हैं। इससे भी मोटापा होता है। इसको 'नाइट इटिंग सिंड्रोम' कहते हैं।

सेहत समस्याएं : निद्रा में विकार, सोते समय सांस लेने में तकलीफ, हाथ, पैरों, पीठ, कमर में दर्द और बेचैनी, मानसिक तनाव व अवसाद।

क्या करना चाहिए ?

- सुबह उठते ही आधे घंटे से एक घंटे तक ब्रिस्क वॉक व एक्सरसाइज करें।
- रोजाना 2.5 से 3 लीटर तक पानी पीएं। गर्मियों में 4 लीटर पानी पीना चाहिए।
- खाने में लस्सी लें, इससे भूख कम लगती है।
- दो चम्मच नींबू के रस और दो चम्मच शहद पानी के साथ लें।
- भोजन के बाद एक गिलास गुनगुना पानी पीएं।
- अदरक, इलायची, काली मिर्च वजन घटाने में लाभकारी हैं। इनका सेवन करें।
- खाने में फल व सब्जी का अधिक प्रयोग करें।
- रोज एक टमाटर खाएं। पुदीने का प्रयोग करें।
- पनीर, मक्खन और घी का कम सेवन करें।
- चावल की बजाय रोटी खाएं।
- कच्ची गोभी का सेवन अधिक फैट बनने से रोकता है।

क्या नहीं करना चाहिए ?

- एक बार में ज्यादा न खाएं। बार–बार थोड़ा–थोड़ा खाते रहें, ताकि कम कैलोरी शरीर में जाएं और उसे पचने के लिए पर्याप्त समय मिले।
- देर रात तक पढ़ने या काम करने से बचना चाहिए।
- टी.वी. देखते वक्त या गॉसिप करते समय चिप्स, स्नैक्स आदि न खाएं।
- चाय, कॉफी, चॉकलेट, आइसक्रीम, नशीले पदार्थ, कोल्डड्रिंक्स, नमक, आलू एवं तली हुई चीजों से दूरी

हेल्थ प्लस

बनाएं।

- मानसिक तनाव व अवसाद से बचें।

डॉक्टर की सलाह

स्वभाव में बदलाव लाना और सही खाद्य पदार्थ का चयन करना किसी भी वेट लॉस प्रोग्राम का महत्वपूर्ण अंग है। मरीज को समझाना चाहिए कि उसका शरीर बहुत अजीब लगता है और भविष्य में उसे बेहद तकलीफ देने वाला है। मोटापे के कारण कुछ ऐसे रोग भी हो सकते हैं, जो जानलेवा हैं, जैसे हाई ब्लड प्रैशर, डायबिटीज। इसके लिए उन्हें साइकोडायनैमिक बिहेवियर थैरेपी देनी चाहिए। यह इस तरीके से करनी चाहिए, ताकि मरीज को डिप्रैशन या एंग्जायटी ना हो। बेहतर है कि उसे किसी मनोचिकित्सक के पास ले जाएं, क्योंकि उपाय तो सभी जानते हैं, पर उनका पालन बहुत कम लोग करते हैं।

मनोचिकित्सक ही मरीज को ठीक से समझ सकते हैं, जोकि लंबे समय तक वेट लॉस प्रोग्राम को चलाने में उन्हें प्रेरणा देते रहेंगे। बिंज इटिंग डिस्ऑर्डर और नाइट इटिंग सिंड्रोम दोनों ही मानसिक रोग हैं। इसलिए इनका इलाज मनोचिकित्सक से ही करवाना चाहिए। इसके अलावा बॉडी इमेज थैरेपी प्रोग्राम भी लाभकारी है। जिसमें मोटे लोग कैसे अपने आप को देखते हैं व क्या सोचते हैं, इस पर मनोचिकित्सक ध्यान देता है।

हंसने से होगा हार्ट हैल्दी

हमेशा से माना जाता रहा है कि हंसना हजार बीमारियों का इलाज है। ताजा स्टडी में वैज्ञानिकों को मिले नतीजे भी इसी बात की पुष्टि करते हैं कि हैल्दी हार्ट के लिए खूब हंसना चाहिए। शोधकर्ताओं ने दावा किया है कि एक दिन में मात्र 30 मिनट तक ठहाके लगाने से आपका दिल स्वस्थ रह सकता है। ऐसा भी जरूरी नहीं है कि ये ठहाके एक साथ लगाए जाएं, लेकिन नियमित अंतराल पर हंसना भी हार्ट से जुड़ी बीमारियों के खिलाफ एक बड़ी दवा का काम कर सकता है।

रिसर्चर्स ने हाई रिस्क डायबीटीज के 20 मरीजों को दो ग्रुपों में बांट दिया। एक ग्रुप को एक साल तक रोजाना दवाई के अलावा 30 मिनट तक हंसी–मजाक की गतिविधियों में हिस्सा लेने दिया गया, जबकि दूसरे ग्रुप को सिर्फ मैडिसिन ही दी गईं।

दो महीने बाद स्टडी में पाया गया कि हंसने वाले मरीजों में एपीनैफरीन और नोरेपिनएफरिन स्ट्रैस हार्मोन के स्तर में कमी आई। 12 महीने बाद देखा गया कि हंसने वाले ग्रुप में एचडीएल कोलेस्ट्रॉल यानी फायदेमंद कोलेस्ट्रॉल में 26 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जबकि दूसरे ग्रुप में यह बढ़त महज तीन फीसदी देखी गई। हंसने वाले ग्रुप में दिल की बीमारी से जुड़े सी–रिएक्टिव प्रोटीन में भी 66 फीसदी की कमी आई।

सुंदर त्वचा के लिए नीम

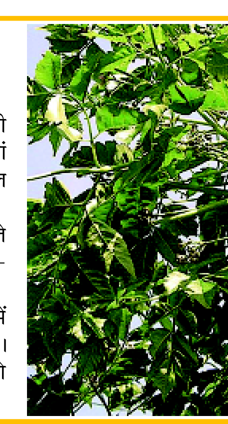

नीम विकृत पित्त व कफ को शांत करता है। नीम का पेड़ किसी भी अन्य पेड़ की अपेक्षा ज्यादा ऑक्सीजन छोड़ता है। इस कारण जहां नीम का पेड़ होता है, वहां आपको ऑक्सीजन काफी मात्रा में मिलती है। इसके फूल, बीज, पत्तियां तथा छाल विभिन्न औषधियों में प्रयुक्त होते हैं।

नीम की पत्तियों का काढ़ा नियमित रूप से लेने से त्वचा संबंधी रोग नहीं होते और जिगर ठीक रहता है। नीम त्वचा को चिकनाई देती है और मुहांसे व फोड़े–फुंसियों से उसकी रक्षा करती है।

नीम डायबिटीज के पेशंट्स के लिए भी बढ़िया है। नीम की छाल के अर्क में शहद मिलाकर खाने से यकृत स्वच्छ रहता है तथा उसकी कार्यप्रणाली ठीक रहती है। दांत साफ करने के लिए भी नीम की टहनियों का प्रयोग किया जाता है। नीम को खुजली (स्केबीज) के इलाज में बहुत उपयोगी माना जाता है।

दिल से नहीं दोस्ती इसकी

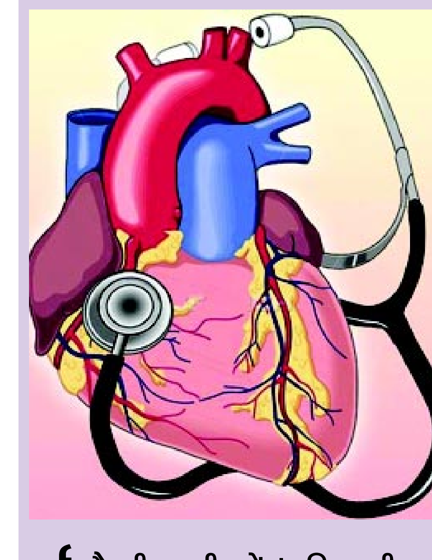

'कैफीन शरीर में इंसुलिन की ग्लूकोज कंट्रोल करने की क्षमता को काफी कम कर देती है।'

अगर आप सोचते हैं कि कद–काठी के हिसाब से आपका वजन और बीएमआई सही है, इसलिए आपको तोंदिल कमर की चिंता करने की जरूरत नहीं है, तो आपको अपनी सोच बदलनी होगी। क्योंकि अगर आप कमर के पास बढ़ती चर्बी की अनदेखी करते हैं, तो सावधान हो जाएं। एक नए अध्ययन में खुलासा किया गया है कि कमर के पास चार इंच की अतिरिक्त फैट होने से आपमें दिल की बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है।

बेठ इस्राइल डीकनेस मैडिकल सेंटर की अग्रणी शोधकर्ता एमिली लेविटन का कहना है, 'बीएमआई, कमर का घेरा, कमर और लंबाई का अनुपात लेने पर पाया गया कि कमर पर फैट ज्यादा होने से दिल की बीमारी का खतरा बढ़ जाता है।'

शोधकर्ताओं के अनुसार जिन महिलाओं के पेट के पास अतिरिक्त फैट होती है उन्हें दिल की बीमारी का खतरा 15 फीसदी बढ़ जाता है। वहीं, तोंदिल पुरूषों में यह खतरा 16 फीसदी बढ़ जाता है।

शोधकर्ताओं ने अपने अध्ययन के लिए इससे पहले हुए दो शोधों पर गौर किया। उसमें 45 और 83 साल की आयु के बीच के 80 हजार से अधिक मरीजों की लंबाई, वजन और उनकी कमर का माप लिया गया था।

अध्ययन के निष्कर्षों में बताया गया कि तोंदिल होने से सामान्य बॉडी मास इंडैक्स (बीएमआई) वाले लोगों में भी दिल की बीमारी का खतरा 18 फीसदी बढ़ जाता है। यह खतरा मोटापा के शिकार लोगों के बराबर होता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये–पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते–बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक–4–5–7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक–3–5–7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर–प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेहमानों का आगमन होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक–5–7–9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार–दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक–2–6–7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन–देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई–बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक–4–6–8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। भावनाओं में न बहें, सावधान रहें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान–सम्मान बढ़ेगा। आय–व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक–3–5–7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन–पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान–पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक–2–4–6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक–2–4–7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन–देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक–3–5–8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। बचते–बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक–3–6–9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मेल–मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान–सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। किसी से निकटता प्रेम–प्रसंग में बदलेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक–3–5–7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक–5–8–9

काकुरो पहेली - 3897

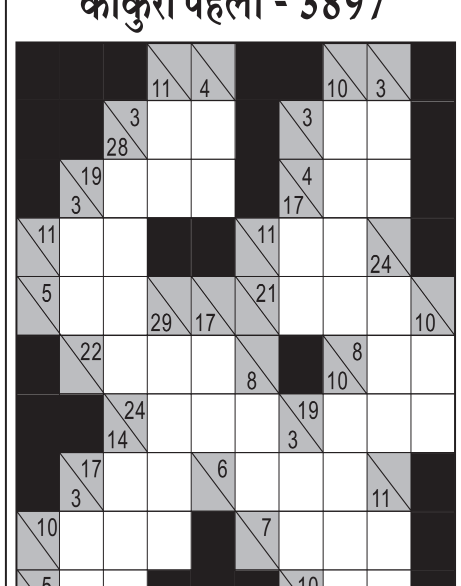

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

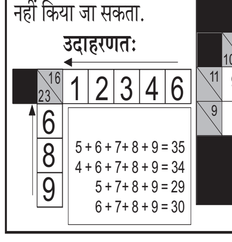

काकुरो - 3896 का हल

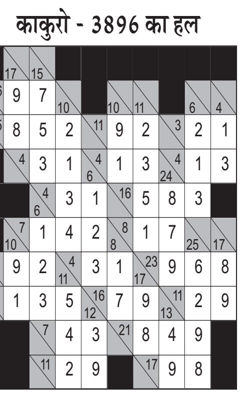

लॉफिंग ज़ोन

विवाह के बाद प्रेमी ने प्रेमिका से कहा कि देखो अब हमारी शादी हो चुकी है।

तुम्हारी कुछ बातें ऐसी हैं, जो मुझे पसंद नहीं आतीं... और मैं तुम्हें वह सब बता देना चाहता हूँ। तुम चाहो तो इन्हें अपनी कमजोरियाँ समझ सकती हो।

प्रेमिका– रहने दो! मुझे अपनी सारी कमजोरियाँ मालूम हैं। आखिर उन्हीं के कारण तो मैं अच्छा पति नहीं पा सकी। इसका मुझे बेहद अफसोस है।

□ □ □

एक मोहल्ले में चल रहे कवि सम्मेलन के दौरान एक कवि मंच पर हाजिर हुआ तो नीचे बैठे श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका स्वागत किया।

कवि बहुत ज्यादा उत्सुक था, उसने कहा– मेरे प्यारे श्रोताओं! अब मैं तुम्हे जो कविता आपको सुनाने जा रहा हूँ उसका शीर्षक है– पानी, आग और धुआँ।

भीड़ में से एक श्रोता चिल्लाया– अरे, तो सीधे–सीधे क्यों नहीं कहते कि हुक्का है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3897

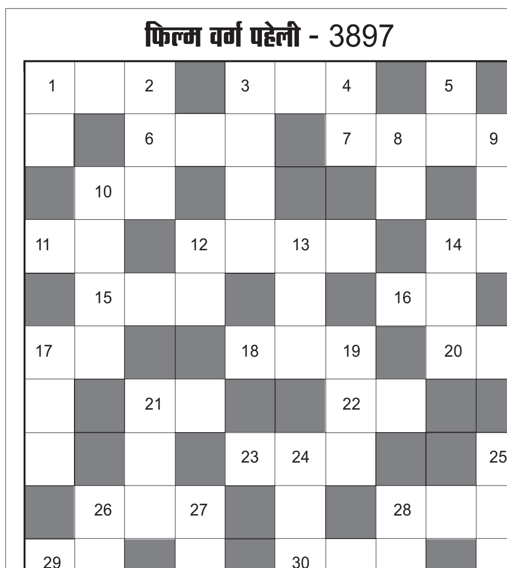

बायें से दायें:–

१. अमोल पालेकर, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म–३
३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली अक्षयकुमार, मधु की फिल्म–३
६. सुनीलदत्त, नूतन की 'सावन का महीना' गीत वाली फिल्म–३
७. 'ये हवाएं सर्द हैं' गीत वाली राजेश, मिथुन, शबाना की फिल्म–४
१०. फिल्म 'नरसिम्हा' में नायक कौन था–२
११. 'तुम को कितना है प्यार' गीत वाली फिल्म–२
१२. 'आवाज दे कहाँ है दुनिया मेरी जवां है' की गायिका कौन थी–४
१४. 'अनपढ़' में धर्मेन्द्र की नायिका–२
१५. फिल्म 'देवदास' में 'चंद्रमुखी' कौन बनी है?–३
१६. 'दिन प्यार के आये रे' गीत वाली शेखर, कामिनी कौशल की फिल्म–२
१७. अमिताभ, शशिकपूर, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म–२
१८. शशिकपूर, जीनत की 'लैला ने भी प्यार किया' गीत वाली फिल्म–३
२०. 'सुना था देखा न था' गीत वाली आफताब, उर्मीला की फिल्म–२
२१. आमिर, माधुरी की 'खभे जैसी खड़ी हैं' गीत वाली फिल्म–२
२२. फिल्म 'ब्लैकमेल' में नायिका कौन थी?–२
२३. अक्षय, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म–३
२६. 'ऊपरवाला दुखियों की' गीत वाली दिलीप, सायरा बानो की फिल्म–३
२८. प्रसिद्ध बालगीत 'आओ बच्चों तुम्हें दिखायें' किस फिल्म का हैं?–३
२९. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म–२
३०. प्रदीपकुमार, वैजयंती की 'जादूगर सैंया' गीत वाली फिल्म–३

ऊपर से नीचे:–

१. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म–२
२. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म–३
३. अक्षय कुमार, करिश्मा की 'सच कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म–४
४. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म–२
५. राज कपूर, नर्गीस की 'ये शाम की तनहाइयाँ' गीत वाली फिल्म–२
८. 'बात बात में रूठो ना' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म–२
९. 'शोला और शबनम' में नायिका कौन थी–३
१०. फिल्म 'सनम बेवफा' में चांदनी के साथ नायक कौन था?–४
१२. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम की फिल्म–२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म–३
१४. 'काले लिबास में बदन' गीत वाली इंद्रकुमार, आयशा की फिल्म–३
१७. जॉय मुखर्जी, सायरा की 'उड़ के पवन के संग' गीत वाली फिल्म–३
१९. 'ऐ दीवाने दिल' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली बेंद्रे की फिल्म–३
२१. 'हाँ हाँ ये प्यार है' गीत वाली फिल्म–३
२४. फिल्म 'अंखियों से गोली मारे' की नायिका कौन है?–३
२५. 'काश तुम मुझ' गीत वाली संजय, रवीना, करिश्मा की फिल्म–३
२६. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म–२
२७. फिल्म 'भूत' में पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका किसने की है?–२
२८. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म–२

फिल्म वर्ग पहेली - 3896

सूडोकु -3897

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3896 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

शब्द पहेली - 3897

बाएँ से दाएँ

1.अशांति, उपद्रव–5
4.गुंडा, बदमाश–3
6.समान–2
7.वारंट, निर्गमपत्र–3
8.पत्र, पाती–2
10.आश्रय–3
11.भेंट, पुरस्कार–4
14.अनुमान, अंदाज–3
16.जो लायक न हो–4
17.एक खलनायक–2
18.जीव, जीवन–2
19.जांचना–परखना–4
21.ख्वाब, स्वप्न–3
22.बलशाली–4
24.रेखा, पंक्ति–3
25.प्यार (अंग्रेजी में–2)
27.भाग्य, किस्मत–3
28.पैंतरा, पारी–2
29.डांट–डपट, घुड़की–3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा–5

ऊपर से नीचे

1.समानता का विलोम–5
2.सीता के पति–2
3.रोना, विलाप करना–4
4.सोच–विचार–3
5.जूं का अंडा–2
7.चाहने का भाव–2
9.भारत–पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक–3
12.दशानन–3
13.मधुशाला–4
15.गुजर–बसर–3
16.नामांकित–4
17.मसविदा, रुप–रेखा–3
18.गंवार–3
20.मन को भाने वाला–5
21.आसान, सीधा–3
22.बारिश–4
23.पागल–3
24.होठ, अधर–2
26.हत्या–2
28.अन्न का एक कण–2

शब्द पहेली -3896 का हल

वभव सूयवशा न साचन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा

हरारे। भारत ने तीन मैचों की टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में जिम्बाब्वे को 7 विकेट से हरा दिया। जिम्बाब्वे के हरारे ग्राउंड में खेले गए मैच में वैभव सूर्यवंशी इंटरनेशनल में फिफ्टी लगाने वाले यंगेस्ट प्लेयर बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का वैभव सूर्यवंशी ने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ाफिफ्टी लगाने वाले यंगेस्ट प्लेयर बने, अर्धशतक मां को डेडिकेट किया भारत ने तीन मैचों की टी-20 सीरीज के पहले मुकाबले में जिम्बाब्वे को 7 विकेट से हरा दिया। जिम्बाब्वे के हरारे ग्राउंड में खेले गए मैच में वैभव सूर्यवंशी इंटरनेशनल में फिफ्टी लगाने वाले यंगेस्ट प्लेयर बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा।

मुकाबले में इंटरेस्टिंग मोमेंट्स भी आए। सूर्यवंशी ने फिफ्टी लगाने के बाद अपनी मां के नाम का पहला लेटर॰ का साइन बनाया। उनकी मां का नाम आरती सूर्यवंशी है।

1. **सूर्यवंशी ने सचिन के यंगेस्ट फिफ्टी का रिकॉर्ड तोड़ा:** सूर्यवंशी इंटरनेशनल में फिफ्टी लगाने वाले दुनिया के यंगेस्ट प्लेयर बन गए। उन्होंने 15 साल 118 दिन की उम्र में फिफ्टी लगाई।

ब्रास सिटी प्री मानसून क्रिकेट टूर्नामेंट : नेक्स्ट ब्लू टीम ने नेक्स्ट रेड टीम को दो विकेट से हराया

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद में ब्रास सिटी प्री मानसून क्रिकेट टूर्नामेंट के छठे दिन नेक्स्ट ब्लू टीम ने नेक्स्ट रेड टीम को दो विकेट से हरा दिया। अर्णव चौधरी को धुआंधार बल्लेबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुरादाबाद के सचिव व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि आज सोनकपुर स्पोर्ट्स स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी नेक्स्ट रेड की टीम 32 ओवर में 153 रन पर ढेर हो गई। टीम के बल्लेबाज मयंक सिंह ने 48 व शेखर ने 13 रन बनाए।

जवाब में नेक्स्ट ब्लू की टीम ने 36.1 ओवर में 8 विकेट पर 154 रन बनाकर जीत हासिल की। अर्णव चौधरी ने नाबाद रहकर 45 गेंद में 101 रन बनाए। कान्हा ने 34 व नैतिक ने 19 रन बनाए। अर्णव चौधरी को धुआंधार बल्लेबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

UTT-7 के सेमीफाइनल में पहुंची दबंग दिल्ली TTC

बटरफ्लाई अल्टीमेट टेबल टेनिस सीजन 7 के क्वार्टरफाइनल में दबंग दिल्ली TTC ने PBG पुणे जगुआर को 10-5 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। पूर्व चैंपियन दिल्ली अब शनिवार को लीग चरण में अजेय रही डेम्पो गोवा चैलेंजर्स से भिड़ेगी, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में एचवीआर कोलकाता थंडरब्लेड्स का मुकाबला यू मुंबा टीटी से होगा। पुणे ने उमर असार की जीत से बढ़त बनाई, लेकिन इसके बाद दिल्ली ने लगातार तीन मुकाबले जीतकर मैच पलट दिया। मारिया शाओ ने महिला सिंगल्स में पृथिका पावड़े को 3-0 से हराया और फिर कप्तान जी. साथियान के साथ मिक्स्ड डबल्स भी 3-0 से जीता। साथियान ने पुरुष सिंगल्स में स्नेहित सुरवज्जुला के खिलाफ पहले दो गेम जीतकर दिल्ली का सेमीफाइनल टिकट पक्का किया।

जापान में होने वाले एशियन गेम्स

भारत के साथ चार टीमों को सीधे नॉकआउट में एंट्री, एशियन गेम्स के क्रिकेट का ड्रॉ घोषित

एजेन्सी, नई दिल्ली

जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स 2026 के पुरुष और महिला क्रिकेट इवेंट का ड्रॉ घोषित कर दिया गया है। भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका को पुरुष इवेंट में सीधा क्वार्टर फाइनल में जगह मिली है। सीडिंग के आधार पर यह फैसला हुआ है। इनके साथ क्वार्टर फाइनल में चार अन्य टीमें क्वालिफाइंग राउंड से पहुंचेंगी। एशियन गेम्स में क्रिकेट का आयोजन टी20 फॉर्मेट में किया जाएगा।

क्वालिफाइंग राउंड के ग्रुप ए में अफगानिस्तान, जापान और नेपाल को जगह मिली है। वहीं ग्रुप बी में हांगकांग, मलेशिया और ओमान है। क्वालिफाइंग राउंड में सभी टीमें अपने-अपने ग्रुप में एक-दूसरे के खिलाफ एक-एक मैच खेलेंगी। दोनों ग्रुपों की टॉप दो टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। अफगानिस्तान ने 2023 में सिल्वर मेडल जीता था।

महिला क्रिकेट क्वार्टर फाइनल से शुरू

महिला क्रिकेट इवेंट में 8 टीमें हिस्सा ले रही हैं। इनके बीच सीधे क्वार्टर फाइनल के मुकाबले खेला जाएंगे। पाकिस्तान का सामना थाईलैंड से होगा तो मलेशइया और श्रीलंका की भिड़ंत होगी। चीन और बांग्लादेश के साथ ही भारत और जापान की टक्कर होगी। इसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल होगा। सेमीफाइनल में हारने वाली टीम के बीच ब्रॉन्ज मेडल मुकाबला होगा।

महिला क्रिकेट क्वार्टर फाइनल मुकाबले

पाकिस्तान VS थाईलैंड
श्रीलंका VS मलेशिया
बांग्लादेश VS चीन
भारत VS जापान

कब होंगे क्रिकेट के मुकाबले?

निशिन के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में क्रिकेट के मुकाबले होंगे। महिला इवेंट की शुरूआत 17 सितंबर को होगी। फाइनल मुकाबला 22 सितंबर को खेला जाएगा। वहीं 24 सितंबर से एक अक्टूबर के बीच पुरुष क्रिकेट खेला जाएगा। भारत ने पिछली बार ने पुरुष के साथ ही महिला इवेंट में गोल्ड मेडल जीता था। टीम एक बार फिर गोल्ड मेडल की दावेदार है।

वेस्टइंडीज टीम में जोशुआ बिशप को पहली बार टेस्ट कॉल-अप

एजेन्सी, नई दिल्ली

पाकिस्तान के खिलाफ 25 जुलाई से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज के लिए वेस्टइंडीज ने 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया है। बाएं हाथ के स्पिनर जोशुआ बिशप को पहली बार टेस्ट टीम में जगह मिली है, जबकि बल्लेबाज किर्क मैकेंजी की 2024 के बाद वापसी हुई है। तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ व्यक्तिगत कारणों से उपलब्ध नहीं थे, जबकि जॉन कैंपबेल हैमस्ट्रिंग चोट के कारण बाहर हो गए।

26 साल के बिशप ने 25 फर्स्ट क्लास मैचों में 119 विकेट लिए हैं और पिछले तीन वेस्टइंडीज चैंपियनशिप सीजन में सबसे ज्यादा 91 विकेट झटके हैं। वहीं मैकेंजी ने हालिया घरेलू सीजन में 6 पारियों में 323 रन (औसत 64.60) बनाकर वापसी का दावा मजबूत किया। खराब प्रदर्शन के कारण तेज गेंदबाज एंडरसन फिलिप को बाहर किया गया, जबकि जोमेल वॉरिकन उप-कप्तान बने रहेंगे।

सीरीज का पहला टेस्ट 25 जुलाई से ब्रायन लारा स्टेडियम (तारोबा) में खेला जाएगा, जहां पहली बार कोई टेस्ट मैच होगा। दूसरा टेस्ट पोर्ट ऑफ स्पेन में होगा। हळ3 अंक तालिका में वेस्टइंडीज 10 में 1 जीत के साथ सबसे नीचे है, जबकि पाकिस्तान ने 4 में से 1 टेस्ट जीता है, इसलिए दोनों टीमों के लिए यह सीरीज अहम मानी जा रही है।

वेस्टइंडीज की पूरी 15 सदस्यीय टीमः रोस्टन चेज (कप्तान), जोमेल वॉरिकन (उप-कप्तान), जोशुआ बिशप, तेगेनारिन चंद्रपॉल, जोशुआ डा सिल्वा, जास्टिन ग्रीव्स, कावेम हॉज, शाई होप, आमिर जांगू, शमार जोसेफ, ब्रैंडन किंग, किर्क मैकेंजी, कीमो पॉल, केमार रोच, जायडेन सील्स।

अफगानिस्तान ने आयरलैंड वनडे सीरीज के लिए टीम घोषित की

काबूल। अफगानिस्तान ने आयरलैंड दौरे के लिए होने वाली 5 मैचों की वनडे सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। 41 साल के ऑलराउंडर मोहम्मद नबी को टीम से बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी की वापसी हुई है, जबकि यामीन अहमदजई और सलीम सफी को भी टीम में शामिल किया गया है। पिछले महीने भारत दौरे पर गई टीम का हिस्सा रहे फरीद मलिक और बिलाल सामी को भी इस बार बाहर कर दिया गया है। अफगानिस्तान की वनडे टीम की कमान पहली बार रहमत शाह के हाथों में होगी। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज को उपकप्तान बनाया गया है।

जर्मनी फुटबॉल टीम के नए मुख्य कोच बने युर्गेन क्लॉप, 2030 विश्व कप तक संभालेंगे जिम्मेदारी

फ्रैंकफर्ट। फीफा विश्व कप-2026 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद जर्मनी फुटबॉल महासंघ ने बड़ा फैसला लेते हुए दिग्गज कोच युर्गेन क्लॉप को पुरुष राष्ट्रीय टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। क्लॉप ने 2030 फीफा विश्व कप तक के लिए जर्मनी के साथ अनुबंध किया है। उनकी नियुक्ति की आधिकारिक घोषणा शुक्रवार को फ्रैंकफर्ट में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई।

क्लॉप ने कहा, राष्ट्रीय टीम जर्मनों को एकजुट करने का काम करती है। यही बात इस जिम्मेदारी को मेरे लिए बेहद खास बनाती है। क्लॉप ने जूलियन नागेल्समैन की जगह ली है। नागेल्समैन ने विश्व कप में पैराग्वे से हार के बाद इस्तीफा दे दिया था। इस हार के साथ जर्मनी लगातार तीसरी बार पुरुष फुटबॉल विश्व कप के अंतिम-16 में जगह बनाने में विफल रहा।

क्रिकेटर आकाशदीप, मुकेश कुमार बने डीएसपी, सीएम के पैर छुए

सम्राट बोले- अगले आईपीएल ऑक्शन में बिहार की टीम भी रहेगी

एजेन्सी, वॉशिंगटन

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शुक्रवार को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय लेवल पर मेडल जीतने वाले 19 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी का जॉइनिंग लेटर दिया। इनमें भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज आकाशदीप और मुकेश कुमार को पुलिस उपाधीक्षक और एथलेटिक्स खिलाड़ी पीयूष राज को पुलिस अवर निरीक्षक पद पर नियुक्ति दी गई।

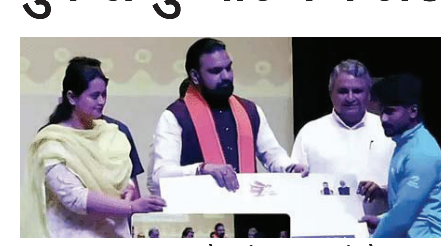

वहीं आकाशदीप और मुकेश कुमार ने पैर छूकर मुख्यमंत्री से आशीर्वाद लिया। ऊर्जा ऑडिटोरियम में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस साल 106 खिलाड़ियों को लेटर पहले ही दिए जा चुका है। इस योजना में नियुक्ति-पत्र, खेल छात्रवृत्ति चयन-पत्र और खेल सम्मान राशि दी गई। इसके अलावा समारोह के दौरान 5 पैरा खिलाड़ियों सहित विभिन्न खेल विधाओं के बाकी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी नियुक्ति-पत्र सौंपे गए। एशियाई अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2026 में स्वर्ण और रजत पदक जीतने और एथलेटिक्स में अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीतने वाले बिहार के पहले खिलाड़ी बने सेतु मिश्रा को 37.50 लाख रुपये की सम्मान राशि प्रदान की गई।

सैन्यम ने 10 मीटर एयर पिस्टल में जीता रजत

नई दिल्ली। भारत की निशानेबाज सैन्यम ने चीन के हांगझोउ में चल रहे आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिला 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा का रजत पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही उन्होंने टूर्नामेंट में भारत का पदक खाता भी खोल दिया। फाइनल में सैन्यम ने दबाव के बीच शानदार संयम और निरंतरता का प्रदर्शन करते हुए 243.4 अंक हासिल किए और दूसरे स्थान पर रहते हुए रजत पदक जीता। यह उनके करियर का दूसरा आईएसएसएफ विश्व कप रजत पदक है, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी लगातार बेहतर होती प्रदर्शन क्षमता का प्रमाण है।

सचिन सिवाच की नजर अब राष्ट्रमंडल खेलों के पदक पर, बोले- सर्वश्रेष्ठ देना ही लक्ष्य

एजेन्सी, मुंबई

हाल के वर्षों में अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी में लगातार शानदार प्रदर्शन करने वाले भारत के उभरते स्टार मुक्केबाज सचिन सिवाच अब राष्ट्रमंडल खेल 2026 में अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं। 26 वर्षीय सचिन इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स (आईआईएस) से जुड़े हैं। वह ग्लासगो में भारत के सबसे प्रबल पदक दावेदारों में शामिल हैं।

सचिन ने 2025 में इतिहास रचते हुए वर्ल्ड बॉक्सिंग कप फाइनल्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष मुक्केबाज बनने का गौरव हासिल किया था। इसके बाद भी उनका शानदार प्रदर्शन जारी रहा। वर्ष 2026 में उन्होंने चेक गणराज्य के ग्रां प्री उस्ती नाद लाबेम और स्पेन के बॉक्साम एलीट इंटरनेशनल टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता, जबकि एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में रजत पदक अपने नाम किया।

राष्ट्रमंडल खेलों में उतरने से पहले सचिन ने कहा कि भारत की जर्सी पहनकर खेलना उनके लिए सबसे बड़ा सम्मान है। उन्होंने शुक्रवार को इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स (आईआईएस) की ओर से जारी एक बयान में कहा, भारत का प्रतिनिधित्व करना हमेशा मेरे लिए सबसे बड़ा गौरव है। हर टूर्नामेंट खास होता है, लेकिन राष्ट्रमंडल खेलों में खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है। मैंने इस मौके के लिए कड़ी मेहनत की है और मेरा लक्ष्य हर मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ देना, देश को गौरवान्वित करना और रिंग से यह संतोष लेकर बाहर आना है कि मैंने अपना सब कुछ झोंक दिया।

तकनीकी सुधार पर रहा पूरा फोकस : सचिन ने बताया कि पिछले दो वर्षों की सफलता के बाद भी उन्होंने अपनी तैयारी में कोई कमी नहीं छोड़ी। उन्होंने अपनी गति, टाइमिंग, मूवमेंट और रिंग अवेयरनेस को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने कहा, इस स्तर पर जीत और हार का अंतर बहुत कम होता है। इसलिए हर मुकाबले में अनुशासन बनाए रखना और रणनीति को सही तरीके से लागू करना बेहद जरूरी है। हमारी तैयारी शानदार रही है और मैं प्रतियोगिता के लिए पूरी तरह तैयार हूं।

'एक-एक मुकाबले पर रहेगा ध्यान': सचिन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी का स्तर लगातार ऊंचा हो रहा है, इसलिए वह किसी भी प्रतिद्वंद्वी को हल्के में नहीं ले रहे हैं। उन्होंने कहा, इस स्तर पर हर मुकाबला कठिन होता है। मैं आगे की नहीं, सिर्फ अगले मुकाबले की सोच रहा हूं। यदि मैं शांत रहकर अपनी ताकत के अनुसार मुक्केबाजी कर पाया और अपनी रणनीति पर अमल किया तो मुझे भरोसा है कि मैं शानदार प्रदर्शन कर सकता हूं।

भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पहला मेडल

एजेंसी ग्लासगो

ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने पहला मेडल जीत लिया है। बिहार के पैरा पावरलिफ्टर झंडू कुमार ने पुरुष हेवीवेट वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। उन्होंने 190 किलोग्राम की बेस्ट लिफ्ट के साथ 130.9 अंक हासिल किए। इससे पहले पुरुष और महिला लाइटवेट पैरा पावरलिफ्टिंग में भारत मेडल से चूक गया था। वहीं बॉक्सिंग में जादुमणि सिंह ने जीत के साथ राउंड ऑफ-16 में जगह बनाई। लॉन बॉल्स में पुतुल सोनोवाल ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

झंडू कुमार ने जीता ब्रॉन्ज, भारत का खाता खोला

28 साल के झंडू कुमार ने ग्रुप-बी से खेलते हुए पहले प्रयास में 181 किलोग्राम और दूसरे प्रयास में 190 किलोग्राम वजन उठाया। इससे उन्हें 130.9 अंक मिले। तीसरे प्रयास में उन्होंने 196 किलोग्राम उठाकर बर्मिंघम 2022 का गेम्स रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सके। इसके बावजूद उनका स्कोर ब्रॉन्ज मेडल के लिए पर्याप्त रहा। नाइजीरिया के रिलुवान इदरीस ने गोल्ड और इंग्लैंड के मैथ्यू हार्डिंग ने सिल्वर जीता।

1. सब्जियां बेचने और ई-रिक्शा चलाने से कॉमनवेल्थ मेडल तक का सफर

बिहार के नालंदा जिले के हरनौत में झंडू कुमार बचपन से पोलियो से प्रभावित थे। परिवार की मदद के लिए उन्होंने सड़क किनारे पिता के साथ आलू-प्याज बेचे और कोविड के दौरान ई-रिक्शा चलाकर रोजी-रोटी कमाई। अब वही खिलाड़ी कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के लिए मेडल जीत चुका है।

2. ई-रिक्शा बेचकर नेशनल चैंपियनशिप खेलने गए, वहीं से बदली किस्मत

2023 में नेशनल चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिए उन्होंने अपना ई-रिक्शा तक बेच दिया। पहली बार में कोई सफल लिफ्ट नहीं लगा सके, लेकिन उनकी प्रतिभा पर पैरालिंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट राजिंदर सिंह राहेलू की नजर पड़ी।

12 हजार आबादी वाले नौरू में फुटबॉल को बढ़ावा

दुनिया का एकमात्र देश, जिसने अब तक नहीं खेला इंटरनेशनल टूर्नामेंट

एजेन्सी, यारेन

दुनिया के नक्शे पर छोटा दिखने वाला देश खेल के जरिए नई पहचान बनाने की कोशिश कर रहा है। नौरू 2028 में माइक्रोनेशियन गेम्स की मेजबानी करेगा, जिसमें फुटबॉल भी शामिल है।

वर्ल्ड कप के दौरान दुनिया में फुटबॉल का जुनून हर जगह दिखाई देता है। लेकिन प्रशांत महासागर के बीच बसे 21 वर्ग किलोमीटर के छोटे से देश नौरू में विश्व कप खत्म होते ही फुटबॉल भी जैसे खत्म हो जाता है। इस देश में फुटबॉल सिर्फ टीवी तक सीमित है। करीब 12 हजार आबादी वाले नौरू ने अब तक एक भी अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैच नहीं खेला।

पूरे देश में फुटबॉल खेलने के लिए सिर्फ एक सख्त रेत का मैदान है। बच्चे लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो की जर्सी पहनते हैं, लेकिन अगर कोई फुटबॉल खेलने की बात करे तो अक्सर उसका मजाक बना दिया जाता है। यहां ऑस्ट्रेलियन रूल्स फुटबॉल सबसे लोकप्रिय है। हालांकि, तस्वीर धीरे-धीरे बदलने लगी है।

ब्रिटेन के पूर्व फुटबॉलर चार्ली पॉमरॉय और उनके साथ जुड़े कुछ वॉलंटियर्स नौरू में फुटबॉल की नई शुरूआत करने में जुटे हैं। उनका सपना फुटबॉल की ऐसी संस्कृति तैयार करना है, जो आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचे। इस रास्ते की सबसे बड़ी चुनौती सिर्फ खिलाड़ी नहीं, बल्कि हालात हैं। कभी दुनिया का सबसे अमीर देश माना जाने वाला नौरू फास्फेट खनन पर टिका था। लगातार खनन से द्वीप का बड़ा हिस्सा बंजर और रहने लायक नहीं बचा। खेती लगभग खत्म हो गई। देश को अपने 90% से ज्यादा खाद्य पदार्थ आयात करने पड़ते हैं।

इसका असर लोगों की सेहत पर भी पड़ा। यहां करीब 69% आबादी मोटापे की शिकार है। ऐसे में फुटबॉल सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि बेहतर जीवन की उम्मीद बनकर सामने आया है। वॉलंटियर्स ने 4 से 14 साल के दो हजार बच्चों तक फुटबॉल पहुंचाने का अभियान शुरू किया है। चर्च और स्कूलों की मदद से बच्चों को गेंदें बांटी जा रही हैं। स्थानीय कोच तैयार किए जा रहे हैं, ताकि यह पहल कुछ महीनों की नहीं, बल्कि लंबे समय तक चल सके।

मिनी ओलिंपिक की मेजबानी भी करेगा नाउरू

नौरू 2028 में माइक्रोनेशियन गेम्स की मेजबानी करेगा, जिसमें फुटबॉल भी शामिल है। इसलिए देश के लिए यह बदलाव और भी अहम हो जाता है। दुनिया के नक्शे पर छोटा दिखने वाला देश खेल के जरिए नई पहचान बनाने की कोशिश कर रहा है। माइक्रोनेशियन गेम्स, जिन्हें माइक्रो गेम्सटूनार्मेंट कहा जाता है, प्रशांत महासागर के माइक्रोनेशिया क्षेत्र के देशों के बीच 4 साल में होने वाला इंटरनेशनल मल्टी-स्पोर्ट्स टूनार्मेंट है। इसे इस क्षेत्र का मिनी-ओलिंपिक टूनार्मेंट भी माना जाता है।

झारखंड वार्ता
रविवार, 26-07-2026
www.jharkhandvarta.com

घोस्ट डायरेक्टिंग पर बोले आमिर खान

आमिर खान को बॉलीवुड का 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' कहा जाता है। फिल्मों में उनकी गहरी दिलचस्पी और हर छोटी-बड़ी चीज पर ध्यान देने की आदत की वजह से अक्सर ऐसी अफवाहें उड़ती रही हैं कि वह अपनी फिल्मों को पर्दे के पीछे से खुद डायरेक्ट करते हैं। लेकिन अब आमिर खान ने इन सभी खबरों पर खुलकर जवाब दिया है। हाल ही में स्क्रीन एकेडमी इवेंट के दौरान आमिर खान ने साफ कहा कि अपने 38 साल के करियर में उन्होंने सिर्फ एक ही फिल्म डायरेक्ट की है और वह 'तारे जमीन पर' है। बाकी फिल्मों को लेकर जो 'घोस्ट डायरेक्टिंग' की बातें होती हैं, वह पूरी तरह गलत हैं।

आमिर ने कहा, 'मीडिया ने हमेशा कहा कि मैं फिल्मों को पर्दे के पीछे से डायरेक्ट करता हूं। लेकिन ऐसा क्यों करूंगा मैं? अगर मैं इतना अच्छा काम कर रहा हूं तो किसी और का नाम क्यों दूंगा? क्या मुझे पागल कुत्ते ने काटा है?' उन्होंने आगे कहा कि उन्हें अपने करियर में कई शानदार डायरेक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिला, जिनसे उन्होंने बहुत कुछ सीखा। आमिर का मानना है कि हर निर्देशक अपनी अलग सोच और स्टाइल लेकर आता है और यही वजह है कि उनकी फिल्में एक-दूसरे से बिल्कुल अलग दिखाई देती हैं। आमिर ने उदाहरण देते हुए कहा कि 'लगान', 'रंग दे बसंती', 'सरफरोश' और '3 इडियट्स' जैसी फिल्मों का अंदाज और कहानी अलग-अलग है, क्योंकि हर फिल्म के पीछे अलग निर्देशक की सोच थी। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्मों की सफलता सिर्फ एक इंसान की नहीं होती, बल्कि पूरी टीम की मेहनत का नतीजा होती है। आमिर ने बताया कि उन्होंने 'तलाश', 'रंग दे बसंती' या 'तारे जमीन पर' की कहानी नहीं लिखी थी। उन्हें बस ये कहानियां पसंद आईं और वह उनका हिस्सा बनना चाहते थे।

वर्कफ्रंट की बात करें तो आमिर खान आखिरी बार 'सितारे जमीन पर' में नजर आए थे। आने वाले समय में वह राजकुमार हिरानी की '3 इडियट्स' के सीक्वल में दिखाई दे सकते हैं।

इश्क दम और इडली रसम खाना, परिवार और भावनाओं की खूबसूरत कहानी

अभिनेत्री सुरभि चंदना अपनी नई वेब सीरीज 'इश्क दम और इडली रसम' को लेकर उत्साहित हैं। खास बात है कि इस सीरीज को उन्होंने को-प्रोड्यूस भी किया है। अभिनेत्री ने अपकमिंग वेब सीरीज को परिवार, प्यार, भावनाओं और सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने वाली एक दिलकश कहानी बताया है। बालाजी टेलीफिल्म्स निर्मित यह शो दर्शकों को एक पुराने साउथ इंडियन रेस्टोरेंट की भावुक कहानी के माध्यम से खाने की खुशबू, यादों और रिश्तों की गहराई दिखाएगा। शो की कहानी एक पुराने साउथ इंडियन रेस्टोरेंट के इर्द-गिर्द घूमती है, जो टिके रहने के लिए संघर्ष कर रहा है। इस सीरीज के केंद्र में मीरा नायर हैं, जिनका किरदार शाइनी दोशी ने निभाया है। मीरा एक भावुक शेफ है, जो मानती है कि खाना सिर्फ खाना नहीं, बल्कि सेवा, सुकून और जिम्मेदारी है। अपने दिवंगत पिता की विरासत को संभालते हुए वह रेस्टोरेंट को सिर्फ एक बिजनेस नहीं, बल्कि अपनी भावनाओं और मूल्यों का हिस्सा मानती है। कहानी आगे बढ़ती है और अभिषेक कुमार के निभाए किरदार अर्जुन ठाकुर की एंट्री होती है, जो एक शेफ और इन्वेस्टर हैं। जब वह मीरा के रेस्टोरेंट में आता है, तो मीरा की दुनिया हिल जाती है। अर्जुन रेस्टोरेंट को फिर से खड़ा करने का वादा करते हैं, लेकिन साथ ही मीरा की उन सारी चीजों को बदलने का खतरा भी पैदा करते हैं जो उनके दिल के सबसे करीब हैं।

सुरभि ने इसे अपने करियर का नया अध्याय बताया और कहा कि वह आगे बढ़ते रहना चाहती हैं। सुरभि चंदना ने शो के बारे में बात

करते हुए बताया, ''इश्क दम और इडली रसम' बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ काम करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है। यह शो मेरे लिए बहुत खास है क्योंकि इसमें दिल, अपनापन और सादगी भरपूर है। शुरुआत से ही मुझे इस प्रोजेक्ट से गहरा जुड़ाव महसूस हुआ। कैमरे के पीछे क्रिएटिव जर्नी का हिस्सा बनना और कहानी से भावनात्मक रूप से जुड़ना मेरे लिए बेहद खूबसूरत अनुभव रहा है। यह शो प्यार, परिवार, भावनाओं और संस्कृति का ताजगी भरे अंदाज में जश्न मनाता है।' वहीं, अभिषेक कुमार ने अपने किरदार अर्जुन ठाकुर के बारे में बात करते हुए कहा, 'यह कोई आम लव स्टोरी या टिपिकल शेफ ड्रामा नहीं है। यहां खाना लोगों की भावनाओं, नियंत्रण और अतीत को समझने का जरिया है। अर्जुन उन सबसे मुश्किल किरदारों में से एक है जिन्हें मैंने निभाया है। यह किरदार गंभीर, नियंत्रित और भावनाओं को छुपाने वाला है। इस शो के जरिए मुझे एक अभिनेता के रूप में आगे बढ़ने का मौका मिला है।' शो में शाइनी दोशी, अभिषेक कुमार के अलावा नेहा लक्ष्मी अय्यर, अमन सिंह, प्रेरणा सहगल, विजया लक्ष्मी गुरव और करण खन्ना भी अहम भूमिकाओं में हैं।

एक एक्टर के तौर पर आप फिल्म को सिर्फ अपनी नहीं मान सकते, यह पूरी टीम की होती है

'टॉक्सिक' पहले यह फिल्म मार्च में रिलीज होने वाली थी, फिर इसे जून के लिए शिफ्ट किया गया था। लेकिन अब इसकी कोई फाइनल रिलीज डेट अभी तक घोषित नहीं की गई है। इसपर अब तारा सुतारिया ने भी अपने विचार रखे हैं।

यश स्टारर इस पैन-इंडिया फिल्म को लेकर बताया गया था कि मिडल ईस्ट में चल रहे हालात की वजह से रिलीज प्लान में बदलाव करना पड़ा। बाद में यह भी साफ किया गया कि फिल्म पूरी तरह बनकर तैयार है, लेकिन टीम अभी इसकी ग्लोबल रिलीज और बड़े डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर्स को फाइनल करने में लगी हुई है, ताकि फिल्म को दुनिया भर में सही तरीके से रिलीज किया जा सके। इसी बीच फिल्म की एक्ट्रेस तारा सुतारिया ने बातचीत में इस देरी पर अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने कहा कि वह इस पूरी स्थिति को बहुत समझदारी से देखती हैं। तारा ने एक इंटरव्यू में कहा, 'मैं बहुत पेशेंस रखती हूं। मैं ये नहीं सोचती कि अगर फिल्म तुरंत रिलीज नहीं हुई तो क्या होगा। एक एक्टर के तौर पर आप फिल्म को सिर्फ अपनी नहीं मान सकते, यह पूरी टीम की होती है।' उन्होंने आगे कहा कि कई बार बड़े फैसलों के पीछे सही वजहें होती हैं, जिन्हें प्रोड्यूसर्स और डायरेक्टर्स बेहतर समझते हैं। तारा ने यह भी कहा कि वह दर्शकों की एक्साइटमेंट को समझती हैं और खुद भी फिल्म का इंतजार कर रही हैं, लेकिन उनका मानना है कि यह इंतजार फिल्म के लिए फायदेमंद साबित होगा और इसे ग्लोबली बेहतर रिस्पॉन्स मिलेगा।

अब यश के फैंस बेसब्री से फिल्म की नई रिलीज डेट का इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में कियारा और यश के अलावा नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत जैसे कलाकार हैं। इसमें यश डबल रोल में होंगे।

असली फेमिनिज्म वही, जहां पुरुष अपनी महिला को पहचान बनाने का पूरा मौका दे

टेलीविजन की मशहूर अभिनेत्री रुबिना दिलैक ने हाल ही में नारीवाद और रिश्तों में पुरुष व महिला ऊर्जा के संतुलन पर अपनी राय रखी। उनका कहना है कि असली नारीवाद (फेमिनिज्म) तभी संभव है, जब एक पुरुष अपनी साथी को अपनी पहचान बनाने और आगे बढ़ने का पूरा मौका दे।

खास बातचीत में रुबिना ने कहा, 'जब तक कोई पुरुष अपनी महिला की पहचान को खिलने का मौका नहीं देता, तब तक हम फेमिनिज़्म के बारे में चाहे कितनी भी जोर से क्यों न बात कर लें, यह मुमकिन नहीं है।' उन्होंने इसे आध्यात्मिक नजरिए से भी समझाया। रुबिना ने कहा कि जैसे शक्ति और शिव की ऊर्जा मिलकर संतुलन बनाती है, वैसे ही रिश्तों में भी पुरुष और महिला दोनों की भूमिकाएं बराबर अहम होती हैं। जब शक्ति को अपनी ताकत दिखानी होती है, तब वह सामने आती है और जब शिव को अपनी पुरुष ऊर्जा दिखानी होती है, तब वह नजर आती है। यही दोनों शक्तियों का खूबसूरत संतुलन है।

रुबिना ने आगे बताया कि रिश्तों में समय के साथ कई बदलाव आते हैं। कभी एक साथी अपने सपनों को पूरा करने में लगा होता है, तो दूसरा उसका साथ देता है। उन्होंने अपने पति अभिनव शुक्ला का उदाहरण देते हुए कहा कि जिंदगी में कुछ समय ऐसा होगा जब अभिनव अपने काम और सपनों पर ध्यान देंगे और वह उनका साथ देंगी। वहीं कुछ समय ऐसा भी आएगा जब वह अपने सपनों को पूरा करेंगी और अभिनव उनका साथ करेंगे। उन्होंने कहा, 'जब आप इस बात को समझते हैं, तो इससे परिवार के लिए एक मजबूत वैल्यू सिस्टम बनता है।' रुबिना जल्द ही टीवी के चर्चित रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी के 15वें सीजन में नजर आने वाली हैं। शो की शूटिंग के लिए वह जल्द ही दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन रवाना होंगी। रुबिना ने यह भी बताया कि अपनी जुड़वां बेटियों से 40 दिनों तक दूर रहना उनके लिए एक मां के तौर पर काफी मुश्किल होने वाला है। उन्होंने कहा कि बच्चों से दूर रहकर उनके गले लगने और प्यार को मिस करना आसान नहीं होगा।

मैं नेपो किड नहीं हूं

कभी बॉलिवुड सिलेब्स के साथ फोटो खिंचवाकर चर्चा में आए ओरहान अवात्रामणि उर्फ ओरी आज खुद एक सोशल मीडिया स्टार बन चुके हैं। वहीं, अब जल्द ही वह टीवी के मशहूर रिएलिटी शो खतरों के खिलाड़ी के 15वें सीजन में खतरों से खेलते हुए भी दिखेंगे। ऐसे में, जब हमने ओरी से इस शो में भागीदारी की वजह जाननी चाही तो उनका जवाब चौंकाने वाला था। ओरी का कहना है कि बहुत समय से उन्हें खुशी, दुख, दर्द, भय कोई भी इमोशन महसूस नहीं होता, इसलिए उन्होंने इस शो को हां कहा ताकि वे शो के चुनौतीपूर्ण टास्क के दौरान वापस जिंदा महसूस कर सकें।

काफी समय से बहुत डिप्रेशन में हूं

बकौल ओरी, 'मैं जिस तरह की जिंदगी जीता हूं, उसमें मैं हर तरह से अहसास के प्रति डीसेंसिटाइज यानी संवेदनहीन हो चुका हूं। मैं चाहे नई गाड़ी ले लूं, बैग ले लूं, हॉलिडे पर चला जाऊं, मुझे कोई भी चीज एक्साइट नहीं करती। मैंने खतरों के खिलाड़ी 15 के लिए इसलिए हां कहा, क्योंकि मैं जिंदगी को महसूस करना चाहता हूं। मैं फिर जिंदा महसूस करना चाहता हूं। मैं काफी समय से बहुत ही डिप्रेस्ड (अवसादग्रस्त) रहा हूं। मुझे बहुत अजीब लगता है, जब मैं बाहर जाता हूं और मेरे इतने सारे फैंस मुझे सिर्फ देखकर इतने उत्साहित होते हैं। मतलब मेरे जैसे खुद अवसाद में जी रहे इंसान के लिए यह विडंबना ही है। लेकिन सोशल मीडिया पर तो ओरी बहुत खुशमिजाज लगते हैं? इस पर वह कहते हैं, 'आपको दुनिया के सामने अपना बेस्ड साइड ही दिखाना पड़ता है। आप वहां ऐसी पिक्चर्स नहीं पोस्ट कर सकते जिसमें खुश न हों पर मैंने बहुत समय से कुछ महसूस नहीं किया है।'

खुशी, दुख, उत्साह कुछ महसूस नहीं होता

क्या ओरी को जिंदगी में किसी चीज से डर लगता है? यह पूछने पर वह कहते हैं, 'नहीं, वही तो मैं कह रहा हूं कि मुझे याद नहीं आता कि आखिरी बार कब मैंने कोई भी फीलिंग महसूस किया था। खुशी, गुस्सा, दुख, उत्साह, कोई भी अहसास। कई बार मुझे खुद को याद दिलाना पड़ता है कि मुझे कुछ महसूस करना है। इसके लिए मुझे खुद पर बहुत जोर डालना पड़ता है।

सांस भी लेता हूं तो लोग जज करते हैं

ओरी को सोशल मीडिया पर पॉपुलैरिटी और ट्रोलिंग दोनों भरपूर मिली है। उन्हें काफी जज भी किया जाता है। वह कहते हैं, 'मुझे दोनों ही चीजों से फर्क नहीं पड़ता। मैं कोई नेपो किड नहीं हूं। मैं फेमस पैदा नहीं हुआ हूं। मैंने अपनी प्रसिद्धि कमाई है तो अगर मैं पहले इसके बिना रहा हूं तो बाद में भी रह सकता हूं। रही बात जजमेंट की तो लोगों ने मुझे हर वक्त जज किया है, इसलिए मैं उसके प्रति भी पूरी तरह डीसेंसिटाइज हो चुका हूं। मुझे फर्क ही नहीं पड़ता क्योंकि मैं कुछ भी करूं लोग मुझे जज ही करते हैं। मैं घर से बाहर निकलता हूं और जज होता हूं।

मेरा सारा के साथ कोई विवाद नहीं है

पिछले दिनों ओरी का उनकी खास दोस्त सारा अली खान के साथ विवाद भी सुर्खियों में रहा। इस बारे में ओरी बताते हैं, 'मेरा सारा के साथ कोई विवाद नहीं है। मेरा विवाद उसकी मां अमृता सिंह के साथ है, मगर मैं सारा के साथ दोस्त होने का दिखावा नहीं कर सकता, जबकि उसकी मां ने मेरे साथ इतना गलत किया। मैंने यही कहा है कि जो अमृता ने मेरे साथ किया, वो ठीक नहीं था और जब तक वो माफी नहीं मांगती, मैं सारा अली खान के साथ दोस्ती का दिखावा नहीं कर सकता। वरना सारा के साथ मेरी कोई बैर नहीं थी। उन्होंने अभी तक कोई माफी नहीं मांगी है। मैं अब भी इंतजार कर रहा हूं।'